डिजिटल संस्करण

केशव टाइम्स

24 जून 2025
मंगलवार

लाइसेंसी हथियार रखने वालों को अब 200 नहीं सिर्फ 50 गोलियां मिलेंगी 4

मेरे दुश्मन हर तरफ से लगे हुए हैं, मेरी जान को खतरा है, सरकार सुरक्षा बढ़ाए: तेज प्रताप

- लालू के लाल बोले- राजद में बैठे चार-पांच लोगों ने मुझे अकेला करने की साजिश रची है, मैं दबने वाला आदमी नहीं
- बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने का किया एलान

केटी न्यूज/पटना

बिहार सरकार के पूर्व मंत्री और हसनपुर के राष्ट्रीय जनता दल के विधायक तेज प्रताप यादव को अपनी जान पर खतरा नजर आ रहा है। उन्होंने नीतीश कुमार सरकार से मांग की है कि वह उनकी सुरक्षा बढ़ाए। तेज प्रताप यादव ने बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने का एलान किया। अपने साथ हुए अन्याय और बिहार चुनाव के लिए अपनी तैयारी तक 'गर्लफ्रेंड कांड' के बाद पहली बार विस्तार से पहली बार बात की। तेज प्रताप ने समाचार एजेंसी एएनआई से कहा कि जिस तरह का पिछले दिनों प्रकरण सामने आया, उसमें चार-पांच लोगों के माध्यम से साजिश करके मुझे पार्टी से बाहर निकाला गया। यह पूरे बाहर की जनता ने देखा है, देश की जनता ने देखा है। जनता जानती है कि किस तरह का मेरा स्वभाव है और कैसे हम लोगों में घुलमिल जाते हैं। इसी का फायदा उठाकर राजद में बैठे चार-पांच लोगों ने मुझे पूरी तरह से अकेला करने के लिए यह खेल किया। तेज प्रताप यादव ने कहा कि चार-पांच लोग साजिश कर मुझे दबाना चाहते हैं। मैं दबने वाला आदमी नहीं हूं। हम चुनौती देते हैं। हम जनता के बीच जाएंगे। जनता न्याय करेगी। वह चार-पांच लोग जो बैठे हैं, वह अन्याय करते रहेंगे- ऐसा नहीं संभव है। मेरे निजी जीवन के बारे में लोगों ने उंगली उठाई, हस्तक्षेप किया। यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जनता ने देखा है। जनता ही न्याय करेगी। जिसको हमसे खतरा है वह हमसे फरिया लेगा। ज्यादा हमको दबाएगा तो न्यायालय का सहारा लेंगे।

अपने दुश्मनों को दी चुनौती

तेज प्रताप ने अपने दुश्मनों को चुनौती दी, लेकिन साथ-साथ अपनी जान पर खतरा भी बताया। उन्होंने कहा- हम अभी असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। हम सरकार से कहना चाहते हैं कि मेरी सुरक्षा बढ़ाई जाए। हमारे दुश्मन हर तरफ से लगे हुए हैं। जान के ऊपर खतरा है। हमारा स्टैंड क्लियर है। हम अपने स्टैंड से पीछे नहीं हटेंगे। जो चार-पांच लोग मेरे जीवन को बर्बाद किए हैं और निजी जीवन को उजागर किए हैं, मैं उन लोगों को नहीं छोड़ूंगा। बख्शने वाला नहीं हूं।

तेजस्वी यादव बने मुख्यमंत्री

तेज प्रताप यादव ने कहा- हमको संगठन से, पार्टी से, घर से बेदखल किया गया है। हमने कभी किसी के लिए गलत नहीं सोचा। अपने माता-पिता का रिस्पेक्ट किया है, सम्मान किया है। साथ ही साथ तेजस्वी मुख्यमंत्री बने, एक बड़े भाई के रूप में पूरे तरीके से उनको हमारा आशीर्वाद है। हमारा पूरा सहयोग रहेगा, वह आगे बढ़ें। बड़ा भाई होने के नाते छोटे भाई को मेरा आशीर्वाद रहेगा। बड़ा भाई सिर्फ आशीर्वाद दे सकता है कि उनका भविष्य उज्ज्वल हो।

समय आने पर साजिशकताओं का नाम खोलेंगे: तेज प्रताप ने बार-बार चार-पांच लोगों की साजिश का जिक्र किया, लेकिन जब उनके नाम के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि समय आने पर नाम खोल दूंगा। अभी नाम को सस्पेंस में रहने दीजिए। फिलहाल मैं जनता को बताना चाहता हूं कि कौन लोग हमारे साथ अन्याय कर रहे हैं, उन्हें आप जानते हैं।

हम विधानसभा का चुनाव जरूर लड़ेंगे, कोई रोक नहीं है

अपनी पार्टी बनाएंगे या चुनाव में नहीं उतरेंगे, इस सवाल के जवाब में तेज प्रताप ने कहा कि मैं अपनी पार्टी नहीं बनाऊंगा। मैं जनता के बीच में जाऊंगा। हम क्यों बनाएंगे अपनी पार्टी? पार्टी बनाकर ही चुनाव लड़ा जाता है क्या? ऐसे चुनाव नहीं लड़ा जाता है क्या? पार्टी बनाना या नहीं बनाना एक अलग का बात है। मेरा बैकग्राउंड पॉलिटिक्स का रहा है। मंत्री रहे हैं। विधायक हैं। लाखों-करोड़ों की जनता जब चुनती है तो कुछ सोच-समझ कर ही चुनती है। हसनपुर की महान पूजनीय जनता ने हमको चुना है तो कुछ क्वालिटी या गुण देखा होगा। जो जनता का दर्द समझेगा, जनता के बीच में रहेगा, वही तो नायक कहलाएगा। हम जरूर चुनाव लड़ेंगे। कोई रोक नहीं है। हम किसी की बात में आने वाले नहीं हैं। खुलकर चुनौती का सामना करेंगे।

दुख की घड़ी में जो साथ दे रहा है वही मेरे लिए भगवान: तेज प्रताप ने पहले हसनपुर की जनता को भगवान बताया, फिर आगे कहा कि जो परिस्थिति है, उस दुख की घड़ी में कोई साथ देने वाला नहीं है और जो मेरा साथ दे रहे हैं- वह मेरे लिए भगवान है। शादी की तस्वीरों को लेकर पूछे सवाल पर तेज प्रताप यादव ने कहा कि वह मेरा निजी जीवन है। उसपर किसी को हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है। राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि हमारे पिताजी को शुभकामनाएं। उनको हमारा भी आयु लग जाए। उनका और उज्जवल भविष्य हो। तेजस्वी आगे बिहार के मुख्यमंत्री बनें, मेरा आशीर्वाद है।

खबरें फटाफट

भारतीय विमानों के लिए पाक ने बंद किया अपना हवाई क्षेत्र

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले के बाद से ही भारत-पाकिस्तान के बीच संबंध सबसे बुरे दौर में हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद से ही पाकिस्तान की नापाक हरकत जारी है। अब पाक के एक ताजा नोटिस टू एयरमेन के अनुसार भारतीय विमानों और भारतीय एयरलाइनों द्वारा संचालित विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को एक महीने के लिए बंद कर दिया गया है। ये फैसला 24 जुलाई की सुबह तक लागू है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद से ही पड़ोसी मुल्क ने भारतीय विमानों और भारतीय एयरलाइनों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया था। इसके बाद 30 अप्रैल को भारत ने भी पाकिस्तानी विमानों और एयरलाइनों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया। फिर 23 मई को दोनों देशों ने हवाई क्षेत्र को बंद करने की अवधि को एक महीने के लिए बढ़ा दिया, जो कि 24 जून को भारतीय समयानुसार सुबह 5:29 बजे तक है। सोमवार को पाकिस्तान के विमानन अधिकारियों ने हवाई क्षेत्र बंद होने की प्रभावी अवधि को छोड़कर पिछले नोटिसों के अनुसार ही एक नया नोटिस टू एयरमेन जारी किया। पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र बंद होने से भारतीय एयरलाइनों की लगभग 800 फ्लाइट्स अधिक ट्रैवल टाइम ले रही हैं। वहीं ईंधन की खपत में भी वृद्धि हो रही है।

सीएम नीतीश कुमार ने किया कच्ची दरगाह-बिदुपुर 6 लेन का लोकार्पण

पटना से सीधे जुड़ा राघोपुर, अब मात्र 15 मिनट में राजधानी से हो सकेगा संपर्क

केटी न्यूज/पटना

76 सालों के बाद राजधानी पटना से राघोपुर जुड़ गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को कच्ची दरगाह-बिदुपुर 6 लेन का लोकार्पण किया। ये पटना का गंगा नदी पर बना तीसरा पुल है। कच्ची दरगाह-बिदुपुर सिक्स लेन परियोजना के प्रथम चरण में एनएच 31 से राघोपुर का लोकार्पण किया गया। इस पुल के बन जाने से राघोपुर दियारा के निवासियों को एक तोहफा मिला है। राघोपुर की जनता जो कई दशकों से पटना शहर में होकर भी पटना से दूर थी अब मात्र 15 मिनट में पटना शहर राघोपुर से इस पुल के माध्यम से आ जा सकेगी। उत्तर और दक्षिण बिहार के बीच कनेक्टिविटी भी बेहतर होगी। इस पुल को बनाने में 5 हजार करोड़ रुपये लगे हैं।

इस पुल के उद्घाटन के मौके पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा, मंत्री नितिन नवीन और विधान सभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पुल का जायजा लिया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस पुल के उद्घाटन पर खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि इस पुल के बनने से राघोपुर के लोगों को पटना से पूरे साल सड़क संपर्क मिलेगा। इससे इलाके में खेती, उद्योग और व्यापार तेजी से बढ़ेंगे। मरीजों को भी अस्पताल जाने में आसानी होगी। महात्मा गांधी सेतु पर ट्रैफिक का दबाव भी कम होगा। यह पुल उत्तर बिहार को दक्षिण बिहार से जोड़ने वाली सिक्स लेन रोड का हिस्सा है। इसे बनाने में 5 हजार करोड़ रुपये की लागत आई है। इसका निर्माण कार्य 2016 में शुरू हुआ था। वैशाली जिले के राघोपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक तेजस्वी यादव हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि कच्ची दरगाह-बिदुपुर 6 लेन गंगा पुल के लोकार्पण से राघोपुर दियारा क्षेत्र के लोगों को राजधानी पटना से पूरे वर्ष के लिए सड़क सम्पर्कता मिल जाएगा।

नाव-पीपा पुल के सहारे पटना आते जाते थे राघोपुर के लोग

राघोपुर दियारा के लोग दशकों से नावों और पीपा पुल के सहारे राजधानी पटना आते जाते थे। इस क्षेत्र के लोग अब पहली बार सड़क मार्ग से राजधानी से सीधे जुड़ सकेंगे। बाढ़ के समय राघोपुर दियारा के लोगों को खासा परेशानी उठानी पड़ती थी। इस पुल के बन जाने आए बाढ़ में जान माल की रक्षा हो पाएगी। साथ ही राहत भी जल्द मुहैया कराई जा सकती है। इस संबंध में पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने कहा कि यह पहला स्थायी पुल होगा, जो राघोपुर को राजधानी पटना से जोड़ेगा। स्थानीय लोगों को मानसून से पहले बनाए जाने वाले पीपा पुल या नावों पर अब निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि हर साल बारिश में जब पीपा पुल हटा दिया जाता था, तब यह इलाका शेष राज्य से पूरी तरह कट जाता था लेकिन अब इस पुल के शुरू होने से सालभर निर्बाध आवागमन संभव हो पाएगा। पथ निर्माण मंत्री ने बताया कि 19 किलोमीटर लंबी इस परियोजना में 9.76 किलोमीटर का हिस्सा गंगा नदी पर बना एक्स्ट्रा डोज्ड केबल स्टे ब्रिज है। इसकी चौड़ाई 32 मीटर है। इसे 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार के अनुरूप डिजाइन किया गया है।

काफी मजबूत है केबल ब्रिज

मंत्री नितिन नवीन ने बताया कि एक्स्ट्रा डोज केबल ब्रिज की विशेषता यह है कि इसमें केबल्स को सीधे टावर से नहीं, बल्कि डेक के नीचे एक बिंदु से दूसरे बिंदु तक विशेष ढंग से जोड़ा गया है। इसकी मजबूती कई गुना अधिक है। उन्होंने कहा कि यह निर्माण तकनीक भारत में गिने-चुने पुलों में इस्तेमाल हुई है। इस पुल के चालू होने से न सिर्फ महात्मा गांधी सेतु पर यातायात का दबाव कम होगा, बल्कि बिदुपुर, राघोपुर और पटना के बीच सुव्यवस्थित और तेज सड़क कनेक्टिविटी स्थापित हो जाएगी।

लालू यादव ने अध्यक्ष पद के लिए औपचारिक रूप से भरा नामांकन

राजद कार्यालय में नामांकन के लिए जुटी थी भीड़

केटी न्यूज/पटना

बिहार विधानसभा से पहले बिहार की राजनीतिक में हलचल तेज हो गई है। अब राष्ट्रीय जनता दल में राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो गई है। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव पूरे परिवार के साथ राजद ऑफिस पहुंचे, जहां उन्होंने सोमवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए नॉमिनेशन किया है। नामांकन के दौरान राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव समेत पूरा लालू परिवार मौजूद था।

पटना स्थित राजद कार्यालय में नामांकन के लिए भारी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और नेता जुटे थे। कार्यालय के बाहर और भीतर लालू यादव ज़िंदाबाद के नारों से माहौल गूंज उठा। जानकारी के मुताबिक, लालू प्रसाद यादव के खिलाफ अब तक किसी और ने नामांकन नहीं दाखिल किया है, जिससे यह तय माना जा रहा है कि वे एक बार फिर से राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनेंगे। पार्टी के वरिष्ठ नेता अब्दुल बारी सिद्दीकी ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि लालू यादव ही अगला अध्यक्ष होंगे। राजद द्वारा आधिकारिक तौर पर घोषणा 5 जुलाई को की जाएगी, जो कि लालू यादव का जन्मदिन भी है। पार्टी इसे लालू सम्मान दिवस के रूप में भी मनाने की तैयारी कर रही है।

नामांकन के मौके पर पूर्व प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह की गैरमौजूदगी ने सियासी अटकलों को जन्म दे दिया है। हाल के दिनों में जगदानंद सिंह और तेजस्वी यादव के बीच मतभेद की खबरें सामने आई थीं। ऐसे में उनका पार्टी कार्यालय में उपस्थित न रहना एक संदेश के रूप में देखा जा रहा है। राजद कार्यकताओं और समर्थकों में इस घटनाक्रम के बाद नया जोश देखने को मिला है। पार्टी एक बार फिर लालू यादव के नेतृत्व में आगामी चुनावों में उतरने की तैयारी कर रही है। तेजस्वी यादव ने कहा कि राजद में संगठन मजबूत है और कार्यकर्ता पूरी तरह चुनाव के लिए तैयार हैं। राजद में अध्यक्ष पद के लिए लालू यादव का नामांकन औपचारिकता मात्र रह गया है। 5 जुलाई को उनकी ताजपोशी के साथ पार्टी फिर से चुनावी मोड में आ जाएगी।

चुनावों में हेराफेरी के आरोप में बांग्लादेश के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त हुदा गिरफ्तार

एजेंसी/नई दिल्ली

बांग्लादेश के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त के.एम. नूरुल हुदा को अपने कार्यकाल के दौरान चुनावों में हेराफेरी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। हुदा को पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी द्वारा पूर्व चुनाव आयोग प्रमुख और अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना सहित 18 अन्य के खिलाफ दर्ज मामले में गिरफ्तार किया गया है। चुनाव आयोग के अधिकारियों ने कहा कि यह संभवतः पहली बार है कि किसी पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त को चुनाव से संबंधित मुद्दों को लेकर गिरफ्तार किया गया है। इससे पहले दिन में, 77 वर्षीय हुदा उनके उत्तरा निवास के बाहर भीड़ ने हमला किया था। नूरुल हुदा के कार्यकाल में 2014, 2018 और 2024 के चुनाव हुए थे। भीड़ ने ढाका के उत्तरा इलाके में स्थित हुदा के आवास पर धावा बोला और पुलिस के पहुंचने से पहले ही उन्हें घर से बाहर खींच लिया। फिर हुदा को जूतों से पीटा, उन्हें जूतों की माला पहनाई और उन पर भी अंडे फेंके।

रोप वे योजनाओं के लिए बनेंगे नए नियम

एजेंसी/नई दिल्ली

देश में बन रही रोप वे योजनाओं के लिए जल्द नए नियम व मानक तैयार होंगे। इन मानकों में तकनीकी मानक, प्रमाणीकरण, निर्माण और उसकी सुरक्षा से संबंधित नियम व उपबंध होंगे। रोप-वे परियोजनाओं में तेजी लाने के लिए केंद्र सरकार ने एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है। महानिदेशक (डीजी) समिति के अध्यक्ष होंगे। इसके अतिरिक्त छह विभागों के प्रमुखों को समिति में बतौर सदस्य शामिल किया गया है। आदेशों की सूचना देश के सभी मुख्य सचिवों व केंद्र शासित प्रदेशों को भी इस बाबत आदेश भेजी है। यह एक उच्चस्तरीय तकनीकी समिति होगी जो कि आने वाले दिनों में रोप-वे परियोजनाओं की राह को आसान बनाने में मदद करेगी। सड़क एवं परिवहन मंत्रालय के मुताबिक, समिति के सदस्य में मुख्य अभियंता सड़क परिवहन और रोप-वे योजना की जानकारी रखने वाले अधिकारी, रोप-वे परियोजना से संबंधित मानक तय करने वाले अधिकारी, राज्यों से संबंधित अधिकारी, केंद्र सरकार के नामित तीन अधिकारी, चार औद्योगिक क्षेत्र व रोप-वे से संबंधित अधिकारी और रोप-वे सुरक्षा आयुक्त को इसमें शामिल किया गया है। केंद्र सरकार ने इस तकनीकी समिति को स्वतंत्र तौर पर सलाहकार रखने की भी छूट दी गई है। यह दल मिलकर रोप वे परियोजनाओं को बढ़ाने के लिए मानक तय करेगा ताकि यात्रियों की सुरक्षा के लिए सबसे आसान और सुगम साधन बनाया जा सके।

भाजपा ने गंवाई गुजरात के विसावदर विधानसभा सीट, आम आदमी पार्टी को मिली सफलता

पांच सीटों पर हुए विस उपचुनाव में बीजेपी सिर्फ एक पर जीती

एजेंसी/नई दिल्ली

चार राज्यों की पांच विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में बीजेपी का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। बीजेपी को अपने गढ़ गुजरात में दो में से एक सीट पर जीत मिली, जबकि अन्य सभी जगहों पर उसे हार का सामना करना पड़ा। पंजाब की लुधियाना वेस्ट सीट पर बीजेपी तीसरे नंबर पर रही। केरल की नीलांबुर सीट पर बीजेपी चौथे स्थान जबकि पश्चिम बंगाल की कालीगंज विधानसभा सीट पर उसे 31,154 वोटों से हार का सामना करना पड़ा है। सबसे ज्यादा चौंकाने वाले नतीजे गुजरात में देखने को मिले हैं जब सत्ताधारी बीजेपी को विसावदर विधानसभा उपचुनाव में आम आदमी पार्टी ने अच्छे मार्जिन से जीत हासिल की है।

विसावदर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में आम आदमी पार्टी के गोपाल इटालिया ने 17 हजार से ज्यादा वोटों से जीत दर्ज की है। इलेक्शन कमिशन की वेबसाइट पर दिए गए आंकड़ों के अनुसार, विसावद विधानसभा उपचुनाव में सभी 21 राउंड की गिनती के बाद आम आदमी को कुल 75942 वोट हासिल हुए और बीजेपी के किरीट पटेल को सिर्फ 58388 वोटों से संतोष करना पड़ा। कांग्रेस पार्टी की इस सीट पर हालात बेहद खराब रही। विसावदर विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस के प्रत्याशी रहे नितिन रानपरिया की जमानत जब्त हो गई और उन्हें महज 5501 वोट हासिल हुए। वहीं गुजरात की कडी विधानसभा सीट पर बीजेपी के राजेंद्र कुमार धनेश्वर चावड़ा ने जीत हासिल की है। उन्हें यहां हुए उपचुनाव में 99742 वोट मिले जबकि कांग्रेस पार्टी के रमेशभाई चावड़ा को 60290 वोट हासिल हुए। बीजेपी को इस सीट पर 39452 वोटों से जीत हासिल हुई। इस सीट पर तीसरे नंबर पर आम आदमी पार्टी रही। यहां आप के प्रत्याशी जगदीश भाई चावड़ा को महज 3090 वोट हासिल हुए।

मवेशी धोने के दौरान कर्मनाशा नदी में डूबा किशोर, शव की तलाश जारी

♦ राजपुर थाना क्षेत्र के डिहरी का रहने वाला था किशोर, एसडीआरएफ के आने का हो रहा इंतजार

केटी न्यूज/राजपुर

राजपुर थाना क्षेत्र के डिहरी गांव स्थित कर्मनाशा नदी में सोमवार की दोपहर मवेशियों को धोने गए एक किशोर के डूबने की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। युवक की पहचान डिहरी गांव निवासी रामाशीष राम के 17 वर्षीय पुत्र उमेश कुमार उर्फ छोटू के रूप में हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार उमेश अपने मवेशियों को नदी में धोने के लिए गया था। इसी दौरान वह संतुलन खो बैठा और गहरे पानी में चला गया, जिससे वह डूब गया। घटनास्थल के आसपास मौजूद कुछ ग्रामीणों ने यह दृश्य देखा और तुरंत गांव में सूचना दी। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। स्थानीय गोताखोरों की मदद से कर्मनाशा में डूबे किशोर की खोजबीन शुरू की गई, लेकिन देर शाम तक उसका कोई सुराग नहीं मिल पाया था। वहीं, अंधेरा होने के कारण गोताखोर शव की तलाश जारी रखने में हाथ खड़े कर रहे है।

मौके पर पहुंचे डिहरी पंचायत के मुखिया तथा जिला परिषद सदस्य पूजा देवी ने घटना की जानकारी राजपुर थाना को दी। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और गोताखोरों की मदद से किशोर के तलाश में जुट गई।

पुलिस की उपस्थिति में गोताखोरों ने घंटो कर्मनाशा नदी में उक्त किशोर की तलाश की, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चल सका है। इसके बाद पुलिस ने इस घटना की जानकारी अंचलाधिकारी को दे मौके पर एसडीआरएफ की टीम बुलाने की मांग की है। समाचार लिखे जाने तक एसडीआरएफ की टीम मौके पर नहीं पहुंच सकी थी। वहीं, घटना के बाद से पीड़ित परिजनों का रो रोकर बुरा हाल हो गया था। घटना स्थल पर सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण पहुंचे थे। मामले में थानाध्यक्ष ज्ञान प्रकाश ने बताया कि उक्त किशोर मवेशियों को नदी में धोते समय गहरे पानी में चला गया, जिससे वह डूब गया। पुलिस द्वारा जाल बिछाकर भी उसकी तलाश की कोशिश की जा रही है। घटना से गांव में शोक और चिंता का माहौल है। किशोर का अब तक कुछ पता नहीं चल पाया है। स्थानीय प्रशासन द्वारा तलाश अभियान जारी है।

डिहरी गांव के लिए ब्लैक मंडे साबित हुआ, सोमवार का दिन: राजपुर के डिहरी गांव में सोमवार को दो मनहूस घटनाओं से पूरे गांव में मायूशी छाई है। बता दें कि सुबह में इस गांव के 65 वर्षीय किसान जयशंकर राय उर्फ बंगा राय धान के बिचड़े के सिंचाई के दौरान धारा प्रवाहित तार की चपेट में आ गए, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। वहीं, दोपहर में कर्मनाशा नदी में एक किशोर डूब गया। इन घटनाओं से पूरे गांव में मायूशी छाई है। डिहरी गांव के लिए सोमवार का दिन ब्लैक मंडे साबित हुआ।

एक नजर

राष्ट्रीय मानवाधिकार के पोर्टल पर लंबित मामलों का दें प्रतिवेदन: जिलाधिकारी

बक्सर। जिलाधिकारी डॉ. विद्या नंद सिंह की अध्यक्षता में कारा एवं राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में लंबित वादों की समीक्षा बैठक समाहरणालय परिसर स्थित कार्यालय कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने केन्द्रीय कारा बक्सर के अधीक्षक को निर्देश दिया कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के पोर्टल पर लंबित कुल तीन वादों से संबंधित पूर्ण विवरण के साथ प्रतिवेदन शीघ्र उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। जिन मामलों में न्यायिक जॉच प्रतिवेदन आयोग को समर्पित किया जाना है, इस हेतु संबंधित न्यायिक दण्डाधिकारी को स्मार पत्र भेजा जाय। प्रभारी पदाधिकारी, जिला सामान्य शाखा एवं प्रभारी पदाधिकारी विधि शाखा, बक्सर को निदेशित किया गया कि लंबित न्यायिक जॉच प्रतिवेदन से संबंधित विवरणी जिला स्तरीय अनुश्रवण समिति की अगली बैठक में प्रस्तुत करेंगे। बैठक में अधीक्षक केन्द्रीय कारा बक्सर, अधीक्षक महिला मण्डल कारा बक्सर, अधीक्षक मुक्त कारागार बक्सर एवं पुलिस निरीक्षक बक्सर उपस्थित थे।

स्पीडी ट्रायल के मामलों में हर हाल में हो अनुसंधानकर्ता व डॉक्टरों की गवाही: डीएम

बक्सर। सोमवार को जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह की अध्यक्षता में अभियोजन की मासिक समीक्षात्मक बैठक समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में की गई। इस बैठक में जिलाधिकारी को बताया गया कि मई महीने में स्पीडी ट्रायल के तहत जघन्य अपराध अंतर्गत तीन वाद, पास्को में एक वाद, एनडीपीएस के एक वाद, उत्पाद अधिनियम के तीन वाद, एवं शस्त्र अधिनियम अंतर्गत दो वाद, समेत कुल 10 वादों में सजा दिलाई गई हैं। जिलाधिकारी ने बैठक में उपस्थित सभी अभियोजन पदाधिकारी, लोक अभियोजक, अपर लोक अभियोजक को निर्देशित किया कि प्रत्येक माह अधिक से अधिक संख्या में वादों का निष्पादन करना सुनिश्चित करें। अभियोजन के पुलिस पदाधिकारी को अनुसंधान पदाधिकारी (आईओ) की गवाही तथा सिविल सर्जन बक्सर को चिकित्सकों की गवाही एवं उपस्थिति हर हाल में सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया, ताकि जिला में त्वरित निष्पादन के माध्यम से अधिक से अधिक सजा दिलाई जा सकें। बैठक में उपस्थित लोक अभियोजक एवं अभियोजन पदाधिकारी को निर्देशित किया गया कि प्रत्येक माह सभी अपर लोक अभियोजकों एवं सहायक अभियोजन पदाधिकारी के साथ अपने स्तर से समीक्षात्मक बैठक कर वादों के निष्पादन में तेजी लाना सुनिश्चित करेंगे तथा बैठक की कार्यवाही प्रतिवेदन विधि शाखा को उपलब्ध करायेंगे। बैठक में प्रभारी पदाधिकारी जिला विधि शाखा, जिला अभियोजन पदाधिकारी, सभी अनुमंडल अभियोजन पदाधिकारी, पुलिस अभियोजन शाखा के प्रभारी, सिविल सर्जन के प्रतिनिधि, लोक अभियोजक सभी अपर लोक अभियोजक उपस्थित थे।

खेत की सिंचाई के दौरान करंट लगने से किसान की मौत, पसरा मातम

राजपुर। थाना क्षेत्र के डिहरी गांव में खेत की सिंचाई के दौरान एक किसान की करंट लगने से दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान 65 वर्षीय जयशंकर राय उर्फ बंगा राय, पिता स्व. विंध्याचल राय, के रूप में हुई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, जयशंकर राय अपने खेत में धान के बिचड़े की पटवन (सिंचाई) करने गए थे। इसी दौरान जैसे ही उन्होंने बोरिंग मशीन का स्टार्टर ऑन किया, अचानक शॉर्ट सर्किट हो गया जिससे विद्युत प्रवाह उत्पन्न हो गया और वे करंट की चपेट में आ गए। करंट लगते ही वे मौके पर ही अचेत होकर गिर पड़े। उस समय खेत में कोई अन्य व्यक्ति मौजूद नहीं था।

कुछ देर बाद जब ग्रामीण और परिजन पहुंचे, तो उन्हें अचेतावस्था में देख तुरंत उन्हें एक निजी क्लिनिक ले गए। जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजनों में कोहराम मच गया। स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए बक्सर भेज दिया गया। मामले में गांव के मुखिया शमीम अंसारी ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए सरकार से पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा राशि देने की मांग की है। गौरतलब हो कि इन दिनों धान के बिचड़े डालने का समय चल रहा है। ऐसे में किसान ट्यूबवेल के सहारे बिचड़ों की सिंचाईं कर रहे है, ताकी बिचड़ा सुरक्षित रहे, लेकिन इसी प्रयास में एक किसान की जान चली गई।

बिजली के अभाव में विद्यालय में निर्माण कार्य सहित धान का बिचड़ा डालने का काम बाधित

महरौरा में केबल जलने से एक सप्ताह से लगभग 30 घरों की विद्युत आपूर्ति ठप

♦ इसी केबल से मिलती है जलमीनार, प्राथमिक विद्यालय व दो निजी ट्यूबवेल को आपूर्ति

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव से सटे व नगर परिषद के विस्तारित क्षेत्र में शामिल महरौरा गांव में विद्युत आपूर्ति चरमरा गई है। इस गांव में लगे एक ट्रांसफार्मर में एक सप्ताह से तकनीकी खराबी आ गई है, ग्रामीणों ने बताया कि केबल जल गया है, जिससे उस केबल से जुड़े उपभोक्ताओं को इस भीषण गर्मी में बिजली आपूर्ति से महरूम होना पड़ा है।

ग्रामीणों का कहना है कि जो केबल जला है, उसके सहारे करीब 30 घरों को विद्युत आपूर्ति मिलती थी। इसके अलावे नल जल योजना के पानी टंकी, गांव के इकलौते प्राथमिक विद्यालय, प्राचीन व प्रसिद्ध महरौरा के शिव मंदिर तथा दो निजी ट्यूबवेल को विद्युत आपूर्ति भी इसी केबल से होती थी। आपूर्ति ठप होने से इस भीषण गर्मी में लोगों को खासे परेशान होना पड़ रहा है। जबकि संबंधित अधिकारी बेफिक्र बने हुए है, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश गहराने लगा है।

ग्रामीणों ने काटा बवाल, वार्ड पार्षद भी रहे मौजूद: सोमवार को इस मसले पर महरौरा के ग्रामीणों ने बिजली कंपनी के खिलाफ जमकर बवाल काटा। इस दौरान स्थानीय वार्ड पार्षद अनिल कुमार मौजूद थे। ग्रामीणों का कहना था कि एक सप्ताह से उन्हें भीषण गर्मी में बिना बिजली के ही रहना पड़ रहा है। बिजली नहीं रहने से पेयजल के लिए भी भटकना पड़ रहा है। इसके अलावे बिजली के अभाव में खेती का काम ठप पड़ गया है। ग्रामीण उमेश राय व गोपाल राय ने बताया कि वे कृषि कार्य के लिए ही निजी ट्यूबवेल लगवाए है, जिससे उनके खेत के साथ ही पूरे गांव के खेत की सिंचाईं होती है। एक सप्ताह से बिजली नहीं आने से धान का बिचड़ा नहीं डाला जा रहा है। बता दें कि महरौरा व खिरौली के बधार में सैकड़ो एकड़ में धान की खेती की जाती है। किसान रामाकांत राय ने बताया कि बिजली के अभाव में प्राथमिक विद्यालय में चल रहा निर्माण कार्य भी प्रभावित हुआ है। पानी के अभाव में काम ठप पड़ा है, जिससे बच्चों को बैठने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। किसान हर दिन बिजली कंपनी के अधिकारियों से गुहार लगा रहे है, बावजूद कोई सुनने वाला नहीं है।

वहीं, महरौरा के प्राचीन शिवमंदिर के पुजारी विजय राय का कहना है कि बिजली के अभाव में शिवमंदिर भी पिछले एक सप्ताह से अंधेरे में डूबा है, जबकि इस मंदिर में सुबह व शाम बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन व पूजन करने आते है। बिजली नहीं रहने से शाम में आने वाले श्रद्धालुओं को मंदिर आने जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

पोल के अभाव में पेड़ के सहारे हो रही है आपूर्ति : महरौरा में सिर्फ जले केबल के मरम्मत में ही बिजली कंपनी लापरवाही नहीं कर रही है बल्कि शिवमंदिर के ठीक पीछे बन रहे प्राथमिक विद्यालय के नये भवन को कनेक्शन देने के लिए जो तार बिछाए गए है वह पेड़ व बांस बल्लों के सहारे ले जाए गए है। ग्रामीणों तथा पुजारी का कहना है कि जिन पेड़ो के सहारे धारा प्रवाहित तार को ले जाया गया है, उनसे फूल तोड़ने हर दिन ग्रामीण आते है। बिजली कंपनी की इस लापरवाही से किसी दिन बड़ा हादसा हो सकता है।

वहीं, प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों का कहना है कि वे लोग दो महीना पहले ही बिजली कंपनी को आवेदन दे शिवमंदिर से विद्यालय तक तार ले जाने के लिए दो पोल लगाने की मांग किए है, लेकिन अभी तक बिजली कंपनी के अधिकारियों ने पोल की व्यवस्था नहीं की है। शिक्षकों ने बताया कि उन्हें हमेशा डर बना रहता है कि किसी दिन करंट की चपेट में कोई ग्रामीण या स्कूली छात्र न आ जाए।

कंपनी को दी गई है इसकी सूचना : इस संबंध में वार्ड 16 के पार्षद अनिल कुमार ने बताया कि एक सप्ताह पहले ही एक ट्रांसफार्मर से निकलने वाला केबल जल गया है, जिस कारण एक बड़े इलाके में विद्युत आपूर्ति ठप हो गई है। उन्होंने कहा कि इसकी सूचना कंपनी को दी गई है, बावजूद अभी तक मरम्मत नहीं हो पाया है।

बिजली आपूर्ति की वैकल्पिक व्यवस्था कर दी गई है: महरौरा के जिस ट्रांसफार्मर में तकनीकी खराबी आई है, उसका मरम्मत करवाया जा रहा है। जले केबल को बदलने का निर्देश दिया गया है। उक्त केबल से जिन घरों को विद्युत आपूर्ति मिलती है, उन्हें बिजली आपूर्ति की वैकल्पिक व्यवस्था कर दी गई है। सिर्फ एक जलमीनार व दो ट्यूबवले के अलावे शिव मंदिर व प्राथमिक विद्यालय की आपूर्ति बंद है, जिसे शीघ्र चालू करवाया जाएगा। मंदिर से स्कूल के नये भवन के लिए आवश्यकता के हिसाब से पोल की व्यवस्था करवाई जाएगी।

डीईओ कार्यालय में चोरी मामला: हिरासत में एक संदिग्ध, पूछताछ कर रही है पुलिस

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर के जिला शिक्षा पदाधिकारी के कार्यालय से हार्ड डिस्क व संचिकाओं की चोरी मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक संदिग्ध को हिरासत में ले पूछताछ कर रही है।

पुलिस उससे पूछताछ कर इस घटना के उद्भेदन का प्रयास कर रही हैं माना जा रहा है कि पुलिस जल्दी ही इस घटना में शामिल चोरों को गिरफ्तार करने के साथ ही पूरे मामले का उद्भेदन कर लेगी तथा इस बात का पता लगा लेगी की चोरी की यह वारदात किस उदेश्य से और किसको फायदा पहुंचाने के उदेश्य से तथा किसके इशारे पर की गई थी।

बता दें कि शनिवार की रात अज्ञात चोरों ने डीईओ अमरेन्द्र कुमार पांडेय के कार्यालय का ताला तोड़ चोरी की इस घटना को अंजाम दिया था। चोरों ने जिस तरह से संचिकाओं तथा हार्ड डिस्क की चोरी की है, उससे कार्यालय कर्मियों या कार्यालय के जानकारों की संलिप्तता से इंकार नहीं किया जा सकता है। बहरहाल चोरों की गिरफ्तारी के बाद ही यह राज खुलेगा कि डीईओ कार्यालय में चोरी की घटना को क्यों अंजाम दिया गया है। दूसरी तरफ सोमवार को कार्यालय खुलने पर पूरे दिन इस घटना की चर्चा होते रही। शिक्षा विभाग के अधिकारी इस घटना से काफी हैरान है। विभागीय सूत्रों की मानें तो इस घटना के बाद से कई कर्मी शक के दायरे में आ गए है।

थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया कि एक संदिग्ध को हिरासत में ले पूछताछ की जा रही है। हालांकि, अभी तक उससे क्या-क्या जानकारी मिली पाई यह बात खुलकर सामने नहीं आई। लेकिन पुलिस सूत्रों का दावा है कि जल्दी ही इस मामले का उद्भेदन हो जाएगा।

दीवान के बड़का गांव में धारा प्रवाहित तार की चपेट में आए चार किसान, एक की हालत गंभीर

♦ पटवन के लिए खेत में बिछाया गया था तार, सुबह-सुबह मवेशी चराने निकले थे किसान

केटी न्यूज/बक्सर

जिले के सिकरौल थाना क्षेत्र के दिवान के बड़कागांव गांव में सोमवार सुबह खेत की पटवन के लिए बिछाए गए धारा प्रवाहित तार की चपेट में आने से चार पशुपालक किसान झुलस गए। यह हादसा सुबह करीब आठ बजे हुआ, जब ग्रामीण अपने मवेशियों को चराने खेत की ओर जा रहे थे। घायल धर्मेंद्र यादव की हालत गंभीर है और उन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बाकी तीन घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

मिली जानकारी के अनुसार, गांव के मुरली महतो अपने खेत की सिंचाई के लिए बिजली आपूर्ति हेतु खुले तारों का उपयोग कर रहे थे। वे पटवन के लिए खेत में खुला तार बिछा छोड़ दिए थे, उसमें करंट प्रवाहित हो रहा था। इसी दौरान मुन्ना यादव, धर्मेंद्र यादव, देवव्रत पाल और ददन यादव मवेशियों के साथ खेत के पास से गुजर रहे थे, तभी वे बिजली प्रवाहित तार की चपेट में आ गए और झुलस गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल घायलों को अस्पताल पहुंचाया। इलाज के दौरान धर्मेंद्र यादव की स्थिति गंभीर देख चिकित्सकों ने उन्हें सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया।

इस हादसे से ग्रामीणों में गहरा आक्रोश है। लोगों का आरोप है कि बिजली विभाग की लापरवाही की वजह से खुले तारों से यह हादसा हुआ। ग्रामीणों ने स्थानीय पावर सब स्टेशन के अधिकारियों को सूचना दी, लेकिन उनका कहना है कि अधिकारी लिखित शिकायत लेने से भी इन्कार कर रहे हैं।

चोरी का समर्सिबल खरीदने वाला गिरफ्तार, चोरों की तलाश जारी

चौगाईं। मुरार थाना क्षेत्र के मसर्हियां गांव स्थित बधार से शनिवार की रात दो चोरों ने मिलकर एक समर्सिबल की चोरी कर ली, इतना ही नहीं चोरों ने गांव के ही एक किसान को झांसे में ले उक्त समर्सिबल मशीन बेच भी दिया। पीड़ित किसान रविनाथ सिंह द्वारा एफआईआर दर्ज कराते ही मुरार पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए समर्सिबल खरीदने वाले ग्रामीण को चिन्हित कर उसे पकड़ लिया तथा उसके घर से उक्त समर्सिबल मशीन बरामद भी कर लिया। पूछताछ में उसने दोनों चोरों की पहचान भी बताया और कहा कि दोनों ने उसे झांसे में ले उक्त समर्सिबल बेचा है। चोरों की शिनाख्त होने के बाद पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी तेज कर दी है। पुलिस का दावा है कि उन्हें जल्दी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। थानाध्यक्ष अमन कुमार ने बताया कि मामले में घटना को अंजाम देने वाले चोरों को चिन्हित कर गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। उन्हें शीघ्र गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बक्सर सांसद सुधाकर सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन की बैठक, मिली स्वीकृति

चौसा में पांच जगहों पर बनेंगे सामुदायिक भवन सह मैरेज हॉल

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर सांसद सुधाकर सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन की बैठक समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में आयोजित की गई। जिसमें बक्सर सदर विधायक संजय कुमार तिवारी उर्फ मुन्ना तिवारी एवं जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह उपस्थित थे।

बैठक में पूर्व की बैठक में लिए गए पांच प्रस्तावों जैसे प्रखंड चौसा अंतर्गत चुन्नी, बेचनपुरवा, कनक नारायणपुर, बनारपुर, सिकरौल में मैरेज हॉल सह सामुदायिक भवन से संबंधित योजनाओं की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई। इसके अतिरिक्त बनारपुर में खेल का मैदान, चौसा श्मशान घाट में हाई मास्ट लाइट लगाने के साथ साथ चौसा पॉवर प्लान्ट के विस्थापित पचाधारी परिवारों के लिए पूर्व में लगभग 14 एकड़ चिन्हित भूमि के लिए समतलीकरण, चाहरदीवारी के निर्माण की स्वीकृति दी गई। साथ ही चौसा नगर पंचायत के लिए एक शव वाहन क्रय करने का निर्णय लिया गया।

नरबतपुर में सामुदायिक भवन निर्माण की स्वीकृति दी गयी : इसके अतिरिक्त नया प्रस्ताव के तहत कपालिया, धर्मागतपुर, बघेलवा एवं नरबतपुर में सामुदायिक भवन निर्माण की स्वीकृति दी गयी। नगर भवन चौसा के निर्माण के लिए चिह्नित भूमि के आलोक में प्रस्ताव उपलब्ध कराने के लिए कार्यपालक अभियंता, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन बक्सर को निर्देश दिया गया।

सांसद सुधाकर सिंह ने कहा कि इन योजनाओं के धरातल पर उतरने से चौसा में विकास की रफ्तार तेज होने के साथ ही लोगों को सुविधाएं भी मिलेगी। उन्होंने कहा कि आम जनों की सुविधा के लिए ही सामुदायिक भवनों का निर्माण कराया जा रहा है।

वहीं, सांसद ने कहा कि चौसा थर्मल पॉवर प्लांट के निर्माण में विस्थापित परिवरों के लिए आश्रय मिलने से उनका जीवन बसर आसान हो जाएगा। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास है कि किसान, मजदूर तथा अन्य कमजोर वर्ग के लोगों को जरूरी मुलभूत सुविधाएं मिले।

जबकि जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद ने संबंधित अधिकारियों से निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण करवाने तथा समय-समय पर इसका अनुश्रवण करते रहने का निर्देश दिया।

उक्त बैठक में अपर समाहर्ता बक्सर, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी बक्सर, प्रखंड विकास पदाधिकारी चौसा, अंचल अधिकारी चौसा, कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत चौसा, अध्यक्ष नगर पंचायत चौसा, सीजीएम एसटीपीएल एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे।

परीक्षा से वंचित होने पर डॉ. भीमराव अंबेडकर आवासीय विद्यालय में छात्रों ने किया हंगामा

♦ छात्रों ने कहा- न रामपुर रखा, न कुदरा में पढ़ने दिया, भविष्य अधर में लटकाया

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड के रामपुर स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर आवासीय विद्यालय में सोमवार को 12वीं कक्षा के छात्रों ने गेट पर जोरदार हंगामा किया। छात्रों का आरोप है कि नामांकन रामपुर में होने के बावजूद उन्हें परीक्षा में शामिल होने से वंचित कर दिया गया, जिससे उनके भविष्य पर संकट मंडराने लगा है। छात्रों ने इस दौरान घंटो बवाल काटा तथा प्रबंधन पर कई गंभीर आरोप लगाए।

मिली जानकारी के अनुसार, इन छात्रों का नामांकन पिछले वर्ष रामपुर आवासीय विद्यालय में हुआ था, लेकिन बाद में प्रशासनिक निर्णय के तहत उन्हें पढ़ाई के लिए कैमूर जिले के कुदरा स्थित विद्यालय भेज दिया गया था। वहां, कई महीनों तक छात्रों ने पढ़ाई की, किन्तु अचानक परीक्षा से ठीक पहले कुदरा विद्यालय प्रशासन ने उन्हें पुनः रामपुर भेज दिया। जब छात्र सोमवार को त्रैमासिक परीक्षा में शामिल होने रामपुर पहुंचे, तो विद्यालय प्रशासन ने उन्हें परीक्षा देने से मना कर दिया। इससे आक्रोशित छात्रों ने विद्यालय गेट पर प्रदर्शन शुरू कर दिया और जोरदार नारेबाजी की।

स्थिति तनावपूर्ण होते देख विद्यालय परिसर में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही बीडीओ लवकुश सिंह मौके पर पहुंचे और छात्रों से संवाद कर स्थिति को शांत किया। छात्रों ने उन्हें एक लिखित आवेदन सौंपा, जिसमें उन्होंने दोहरे स्थानांतरण, परीक्षा में वंचित करने, और कैमूर स्थित विद्यालय में शिक्षकों द्वारा दुर्व्यवहार एवं धमकी दिए जाने की बात कही। छात्रों ने यह भी आरोप लगाया कि कुदरा विद्यालय में भोजन की गुणवत्ता बेहद खराब है। शिकायत करने पर शिक्षक उन्हें धमकाते हैं, जिससे वे भय के माहौल में जीने को विवश हैं। छात्रों ने कहा कि त्रैमासिक परीक्षा में उन्हें सम्मिलित नहीं कराए जाने से उनका भविष्य चौपट हो रहा है। प्रबंधन जानबूझकर उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहा है।

प्रशासन का आश्वासन : प्रभारी बीडीओ लवकुश सिंह ने छात्रों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं को वरीय अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा और जल्द से जल्द समाधान निकाला जाएगा। फिलहाल छात्रों की पढ़ाई और परीक्षा दोनों अधर में लटकी हुई हैं, और वे न रामपुर में पढ़ पा रहे हैं, न कुदरा में। इस स्थिति ने छात्रों के भविष्य पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। बीडीओ के आश्वासन के बाद छात्रों में इस बात की उम्मीद जगी है कि शीघ्र ही उनकी समस्याओं का समाधान हो जाएगा।

एक नजर

अशरफ हत्याकांड में पत्नी सहित तीन गिरफ्तार

सासाराम। डेहरी नगर थाना क्षेत्र के ईदगाह मोहल्ला में एक पत्नी द्वारा दो व्यक्तियों के साथ में मिलकर अपने पति की हत्या के आरोप में पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया है ।यह जानकारी देते हुए एसपी रौशन कुमार ने अपने कार्यालय कक्ष में पत्रकारों को बताया कि 22 जून की देररात थानाध्यक्ष डेहरी नगर थाना को सूचना मिली कि डेहरी नगर थानाक्षेत्र के इदगाह मोहल्ले में रेशमा खातुन नाम की एक महिला के द्वारा दो व्यक्तियों के साथ मिलकर अपने पति मो. अशरफ की गला दबाकर हत्या कर दी गई है। प्राप्त सूचना के आलोक में थानाध्यक्ष एवं डायल 112 की टीम शीघ्रता से घटनास्थल पर पहुंची। जहां पुलिस बल को देखकर एक व्यक्ति घर की छत से कूदकर एवं एक अन्य व्यक्ति घर की दरवाजे से तेजी से निकल कर भागने का प्रयास करने लगा जिसे पुलिस बल के द्वारा पकड़ कर अभिरक्षा में लिया गया। जिसके उपरांत घर की तलाशी ली गयी तो घर के कमरे से मो. अशरफ का शव बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि घटना के संबंध में घर में मौजूद मृतक मो. अशरफ के परिजनों से पूछताछ की गयी तो उनके द्वारा इस घटना में मृतक की पत्नी रेशमा खातुन की भी संलिप्तता बतायी गयी जिसके उपरांत रेशमा खातुन को भी अभिरक्षा में लिया गया। अभिरक्षा में लिए गए मो. इश्तेखार हसन , मो. जमशेद एवं मृतक की पत्नी रेशमा खातुन से घटना के संबंध में पूछताछ की गयी तो इनलोगों ने अपनी संलिप्तता स्वीकारते हुए मो. अशरफ को गला दबाकर हत्या की गयी है।

सड़क हादसे में टैंकर की टक्कर से एक की दर्दनाक मौत, चार घायल

सासाराम। जिले के कछवां थाना क्षेत्र अंतर्गत स्टेट हाइवे-81 पर सोमवार दोपहर करीब 12 बजे एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें एक व्यक्ति की अस्पताल में ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा घरवासडीह गांव के समीप हुआ, जब एक तेज रफ्तार टैंकर ने सामने से आ रही ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार ऑटो में चालक समेत कुल पांच लोग सवार थे। टक्कर से ऑटो क्षतिग्रस्त हो गया और सभी सवार बुरी तरह से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को तत्काल नासरीगंज रेफरल अस्पताल पहुंचाया,जहां पर अस्पताल के चिकित्सकों ने एक व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान सवारी गांव निवासी स्वर्गीय मुन्ना साह के 55 वर्षीय पुत्र अखिलेश साह के रूप में की गई है ।चार अन्य घायल अस्पताल में उपचाराधीन हैं। हादसे के बाद टैंकर चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही कछवां थानाध्यक्ष पंकज कुमार पासवान मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को अस्पताल भेजा। उन्होंने बताया कि मृतक के शव को कब्जे में लेकर परिजनों की उपस्थिति में कानूनी प्रक्रिया पूर्ण करते हुए पोस्टमार्टम के लिए सासाराम सदर अस्पताल भेजा गया है ।सूत्रों के अनुसार दोनों वाहन टैंकर और ऑटो को पुलिस ने अपनी अभिरक्षा में ले लिया है। बताया जा रहा है कि टैंकर कछवां की ओर जा रही थी जबकि ऑटो नासरीगंज की ओर जा रही थी। इस हादसे से क्षेत्र में शोक की लहर है।

खबरें फटाफट

10 लीटर शराब के साथ धंधेबाज गिरफ्तार

बिक्रमगंज। पुलिस ने चुलाई शराब के साथ एक कारोबारी को भेजा जेल। थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र अंतर्गत बड़गईया निवासी राजेंद्र सिंह के पुत्र नंदजी यादव को गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने 10 लीटर चुलाई शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार धंधेबाज के विरुद्ध कांड संख्या 420/25 के4 आलोक में संबंधित मामला दर्ज करते हुए जांच के उपरांत जेल भेज दिया गया।

मारपीट मामले में चार आरोपी को जेल

बिक्रमगंज। पुलिस ने मारपीट के मामले में चार प्राथमिकी अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के बिक्रमगंज निवासी मो. इसराइल खान के पुत्र जीसान अहमद, अशोक कुमार के पुत्र आयुष कुमार, मो. निजामुद्दीन खान के पुत्र मोहम्मद फहीम खान व मोहम्मद इकबाल अंसारी को गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने घर से गिरफ्तार कर लिया । थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार चारों अप्राथमिकी अभियुक्त के विरुद्ध स्थानीय थाना में कांड संख्या 118/25 के आलोक में मारपीट करने का मामला दर्ज था। जिस मामले में सभी को गिरफ्तार कर जांच के उपरांत जेल भेज दिया गया।

लालू परिवार के खिलाफ भाजपा ने कलेक्ट्रेट के समक्ष दिया धरना

राजद से बाबा साहब के अपमान का बदला लेगी जनता: विधायक

♦ धरने में बोले भाजपा जिलाध्यक्ष... बिहार की जनता को भाजपा डॉ. भीमराव अंबेडकर के अपमान को बताने का काम करेगी

केटी न्यूज/आरा

भारतीय जनता पार्टी भोजपुर द्वारा सोमवार को आरा समाहरणालय के सामने भारतरत्न डॉं. भीमराव अंबेडकर जी के अपमान और लालू परिवार के अहंकार के खिलाफ एक दिवसीय धरना दिया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष दुर्गा राज, संचालन जिला मंत्री ठाकुर दयाल राम और धन्यवाद ज्ञापन भाजपा नेता प्रहलाद राय ने किया। धरना कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता आरा विधायक अमरेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि संविधान लागू होने के बाद से ही कॉंग्रेस द्वारा लगातार संविधान शिल्पकार डॉ. भीमराव अंबेडकर जी का अपमान किया गया।उन्हे चुनाव नही लड़ने दिया गया।उनका अंतिम संस्कार भी कॉंग्रेस सरकार द्वारा नही किया गया। जीवनभर बाबा साहब को अपमान किया गया। लेकिन अब तो कॉंग्रेस के सहयोगी दलो द्वारा भी अंबेडकर जी का अपमान किया जा रहा है। राजद और विपक्षी पार्टी हमेशा से दलितो,अति पिछड़ो,पिछड़ो का हमेशा अपमान करता आया है। भाजपा हमेशा से डॉं.भीमराव अंबेडकर जी को सम्मान देने का काम किया है। सबका साथ सबका विकास के मूल मंत्र के साथ एनडीए सरकार सभी वर्गो का विकास कर रही है। डॉ. अंबेडकर को भारत रत्न देने का काम भी एनडीए सरकार ने ही किया।उनके जीवन के पाँच महत्वपूर्ण घटनाओं को पंचतीर्थ के रूप मे भाजपा स्थापित किया। आज जनप्रतिनिधि की संख्या में सबसे अधिक दो तिहाई दलित, अति पिछड़ा और पिछड़ा से चुन कर पंचायत से देश मे प्रतिनिधित्व कर रहे है। लालू जी द्वारा अंबेडकर जी के अपमान को 2025 में बिहार की जनता बदला ले कर चुकाएँगी।

वहीं बड़हरा विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि राष्ट्र निमार्ता के रूप मे डॉ. भीमराव अंबेडकर को जाना जाता है, जिनका सम्मान करना हम देशवासियों का कर्तव्य है,लेकिन पहले कॉंग्रेस द्वारा इनका अपमान किया जा रहा था। अब लालू जी द्वारा संविधान निमार्ता और दलित का अपमान करना निंदनीय है। लालू जी द्वारा उनका अपमान करना आश्चर्यजनक है,लेकिन राष्ट्रीय जनता दल मे किसी का अपमान करना आश्चर्यजनक नही है। उस दल में किसी का सम्मान करने का संस्कार नही है।मेरा संबंध उस दल से बहुत समय तक रहा,लेकिन मै. वहाँ भी सम्मान के साथ रहा और जब उस दल को छोड़ा तब भी सम्मान के साथ ही विदा लिया। आज केन्द्र में नरेन्द्र मोदी जी की सरकार गरीब कल्याण का अदभूत काम कर रही है।बिहार में भी नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार दलित, पिछड़ा,अतिपिछड़ा के लिए काम कर रही है। एक महापुरुष का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जा सकता और इसे इंडी गठबंधन को भुगतान पड़ेगा।

वहीं जिलाध्यक्ष दुर्गा राज ने कहा कि बिहार की जनता को भाजपा डॉ. भीमराव अंबेडकर के अपमान को बताने का काम करेगी। भाजपा दलितों, पिछडो और अतिपिछड़ों का हमेशा सम्मान करती है। बिहार चुनाव में दलित का अपमान का बदला जनता लेगी। कार्यक्रम को कौशल विद्यार्थी, रामदिनेश यादव, सुषुमलता, हरेन्द्र पांडेय,सियाराम सिंह, श्रीभगवान सिंह आदि वक्ताओं ने संबोधित करते हुए भारत रत्न संविधान शिल्पकार डॉं भीमराव अंबेडकर जी को लालू परिवार का अहंकार बताते हुए हुंकार भरा। कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के नेतागण, जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, वरिष्ठ, सक्रिय कार्यकर्ता सहित सैकडों लोग शामिल थे।

बहू की विदाई के विवाद में सास पर फायरिंग, घायल

आरा। संदेश थाना क्षेत्र के तीर्थकौल गांव में सोमवार की सुबह बहू की विदाई के विवाद में सास पर फायरिंग कर दी गयी। इस दौरान छर्रा लगने से महिला बुरी तरह से घायल हो गयी। घायल महिला को दाहिने कंधे से पंजरी तक एवं दाहिने हाथ पर कई जगहों पर छर्रा लगा है। उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। घटना को लेकर गांव एवं आसपास के इलाके में सनसनी फैल गयी है।

सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच मामले की छानबीन में जुट गये हैं। जानकारी के अनुसार घायल महिला संदेश थाना क्षेत्र के तीर्थकौल गांव वार्ड नंबर-5 निवासी भगवान साह की 45 वर्षीया पत्नी मनोरमा देवी है। वह आशा कार्यकर्ता है। इधर, मनोरमा देवी ने बताया कि सोमवार की सुबह गांव के ही एक महिला के साथ गांव में घूमने के लिए निकली थी। इसी बीच एक बाइक पर सवार दो व्यक्ति आये और उस पर फायरिंग कर दी। इस दौरान वह घायल हो गयी। जबकि घायल आशा कर्मी मनोरमा देवी के बेटे संपूर्ण देव ने बताया उसकी शादी वर्ष, 2023 में रोहतास जिले के बिक्रमगंज थाना क्षेत्र के शिवपुर गांव में हुई थी। शादी के बाद से ही उसके ससुर द्वारा बराबर कहा जाता था कि मेरी बेटी मायके में ही रहेगी। आपके हिसाब से नहीं चलेगी। इसी बात को लेकर उन लोगों के बीच विवाद चल रहा है।

राजद के रग में है अपमान, वे अपने परिवार के बाद किसी को सम्मान नहीं देते: भुवन

केटी न्यूज/बक्सर

राजद सुप्रिमो लालू प्रसाद यादव द्वारा भारतीय संविधान के जनक डॉ. भीमराव अंबेडकर के फोटो का अपमान किए जाने के खिलाफ भाजपा ने सोमवार को बक्सर के अंबेडकर चौक स्थित बाबा साहेब के मूर्ति के पास एक दिवसीय धरना दिया। इस दौरान भाजपा नेताओं ने राजद सुप्रिमो की हरकत को शर्मनाक बताया बताया।

धरना की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन और संचालन महामंत्री धनंजय त्रिगुण ने किया। धरना को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष भुवन ने कहा कि राजद के नेतृत्व और नेताओं ने बाबा साहेब का जो अपमान किया है वो उनके संस्कार में बसा हुआ है, वो परिवार, वो पार्टी अपने बाद किसी की भी इज्जत न दिया है और न आगे देने वाले हैं। लालू की पार्टी और उनका परिवार अपने परिवार के बाद बिहार की राजनीति में किसी और को मौका नही दिया। जिस बाबा साहेब ने समाज में दबे, कुचले, समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों को समाज में मान सम्मान और चलना सिखाया वैसे महापुरुष को अपने पैरो के नीचे रख कर अपनी ओछी मानसिकता का परिचय दिया है। भारतीय जनता पार्टी बाबा साहेब को अपने दिलों में स्थापित कर उनके आदर्शों पर चलने का काम करती है। बाबा साहेब के इस अपमान के लिए उन्हें सार्वजनिक रूप से जनता के बीच माफी मांगनी चाहिए।

अन्य वक्ताओं में प्रदीप दुबे, राजेश सिन्हा, शेषनाथ पाठक, सौरभ तिवारी, जयप्रकाश राय, अमरेन्द्र पाण्डेय, शिवजी खेमका, अजय राय, रानी चौबे, इंदु देबी, शीला त्रिवेदी, अनिल राणा, रामाश्रय राम, हिरामन पासवान, पुनित सिंह आदि ने भी बाबा साहेब के इस अपमान के लिए राजद के नेतृत्व को सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की बात कही। धन्यवाद ज्ञापन विनोद राय ने दिया।

पॉक्सो एक्ट मामले में तीन गिरफ्तार

सासाराम। जिले की काराकाट पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के मामले में तीन अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। इसकी जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष भागीरथ कुमार ने बताया कि कांड संख्या 327/ 25 के आलोक में पॉक्सो एक्ट समेत विभिन्न धाराओं के प्राथमिकी अभियुक्त सागर सोनी उम्र 20 वर्ष पिता टुनटुन प्रसाद एवं अप्राथमिकी अभियुक्त छोटू तिवारी उम्र 19 वर्ष पिता वीरेंद्र तिवारी और सचिन कुमार उम्र 25 वर्ष पिता स्वर्गीय ताऊजी प्रसाद को पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर घर से गिरफ्तार कर लिया।

इस मामले में थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार तीनों अभियुक्त थाना क्षेत्र अंतर्गत गोड़ारी के रहने वाले बताए जाते हैं। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार तीनों अभियुक्त को जांच के उपरांत न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

नया भोजपुर के लोग 26 से करेंगे धरना-प्रदर्शन, मांगी अनुमति

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर परिषद में के दो पंचायत पुराना भोजपुर और नया भोजपुर गांव नगर परिषद के विस्तारित क्षेत्र में शामिल हो गए हैं। इन दोनों गांवों को मिलाकर 15 वार्ड इसी में समहित हैं, लेकिन गांव का विकास नहीं हो पाया। गांव में जाने के लिये एक सड़क तक नसीब नहीं है ग्रामीणों को, इस मांग को लेकर उन्होंने धरना-प्रदर्शन का फैसला किया है। गांव के ही वार्ड पार्षद धनंजय पांडये ने एसडीओ राकेश कुमार को आवेदन देकर अगामी 26 जून 2025 को धरना-प्रदर्शन के साथ टेंट, कुर्सी और लाउड स्पीकर के लिये मंजूरी मांगी है। मालूम हो कि नया भोजपुर नप डुमरांव में शामिल कर लिया गया है। इसके शामिल होने से लोगों में इस बात की खुशी थी कि शहरों के तर्ज पर गांव के हरेक वार्ड का विकास होगी, लेकिन दो साल से लोग इंतजार करते रहे गए, लेकिन कुछ विस्तार नहीं हुआ। जिस तरह पहले लोग नाली, गली, पीसीसी रोड से लेकर अन्य चिजों के लिये तरसते थे, आज भी उनकी हाल वही है। गांव के प्रवेश द्वार दो हैं और दोनों की स्थिति दयनीय बनी हुई है। बारिश हो जाने से कच्चे रास्ते में जलजमाव हो गया है, जिससे लोगों को आने-जाने में परेशानी हो रही है। जब गांव में प्रवेश करने वाले मुख्य सड़कों की यह स्थिति है तो गांव के भीतर की क्या होगी इसका सहज अनुमान लगया जा सकता है। ग्रामीणों के लिये गांव में जाने-आने के लिये रोड की व्यवस्था नहीं होने से काफी नाराज हैं, इसीलिये सभी ने होने वाले अनिश्चितकालीन धरने के सहयोग में खड़े हो गए हैं। लोगों का सपोर्ट मिलने से धरना पर बैठने वाले ग्रामीणों का हौसला काफी बुलंद है। धरना का स्थल नया भोजपुर चौक पर 11 बजे दिन से शुरू हो जाएगा।

दो वर्ष पहले भी सड़क बनाने के लिये ग्रामीण कार्य विभाग के कार्यपालक अभियंता को दिया गया था। उस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई और नहीं जवाब दिया गया तो फिर शिकायतकर्ता ने लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी के पास शिकायत दर्ज कराई। उस शिकायत पत्र पर संज्ञान लेते हुए लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी ने ग्रामीण कार्य विभाग के कार्यपालक अभियंता को नोटिस भेजा। लेकिन अब तक काम नहीं शुरू हो सका।

इधर शिकायतकर्ता धनंजय पांडेय का कहना है कि 24 मार्च 2025 को आवेदन कार्यपालक अभियंता को दिया गया। फिर भी कुछ नहीं किया गया, इधर एक महीने से उनके कार्यालय की दौड़ लगाई जा रही है, टेंडर प्रक्रिया पूरा कर लिया गया है, जल्द ही सड़क निर्माण शुरू किया जाएगा। काम शुरू नहीं किये जाने पर एसडीओ के पास आवेदन दिया गया, अब देखना है कि कार्य कितने दिनों में शुरू होता है। नहीं शुरू होगा तो अनिश्चितकालीन धरना बगैर कार्य प्रारंभ हुए रूकेगा नहीं।

किसानों को भी लंबे समय से बारिश का इंतजार था, खेती का शुरू हुआ काम

आर्द्रा की जोरदार बारिश से किसान खुश

♦ बारिश से खिले किसानों के चेहरे, जलजमाव से शहर में बढ़ी लोगों की मुश्किलें

केटी न्यूज/डुमरांव

सोमवार की बारिश ने आमजनों सहित किसानों को बड़ी राहत दी है। हालांकि बारिश ने नगर परिषद के विकास की पोल खोल दी। शहर की मुख्य मंडी गोला रोड सहित दर्जनों मोहल्लों के सड़को पर जलजमाव का नजारा हो गया। किसानों को भी लंबे समय से बारिश का इंतजार था, क्योंकि बारिश के बाद ही किसान खेती का काम शुरू करते हैं।

बारिश की बूंदों ने लोगों के चेहरे पर खुशी की लहर दौड़ा दी है। मौसम विभाग के अनुसार इलाके में बरसात का दौर जारी रहेगा। किसानों को अपनी फसलों की अच्छी पैदावार की उम्मीदें दिखने लगी है। मानसून ने किसानों के लिए खुशियों की सौगात लेकर आई है। बारिश होने के साथ खेत-खलिहानों में किसान खेतों के कार्य में लग गए हैं। किसानों का कहना है कि धान की फसल के लिए ये बरसात काफी जरूरी थी। अब उनकी फसल की पैदावार अच्छी होगी। किसानों ने बताया कि बीते कई दिन से भीषण गर्मी थी, जिस कारण खेतों को सिंचाई की आवश्यकता थी। मगर इस बारिश से खेतों की जरूरत पूरी हुई है। मेहनत और परिश्रम का फल मिलने की उम्मीद से किसान काफी खुश हैं।

बारिश की इस सौगात ने न सिर्फ खेतों को जीवनदान दिया है, बल्कि किसानों के दिलों में भी नए उत्साह का संचार किया है। बता दें कि यह बारिश आद्रा नक्षत्र के शुरूआत में हुई है। आद्रा नक्षत्र की बारिश को धान की खेती के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। किसान इस नक्षत्र में धान का बिचड़ा डालते है, वहीं रोपनी की शुरूआत भी इसी नक्षत्र से होती है।

कई मोहल्ले हुए जलमग्न: सोमवार को हुई करीब 50 मिनट की बारिश से कई मोहल्ले जलमग्न हो गए। शहर की मुख्य मंडी गोला रोड, शहीद गेट, स्टेशन रोड, ईश्वर सिंह की गली, अयोध्या सिंह की गली, फूलचंद कानू रोड, जवाहर मंदिर रोड के अलावे कई वीआईपी कॉलोनियां में भी बरसात का पानी जमा हो गया। जिस वजह से राहगीरों सहित वाहन चालकों को काफी परेशानी उठानी पड़ी। लोगों का कहना है कि नगर परिषद प्रशासन प्रति वर्ष मोटी रकम नाले-नालियों की साफ-सफाई में खर्च करता है। बावजूद स्थिति ज्यों की त्यों बनी है।

पुलिस से हाथापाई करने में आधा दर्जन गिरफ्तार

दिनारा। नटवार पुलिस ने पुलिस के साथ हाथापाई करने के मामले में आधा दर्जन अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष अजीत कुमार ने बताया कि पूर्व माह में सड़क जाम के दौरान पुलिस के साथ हाथापाई करने, पुलिस की गाड़ी को क्षतिग्रस्त करना एवं पुलिस पदाधिकारी को चोट पहुंचाने के मामले में कांड संख्या 97/25 के आलोक में मामला दर्ज था। इसी मामले में पुलिस ने सोमवार को सुबह में पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल के जवान के द्वारा थाना क्षेत्र अंतर्गत देवरिया टोला गांव में छापेमारी कर आधा दर्जन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। जिस मामले में पुलिस ने उक्त कांड के अभियुक्त अखिलेश चौधरी, बीडीओ चौधरी, मुन्ना चौधरी, मिथलेश चौधरी, अनिल चौधरी के पुत्र सोनू चौधरी एवं उमाशंकर चौधरी के पुत्र सोनू चौधरी को गिरफ्तार कर लिया। सभी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जांच के उपरांत जेल भेज दिया।

CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON
Affiliated to C.B.S.E., Delhi, Up to (10+2)- Aff. No. 330723, SCHOOL No. 65720
Harnahi Road, Dumraon, Buxar - 802119
8210918840, 7319972175, 6393686958 www.cambridgeschooldumraon.com facebook.com/CAMBRIDGEDUMRAON
A CO-EDUCATIONAL SCHOOL FROM NURSERY TO STD. XII
ADMISSION NOTICE FOR STD. XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS)
OUTSTANDING PERFORMANCE OF OUR STUDENTS IN AISSE (Std. X) & AISSCE (Std. XII) CBSE BOARD EXAMS 2025
SCHOOL TOPPER- STD. XII
SARTHAK RAJ MISHRA 92%
SUBJECT WISE HIGHEST MARKS IN STD. XII
Chemistry : 98 Biology : 91
English Core : 97 Physics : 91
Physical Education : 96 Business Studies : 86
Mathematics : 92 Economics : 83
TOPPERS- STD. X
1st KHUSHI KUMARI 95.2%
2nd ANSH RAJ SINGH 94.8%
2nd PRAGATI KUMARI 94.8%
2nd SHREYA RAJ 94.8%
3rd ANMOL RAJ VATS 94%
3rd MOHIT KUMAR SINGH 94%
SUBJECTWISE HIGHEST MARKS
• Mathematics : 100 • Sanskrit : 100 • Social Science : 97
• Science : 100 • English : 95 • Hindi : 94
INFORMATION
The Information & Admission Cell at the JUNIOR WING,Dr. Jagnarayan Singh Hospital Campus, will remain open on all working days (Mon. - Sat.) from 9:00 am - 01:00 pm also during Summer Vacation.
LIMITED SEATS. HURRY UP!!!
REGISTRATION IS GOING ON FOR ADMISSION TO CLASS XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS) FOR THE ACADEMIC SESSION 2025-26. CLASSES WILL START FROM 23 JUNE, 2025.
SCHOLARSHIP SCHEME
CANDIDATES WITH 90% & ABOVE WILL BE GIVEN HALF FREESHIP (50% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII. OTHER CHARGES ARE PAYABLE FOR BOTH CLASSES.
INTEGRTION OF FOUNDATION CLASSES FOR NEET AND JEE MAINS IN CURRICULUM.
CHAIRMAN- MR. T.N. CHOUBEY

नया नियमः अब लाइसेंसी हथियार रखने वालों को 200 नहीं सिर्फ 50 गोलियां मिलेंगी

- बिहार में अवैध गोलियों की सप्लाई पर नकेल
- कारतूस की ब्लैक मार्केटिंग पर नकेल कसने की ठोस रणनीति तैयार

केटी न्यूज/पटना

सूबे में कानून-व्यवस्था सुधार और आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए हथियार लाइसेंस धारकों पर निगरानी सख्त कर दी गई है। अब संदिग्ध, आपराधिक या हर्ष फायरिंग में शामिल लोगों के लाइसेंस रद्द होंगे। साथ ही, सालाना केवल 50 गोलियों की सीमा तय कर दी गई है।राज्य में विधि-व्यवस्था को दुरुस्त करने के साथ ही आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए कारतूस की ब्लैक मार्केटिंग पर नकेल कसने की ठोस रणनीति तैयार की गई है। हथियारों का बेजा इस्तेमाल करने वालों की पहचान कर उनके हथियारों के लाइसेंस रद्द किए जाएंगे। जिन लाइसेंस धारकों का आपराधिक इतिहास रहा है या किसी संदिग्ध गतिविधि में शामिल रहे हैं, हर्ष फायरिंग के मामले में शामिल रहे हैं अथवा सोशल मीडिया पर अवैधानिक प्रदर्शन या सार्वजनिक स्थानों पर अपना वर्चस्व या भय कायम करने के वैसे आरोपी जिनके पास हथियार के लाइसेंस हैं, इन सभी की पहचान कर इनके लाइसेंस रद्द करने की कार्रवाई शुरू होने जा रही है। इसमें कई लोगों की पहचान कर कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। पुलिस मुख्यालय ने इससे संबंधित कार्रवाई करने का आदेश जारी कर दिया है। इसके अतिरिक्त अपराधियों या असामाजिक तत्वों तक पहुंचने वाली अवैध गोलियों की सप्लाई चेन को पूरी तरह ध्वस्त करने के लिए

व्यापक कार्ययोजना तैयार की गई है। अब प्रत्येक लाइसेंस धारकों को प्रतिवर्ष अधिकतम 200 के स्थान पर 50 राउंड गोली ही मुहैया कराई जाएगी। इसके लिए आयुध नियम, 2016 में संशोधन किया गया है। पुलिस के मुखिया डीजीपी विनय कुमार के दिशा-निर्देश पर एडीजी (एसटीएफ) कुंदन कृष्ण की तरफ से इससे संबंधित प्रस्ताव गृह विभाग को भेजा गया है। इस पर जल्द ही सरकार के स्तर से अंतिम रूप से आदेश जारी होने जा रही है।

सभी लाइसेंस की जानकारी पोर्टल पर दर्ज कराना अनिवार्य : अब सभी लाइसेंस धारकों की आर्म्स समेत तमाम बातों की जानकारी नेशनल डाटाबेस ऑफ आर्म्स लाइसेंस- आर्म्स लाइसेंस इश्योएंस सिस्टम पर अनिवार्य रूप से अपलोड करनी होगी। लाइसेंस पर नई गोली खरीदने वाले को खोखा को जमा कराकर उपयोगिता प्रमाण-पत्र प्राप्त करना अनिवार्य होगा। इस संबंध में उत्तर प्रदेश सरकार के जारी दिशा-निर्देश यानी यूपी मॉडल को यहां लागू किया जाएगा। सभी शस्त्र दुकानों और कारखानों के साथ ही बंद पड़ी लाइसेंसी दुकानों या कारखानों की समीक्षा कर विधि-सम्मत कार्रवाई की जाएगी। सभी दुकानों एवं कारखानों को खरीद-बिक्री का पूरा स्टॉक पंजी जिला के एसपी या स्थानीय थाना को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराना होगा। ताकि इसके आधार पर भौतिक सत्यापन हो सके।

जिला स्तरीय गठित कमेटी करेगी समीक्षा : जिला स्तर पर शस्त्र एवं कारतूस के संबंध में विस्तृत समीक्षा और निरंतर निगरानी करने के लिए स्थाई समिति का गठन किया गया है। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित यह कमेटी प्रत्येक तीन महीने पर लाइसेंसधारी दुकानों की जांच, निर्गत या नवीकरण की विवरणी की समुचित समीक्षा की जाएगी। साथ ही अर्द्धवार्षिक या वार्षित उच्च स्तरीय समीक्षा गृह विभाग और पुलिस मुख्यालय स्तर पर किया जाएगा। सभी रिकार्ड अपडेट किया जाएगा।

इस कारण लिया गया यह निर्णय : राज्य पुलिस औसतन 3600 अवैध हथियार और 17000 अवैध गोलियां प्रत्येक वर्ष जप्त करती है। राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो (एनसीआरबी) के अनुसार, हिंसक अपराध दर में बिहार का स्थान देश के शीर्ष पांच राज्यों में रहा है। अवैध गोलियों की जांच में यह पाया गया कि इसका मुख्य स्त्रोत लाइसेंसी दुकानों से लाइसेंस के नाम पर गोलियां उठाकर इनकी अवैध सप्लाई अपराधियों या ब्लैक मार्केट में की जाती है। इस पर नकेल लगायी जाएगी।

नाथनगर प्रखंड अंतर्गत किशनपुर गांव के पास बाइपास के नजदीक हुई घटना

भागलपुर में बकरी चराने गई दो बच्चियों की पोखरा में डूबने से मौत

- एक को बचाने के चक्कर में दोनों की चली गई जान
- आपदा प्रबंधन के तहत परिजनों को मिलेगा मुआवजा

केटी न्यूज/भागलपुर

भागलपुर जिले के नाथनगर प्रखंड अंतर्गत किशनपुर गांव के पास बाइपास के नजदीक स्थित एक पोखर में डूबने से दो बच्चियों की दर्दनाक मौत हो गई। यह हादसा सोमवार दोपहर का बताया जा रहा है। जैसे ही इस घटना की खबर गांव में फैली, पूरे इलाके में सनसनी फैल गई और मातमी सन्नाटा पसर गया। मृत बच्चियों की पहचान किशनपुर निवासी प्रमोद यादव की 13 वर्षीय पुत्री निशा कुमारी और सुग्रीव यादव की 12 वर्षीय पुत्री सोनाली कुमारी के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दोनों बच्चियां दोपहर में गांव के पास बकरी चराने गई थीं। इस दौरान कुछ बकरियां पोखर के किनारे चली गईं। बकरियों को रोकने के लिए निशा पोखर की ओर बढ़ी, तभी उसका पैर फिसल गया और वह पानी में गिर गई। निशा को डूबता देख सोनाली ने उसे बचाने के लिए पोखर में छलांग लगा दी। लेकिन गहरे पानी में जाने के कारण दोनों बच्चियां डूब गईं। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। सूचना पाकर नाथनगर पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से बच्चियों के शव को पोखर से बाहर निकाला गया। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

परिजनों ने कहा- बेटी बकरी चराने गई थी : मृतका निशा कुमारी की मां सोनम देवी ने बताया कि उनकी बेटी निशा अपनी सहेली सोनाली के साथ घर के पास खेत में बकरी चराने गई थी। घर से जाते समय हमने उसे जल्दी लौट आने को कहा था, लेकिन कुछ देर बाद पोखर में डूबने की दुखद खबर मिली। सूचना ग्रामीणों ने नाथनगर के सीओ को दी। सूचना मिलते ही सीओ के निर्देश पर अंचल कार्यालय के राजस्व कर्मी मौके पर पहुंचे। अंचल प्रशासन ने परिजनों को बताया गया कि आपदा प्रबंधन के तहत उन्हें मुआवजा राशि प्रदान की जाएगी।

गंडक नहर में मिला युवती का शव

गोपालगंज। जिले के मांझागढ़ थाना क्षेत्र के कर्णपुरा गांव के समीप गंडक नहर से सोमवार की शाम एक युवती का शव बरामद कर लिया गया है। शव को नहर से बाहर निकालने के बाद पुलिस ने उसे पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल में भेज मामले की जांच में जुट गई है। मृतका की पहचान थावे थाना क्षेत्र के अमैठी गांव निवासी सोहिला कुमारी के रूप में की गई। दरअसल घटना के संदर्भ में बताया जाता है कि रविवार देर शाम को कुछ स्थानीय निवासियों ने पुलिस को बताया कि उन्होंने एक युवती को नहर में कूदते देखा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए रअफ्रको सूचित किया, जिसके बाद बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंची। नहर में नावों के माध्यम से गहन तलाशी की। टीम के सदस्य नहर के दोनों किनारों पर भी निगरानी रखे हुए हैं।

बिहार उद्यमी-व्यवसाय आयोग का गठन

पटना। नीतीश सरकार ने सोमवार को उद्यमी एवं व्यवसाय आयोग, बिहार नागरिक परिषद का गठन किया है। उद्योग विभाग की तरफ से उद्यमी आयोग का गठन किया गया है। सीएम की सहमति के बाद उद्योग विभाग की तरफ से इसकी अधिसूचना जारी की गई है। बिहार राज्य उद्यमी एवं व्यवसाय आयोग का गठन किया गया है। जिसमें अध्यक्ष एक उपाध्यक्ष और आठ सदस्य होंगे। भाजपा नेता सुरेश रुंगटा को उद्यमी एवं व्यवसाय आयोग का अध्यक्ष बनाया गया है। जबकि अरविंद कुमार निराला उपाध्यक्ष बने हैं।

राहत : दरभंगा से भाजपा विधायक मिश्री लाल यादव को हाईकोर्ट से मिली जमानत

केटी न्यूज/दरभंगा

भाजपा विधायक मिश्री लाल यादव को पटना हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है। जमानत मिलने की खबर के बाद अलीनगर में समर्थकों ने होली के रंग में रंगकर जश्न मनाया। इस दौरान कार्यकताओं ने ढोल-नगाड़ों के साथ मिठाइयां बांटी और विधायक के समर्थन में नारे लगाए। विधायक मिश्री लाल यादव ने मीडिया से बातचीत में न्यायालय के प्रति आस्था व्यक्त करते हुए कहा कि अभी तो मुझे जमानत मिली है, अंतिम फैसला आना बाकी है। मुझे हाईकोर्ट से पूरी उम्मीद है कि फैसला मेरे पक्ष में आएगा और मैं एक बार फिर अलीनगर का विधायक बनूंगा। उन्होंने आगे कहा कि देश में धारा 323 और 506 जैसी धाराओं में आमतौर पर किसी को सजा से पहले जेल नहीं भेजा जाता, लेकिन मुझे जेल जाना पड़ा। यह सब राजनीतिक साजिश का नतीजा है। न्यायालय पर मेरा पूरा भरोसा है और मुझे खुशी है कि जमानत मिल गई है। विधायक ने दावा किया कि उनके खिलाफ रची गई साजिश में कुछ माननीय और राजनीतिक विरोधी शामिल हैं। मेरे और मेरे बेटे धीरज यादव के खिलाफ षड्यंत्र के तहत मुकदमा दर्ज कराया गया है। लेकिन जनता मेरे साथ है। आने वाले विधानसभा चुनाव में मैं और मेरा बेटा दोनों चुनाव लड़ेंगे। हमें न्यायपालिका और जन समर्थन पर पूरा भरोसा है। विधायक ने यह भी कहा कि विधानसभा चुनाव में अब केवल पांच महीने का समय बचा है और उन्हें विश्वास है कि न्यायालय का अंतिम निर्णय उनके पक्ष में आएगा। मिश्रीलाल यादव दरभंगा के अलीनगर विधानसभा से विधायक हैं। 2020 के विधानसभा चुनाव में वीआईपी के टिकट पर मिश्रीलाल यादव चुनाव जीते थे। बाद में बीजेपी में शामिल हो गए थे। लेकिन अब उनकी सदस्यता समाप्त कर दी गई थी।

नालंदा में रिश्वत लेते शिक्षा विभाग के डीपीओ गिरफ्तार

नालंदा। निगरानी इकाई ने नालंदा में बड़ी कार्रवाई की है। शिक्षा विभाग के एक घूसखोर अधिकारी को पकड़ा गया है। गिरफ्तारी के बाद टीम आगे की कार्रवाई में जुट गई है। निगरानी की टीम ने नालंदा से शिक्षा विभाग के जिला कार्यक्रम पदाधिकारी को घूस लेते गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार डीपीओ अनिल कुमार को 20 हजार रिश्वत लेते अरेस्ट किया गया है। महथ विद्यानन्द इंटर कॉलेज की जांच कमेटी गठन के नाम पर 20 हजार रुपए की मांग की गई थी। विजिलेंस की टीम ने हिलसा पहुंच तय राशि 20 हजार रुपए लेते हुए डीपीओ को अरेस्ट कर लिया है। विशेष निगरानी टीम ने आरोपी अधिकारी को नालंदा के हिलसा से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी अधिकारी को पटना लाया जा रहा है।

सरकार का प्रयास समाज की पिछली पंक्ति के लोगों को मुख्यधारा में किया जा सके शामिल

बिहार में हर 12वां व्यक्ति सामाजिक सुरक्षा पेंशन का लाभार्थी, सरकार पर 9200 करोड़ का वार्षिक बोझ

- सरकार ने आधा दर्जन पेंशन योजनाओं के तहत मिलने वाली राशि में 175 प्रतिशत की वृद्धि करने का लिया है फैसला

केटी न्यूज/पटना

सामाजिक सुरक्षा के लिए पेंशन योजनाएं संचालित करने का मुख्य उद्देश्य, वृद्ध, विकलांग, विधवा और अन्य जरूरतमंद नागरिकों को आर्थिक सहायता प्रदान करना है। बिहार सरकार समाज की पिछली पंक्ति के लोगों को मुख्यधारा में शामिल करने और सम्मानजनक जीवन व्यतीत करने के लिए कोई एक-दो नहीं बल्कि आधा दर्जन योजनाओं का सफलता से क्रियान्वयन कर रही है। सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी इन योजनाओं के आकार का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि हर 12 में एक व्यक्ति सामाजिक सुरक्षा के तहत पेंशन योजना से लाभान्वित हो रहा है। बिहार में कुल आधा दर्जन सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी पेंशन योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है।

महिला संवाद की समीक्षा में लिया फैसलाः सीएम नीतीश कुमार की अगुवाई में महिला संवाद की समीक्षा बैठक में सामाजिक सुरक्षा से इन सभी आधा दर्जन पेंशन योजनाओं के तहत मिलने वाली राशि में 175 प्रतिशत की वृद्धि करने का फैसला लिया गया है। अब बिहार में संचालित सभी सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत संचालित पेंशन योजनाओं में लाभान्वितों को कम से कम 1100 रुपये का भुगतान किया जा रहा है। सूबे की सरकार को इसके लिए अपने संसाधनों से धनराशि व्यय करना होगा।

एक करोड़ से अधिक लोगों को मिल रहा लाभ : बिहार में सामाजिक सुरक्षा के तहत संचालित पेंशन योजनाओं से राज्य की कुल एक करोड़, 11 लाख, 22 हजार, 825 लोगों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इन सभी छह योजनाओं में तीन योजनाएं केन्द्रीय सहायता से संचालित हैं। जबकि तीन योजनाएं बिहार सरकार अपने संसाधनों से बिना किसी केन्द्रीय सहायता के संचालित कर रही है। केंद्र की सहायता से चलने वाली योजनाओं में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय निःशक्तता पेंशन योजनाएं शामिल हैं। इन योजनाओं पर खर्च होने वाली धनराशि में केंद्र सरकार 50 से 75 प्रतिशत की राशि का वहन करती है। जबकि बिहार सरकार अपने संसाधनों से लक्ष्मीबाई सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, बिहार निःशक्तता पेंशन योजना और मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना का संचालन कर रही है। इन योजनाओं पर खर्च होने वाली शत-प्रतिशत धनराशि बिहार सरकार खुद वहन करती है। केंद्र सरकार की संचालित तीन पेंशन योजनाओं पर बिहार सरकार को 732.32 करोड़ रुपये के वित्तीय भार का वहन करना पड़ता था। 1438.72 करोड़ रुपये केंद्रांश के रूप में प्राप्त होते हैं। सिामाजिक सुरक्षा के तहत पेंशन की न्यूनतम राशि 1100 रुपये किए जाने के बाद आम जनता में खुशी है।

संक्षिप्त समाचार

हजारीबाग में अहले सुबह चोरों ने घर को बनाया निशाना:41 हजार नकद और जेवर ले उड़े

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग शहर के ओकनी तालाब गली नंबर 1 में चोरी की घटना सामने आई है। घटना सुबह 4 :30 बजे की है। जानकारी के मुताबिक चोरों ने महज 5 मिनट में गोदरेज का दरवाजा तोड़ 41 हजार रुपए नगद के साथ सोने के आभूषण ले गए। जिनके घर में सुबह-सुबह चोरों ने हाथ साफ किए उनका नाम विशाल सिन्हा है। वह पेशे से बस कंडक्टर हैं। उनकी पत्नी सिमरन ने बताया कि सुबह 4 बजे पति ड्यूटी के लिए निकल गए थे। उनके जाने के कुछ देर बाद दरवाजा तोड़ने की आवाज सुनाई दी। मेरे साथ बच्चे और बहन थी। जिस कमरे में हम सोए हुए थे उसका दरवाजा डर से हमने अंदर से बंद कर लिया था। सिमरन ने बताया कि हमने खुद को कमरे में बंद किया और पति, देवर और जेठ को कॉल किया। जब तक आस-पड़ोस के लोग और रिश्तेदार मौके पर पहुंचे, चोर जा चुके थे। इस घटना ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अपार्टमेंट में लगे तीन सीसीटीवी कैमरे बंद थे। एक दिन पहले ही शहर में सात राउंड गोलीबारी की घटना हुई थी।

पाकुड़ में बोलेरो पलटने से एक घायल: बाइक के अचानक मुड़ने से हुआ हादसा

पाकुड़, एजेंसी। पाकुड़ जिले के लिट्टीपाड़ा थाना क्षेत्र में एक बोलेरो दुर्घटनाग्रस्त हो गई। यह हादसा लिट्टीपाड़ा-हिरणपुर मुख्य सड़क पर नवाडीह गांव के पास हुआ। गोड्डा से पाकुड़ जा रही बोलेरो (जेएच 04एफ 1949) में चार लोग सवार थे। दुर्घटना तब हुई जब आगे चल रहे एक मोटरसाइकिल चालक ने अचानक अपनी बाइक को दाहिनी तरफ मोड़ दिया। बोलेरो चालक ने टक्कर बचाने के लिए अचानक ब्रेक लगाया। इससे वाहन असंतुलित होकर सड़क से नीचे पलट गया। हादसे में एक व्यक्ति को चोट आई। स्थानीय लोगों ने तुरंत मदद के लिए आगे आए और वाहन में फंसे सभी यात्रियों को बाहर निकाला। उन्होंने पुलिस को भी सूचित किया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर चालक से पूछताछ की और जेसीबी की मदद से बोलेरो को सड़क पर वापस लाया। ग्रामीणों का कहना है कि इस सड़क पर अक्सर मोटरसाइकिल चालक तेज गति से वाहन चलाते हैं, जिससे छोटी-मोटी दुर्घटनाएं होती रहती हैं। जिला प्रशासन के निर्देश पर परिवहन विभाग सड़क सुरक्षा के लिए जागरूकता अभियान चला रहा है। विभाग ग्रामीण क्षेत्रों, हाट और विद्यालयों में लोगों को हेलमेट और सीट बेल्ट के उपयोग के लिए प्रेरित कर रहा है। साथ ही नियमित वाहन जांच अभियान भी जारी है।

प्राइवेट अस्पतालों की मनमानी पर लगेगी रोक, स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने लिया बड़ा फैसला

रांची, एजेंसी। झारखंड में अब प्राइवेट अस्पतालों की मनमानी नहीं चलेगी। इसे लेकर स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने एक बड़ा फैसला लिया है। मंत्री इरफान ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा, मौत के बाद इंसानियत जिंदा रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमने एक ऐसा मानवीय फैसला लिया है, जिसकी गूंज न सिर्फ राज्य में बल्कि पूरे देश में सुनी जा रही है। अब किसी भी मरीज की मृत्यु के बाद अस्पताल शव को रोक कर नहीं रखेगा। इससे गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को बड़ी राहत मिली है। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि कई बार देखा गया है कि आर्थिक तंगी के कारण गरीब परिवार अपने ही प्रियजन का अंतिम संस्कार समय पर नहीं कर पाते थे। लेकिन अब, इस संवेदनशील फैसले से हर वर्ग को इंसाफ मिला है। लोग कह रहे हैं — मुसीबत के समय अगर कोई सहारा बनता है, तो वही सच्ची श्रद्धांजलि और इंसानियत है। मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि यह फैसला केवल एक सरकारी आदेश नहीं, बल्कि कांग्रेस की उस विचारधारा का प्रतिबिंब है जो हर पीड़ित, हर जरूरतमंद के साथ खड़ी होती है। यही है कांग्रेस की असली ताकत-सेवा, संवेदना और सहयोग। सांसद राहुल गांधी और कांग्रेस आलाकमान ने मुझे जो जिम्मेदारी दी उसे राज्य के हर व्यक्ति तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचा करके निभा रहा हूं।

झारखंड के लिए आजसू ने संघर्ष किया, बाकी ने की सौदेबाजी

सुदेश महतो ने हेमंत सरकार पर बोला हमला

रांची, एजेंसी। आजसू पार्टी ने रविवार को अपना स्थापना दिवस बलिदान दिवस के रूप में मनाया। इस अवसर पर खेलगांव स्थित हरिवंश टाना भगत स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो ने जहां झामुमो और कांग्रेस पर निशाना साधा। वहीं, राज्य सरकार की नाकामियां भी गिनाई।

उन्होंने कहा कि झारखंड राज्य के लिए संघर्ष आजसू ने किया। बाकी ने सिर्फ सौदेबाजी की। सुदेश ने प्रखंडों में व्याप्त भ्रष्टाचार का जिक्र करते हुए कहा कि यहां सिस्टम में डकैती हो रही है, जनता त्रस्त है। उन्होंने कहा कि सारा तंत्र काम में अड़ंगा लगाकर तथा डरा-धमकाकर लूट में लगा है, जमीन की भी लूट मची है। इन सभी के विरुद्ध लड़ाई लड़ने के लिए आजसू तैयार है। उन्होंने इसके लिए कार्यकर्ताओं से संघर्ष करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वोट के लिए उन छह लाख महिलाओं के खाते में पैसे बांटे गए जो इसके लिए योग्य नहीं थे। सवाल उठाया कि इसके लिए कौन जिम्मेदार है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार झूठ बोलकर और गुमराह कर राजनीति कर रही है।

उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा जाति जनगणना की घोषणा का स्वागत किया, लेकिन यह भी कहा कि आबादी के आधार पर आरक्षण भी तय करना होगा। उन्होंने कहा कि चुनावी घोषणा के बाद भी न तो नियोजन नीति बनी, न ही स्थानीय और विस्थापन नीति। उन्होंने कहा कि पेसा नियमावली पर कांग्रेस सिर्फ राजनीति कर रही है, जबकि इस पार्टी ने ही परंपरागत स्वशासन व्यवस्था को खत्म किया था।

कार्यक्रम में पार्टी के वरीय उपाध्यक्ष सह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने कार्यकर्ताओं से प्रखंड और पंचायत तक जाकर राज्य सरकार की नाकामियों को बताने का आह्वान किया।

पार्टी के प्रधान महासचिव सह पूर्व मंत्री रामचंद्र सहिस ने कहा कि जेपीएससी की 90 प्रतिशत नौकरियां बाहरियों को मिली है। महासचिव सह पूर्व विधायक डॉ। लंबोदर महतो ने कहा कि वर्तमान सरकार घोटाले की सरकार के रूप में जानी जाएगी। पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रवीण प्रभाकर ने पार्टी को पुराने तेवर में आने पर जोर दिया।

कार्यक्रम में बंगाल के मेदिनीपुर, पुरुलिया और ओडिशा के कई इलाकों रायरंगपुर, बारीपदा आदि से भी कार्यकर्ता पहुंचे थे। विभिन्न मोहल्लों से महानगर कार्यकर्ता मोटरसाइकिल जुलूस की शक्ल में खेलगांव स्थित समारोह स्थल पहुंचे। इस अवसर पर रक्तदान शिविर भी लगाई गई, जिसमें कार्यकर्ताओं ने रक्तदान किया। ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू) के पुराने नेता रविवार को मोरहाबादी स्थित डॉ। रामदयाल मुंडा सभागार में जुटे। उन सभी ने पार्टी का 40वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर झारखंड आंदोलनकारियों और उनके परिजनों को सम्मानित किया गया। इसमें हाल ही में आजसू पार्टी छोड़ चुकी कमल किशोर भगत की पत्नी नीरू शांति भगत भी सम्मिलित हैं।

साथ ही फिल्मों के माध्यम से झारखंड की संस्कृति की रक्षा का कार्य करने वाले मेघनाथ भट्टाचार्य, प्रबल महतो आदि को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर नेताओं ने झारखंड राज्य गठन के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए फिर से संघर्ष करने की बात कही। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित झारखंड राज्य मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. टीएन साहू ने डॉ. रामदयाल मुंडा के नाम सम्मान स्मृति पत्र जारी किया। सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व अध्यक्ष ललित महतो ने कहा कि भाषा, संस्कृति और खतियान, झारखंडियों को पहचान के नारे को फिर से बुलंद किया जाए।

इस मौके पर आजसू के संस्थापक अध्यक्ष प्रभाकर तिर्की, संस्थापक महासचिव सूर्य सिंह बेसरा, पूर्व अध्यक्ष ललित कुमार महतो, रतन तिर्की, जाय बखला, प्रो विनोद भगत आदि ने पार्टी के पुनर्गठन पर जोर दिया। सभी ने वृहद झारखंड राज्य के लिए आंदोलन शपथ लिया।

यह भी निर्णय लिया गया कि आजसू का पुनर्गठन कर छात्रों को कमान सौंपा जाएगा। साथ ही आल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन का राजनीतिक इस्तेमाल करने वालों के विरुद्ध भारत निर्वाचन आयोग से शिकायत करने का निर्णय लिया गया।

लापरवाही की भेंट चढ़ी मासूम, बस थोड़ी देर में पहुंच रहे हैं कह कर 3 घंटे बाद भी नहीं आयी एम्बुलेंस

गोड्डा, एजेंसी। कारण एक मासूम बच्ची ने इलाज के अभाव में तड़प कर दम तोड़ दिया। दरअसल यहां एक बच्ची छत से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गयी थी। घायल बच्ची को अस्पताल ले जाने के लिए 108 नंबर पर कॉल कर एम्बुलेंस बुलाया गया। लेकिन, घंटो इंतजार के बावजूद एम्बुलेंस नहीं पहुंची। हर बार कॉल करने पर एक ही जवाब मिल रहा था थोड़ी देर में पहुंच रहे है। लेकिन, थोड़ी देर के उस लंबे इंतजार में मासूम बच्ची की जान चली गयी।

इधर नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने इस पूरे मामले पर हेमंत सरकार पर बड़ी लापरवाही का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री, विभागीय अधिकारियों की निष्क्रियता और भ्रष्टाचार अब सीधे जनता की जान पर भारी पड़ रही है। मुफ्त एम्बुलेंस सेवा हो या आयुष्मान भारत योजना, हेमंत सरकार ने स्वास्थ्य सुविधाओं से जुड़ी हर योजना को भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी का अड्डा बना दिया है।

बाबूलाल मरांडी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर ट्वीट कर कहा, हेमंत सरकार की घोर लापरवाही का खामियाजा गोड्डा की एक मासूम बेटी को अपनी जान देकर भुगतना पड़ा। छत से गिरकर गंभीर रूप से घायल हुई बच्ची के परिजन घंटों तक एम्बुलेंस का इंतजार करते रहे, लेकिन सरकारी एम्बुलेंस समय पर नहीं पहुंची। स्वास्थ्य मंत्री और विभागीय अधिकारियों की निष्क्रियता और भ्रष्टाचार अब सीधे जनता की जान पर भारी पड़ रही है। चाहे वह मुफ्त एम्बुलेंस सेवा हो या आयुष्मान भारत योजनाज हेमंत सरकार ने स्वास्थ्य सुविधाओं से जुड़ी हर योजना को भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी का अड्डा बना दिया है।

दो घंटे में ही बारिश बनी आफत:नगर निगम की व्यवस्था फिर फेल

रांची, एजेंसी। रविवार को रांची में दिन के 3 से 5 बजे तक आफत वाली बारिश हुई। जिसके बाद शहर के 12 से अधिक इलाके डूब गए। कई जगहों पर चार पहिया गाड़ियां डूब गईं। सिरमटोली के पास अपार्टमेंट की दीवार गिर गई। अशोक विहार और सेवा सदन रोड सहित कई कॉलोनियां कमरभर पानी में डूब गईं। घरों और दुकानों में भी पानी घुस गया, जिसकी वजह से सबसे अधिक लोग परेशान रहे। बिरसा चौक पेट्रोल पंप के समीप एक बड़ा पेड़ गिर गया। हालांकि कोई बड़ी दुर्घटना नहीं हुई। लेकिन इन दो घंटों में हुई आफत वाली बारिश में जहां आम लोग परेशान रहे, नगर निगम कहीं नहीं दिखा। लोग विवश दिखे। घरों से पानी निकालने की व्यवस्था खुद की। जो ज्यादा परेशान थे, उन्होंने मीडिया वालों को फोन किया कि उनकी कुछ मदद करें।

जब लोग सभी तरफ से हताश-निराश हो गए, तब पूरे शहर में जल जमाव की स्थिति को लोग सोशल मीडिया पर वीडियो बना कर डालने लगे कि देखिए ये है हमारी रांची। जहां 24 साल से ड्रेनेज सिस्टम सही तरीके से नहीं बन सका। जिसका खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है। शहर में सबसे अधिक जल जमाव अशोक विहार, डिबडीह प्रगति बिहार, सेवा सदन रोड, अपर बाजार, तपोवन मंदिर के पास, रातू रोड कब्रिस्तान के पास, हलधर प्रेस गली कोकर रोड, जैप वन के क्वार्टर में, कांटाटोली के पास चुनवा टोली, पंचशील नगर पंडरा, पुंदाग में एकलव्य टावर के पास, रांची स्टेशन रोड, गौरी शंकर प्रधान नगर डोरंडा, लालपुर, मुक्ति धाम हरमू के पास, शांति नगर, सिरमटोली फ्लाई ओवर के नीचे, पंडरा और इंद्रपुरी रोड नंबर 13 में दिखा। इन इलाकों में लोग काफी परेशान रहे। इन इलाकों के घरों में इतना पानी घुसा गया कि लोगों को घरों के अंदर रखे सामान को बचाना मुश्किल हो गया। वहीं सड़कों पर इतना पानी भर गया कि वाहन बंद हो गए। लोग वाहनों को ठेल कर ले जाते दिखे।

डोरंडा में गौरी शंकर नगर और अशोक विहार एक्सटेंशन में भारी जल जमाव हो गया। जिसकी वजह से वहां रहने वाले लोगों को सबसे अधिक परेशानी हुई। इतना जल जमाव इससे पहले कभी नहीं हुआ था। रविवार को दो घंटे की बारिश के बाद ही पूरा इलाका जलमग्न हो गया। सड़कों पर कमर तक पानी भर गया। लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया।

रविवार को हुई तेज बारिश के बाद बड़ा तालाब व रोड का पानी एक हो गया था। छत से लोगों ने इसकी तस्वीर भी बनाई। जिसमें लग रहा था कि बड़ा तालाब का आकार बड़ा हो गया है। यहां सड़क पर 3 फीट पानी भरा था। सेवा सदन रोड में जल जमाव से अस्पताल जाने वालों को भी काफी परेशानी हुई। मूसलाधार बारिश के बाद बकरी बाजार में सड़क पर दो फीट से अधिक पानी जमा था। इंद्रपुरी रोड नंबर 13 में नाले का गंदा पानी बारिश के पानी के साथ मिलकर घरों में घुसने लगा। पंडरा में सड़क पर दो-दो फीट पानी जम गया था। शांतिनगर में घुटने भर पानी की वजह से लोग घर से बाहर निकल नहीं सके।

रविवार को तेज बारिश की वजह से बिजली व्यवस्था भी चरमरा गई। दिन के 3 बजे जैसे ही बारिश शुरू हुई, अधिकांश इलाकों में बिजली गुल हो गई। 33 केवीए नामकुम फीडर ब्रेकडाउन हो गया, जिससे शाम 4 बजे से कई इलाकों में देर रात तक बिजली नहीं रही। वहीं शहर के बड़े इलाके में शाम के पांच बजे तक जबतक बारिश होती रही, बिजली गुल रही। इस वजह से बारिश रुकने के बाद भी सात बजे तक बिजली कटी रही। चूना भट्ठा कोकर, तिरिल रोड, सुंदर विहार कोकर में बिजली कटी रही। यहीं हाल डोरंडा के मणि टोला, फिरदौस नगर में भी रहा। बारिश के साथ बिजली नहीं रहने से लोगों को और ज्यादा परेशानी हुई।

दो माह में 10 टन करंज बीज की हुई आपूर्ति : विदेश तक पहुंचा झारखंड का करंज, बन रहा है सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल

रांची, एजेंसी। झारखंड का करंज अब विदेश तक पहुंचने लगा है। इसके लिए अंतरराष्ट्रीय कंपनी टर्विवा इंडिया लिमिटेड ने सिदो-कान्हू एग्रीकल्चर एंड फॉरेस्ट प्रोड्यूस को-ऑपरेटिव फेडरेशन लिमिटेड (सिद्धकोफेड) से पिछले महीने एमओयू किया है। इसके बाद दो माह में ही कंपनी को 10 टन करंज का बीज उपलब्ध कराया गया है।

हालांकि इस वित्तीय वर्ष में कंपनी का यहां से 100 मीट्रिक टन बीज खरीदने का लक्ष्य है। करंज के बीज से कंपनी सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल का रॉ मैटिरियल तैयार कर इसे यूरोपीय देशों में निर्यात कर रही है। खास बात यह है कि केंद्र सरकार ने करंज के बीच का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 22 रुपए प्रति किलो तय किया है, जबकि टर्विवा इंडिया लिमिटेड 47 से 48 रुपए प्रति किलो की दर से खरीद रहा है।

इसे देखते हुए अब अगले वित्तीय वर्ष से लक्ष्य बढ़ाने की तैयारी है। टर्विवा के प्रोक्योरमेंट मैनेजर अर्घया चौधरी ने कहा कि भविष्य में कंपनी झारखंड में अपना प्रोसेसिंग प्लांट लगाने पर विचार कर रही है। सिद्धकोफेड कंपनी और संग्रहकर्ता के बीच समन्वय का काम कर रहा है। संग्रहकर्ता यह बीज लैंपस और पैक्स को देते हैं। यहां बीज जमा होने के बाद कंपनी को सूचना दी जाती है, जो बीज खरीदती है। खरीदारी के सात घंटे के भीतर ही संग्रहकर्ता को बीज का भुगतान कर दिया जाता है। इससे करीब एक लाख संग्रहकर्ता जुड़े हैं। कंपनी लैंपस और पैक्स को भी प्रति किलो एक रुपए देती है। संग्रहकर्ता को जूट का बैग भी उपलब्ध कराया जाता है, ताकि बीज संग्रह करने और लैंपस तक पहुंचाने में सुविधा हो। जो लोग धान की खरीदारी के लिए रजिस्टर्ड हैं, उनके माध्यम से ही बीज की खरीदारी की जाती है।

राज्य के सात जिलों सिमडेगा, गुमला, लोहरदगा, खूंटी, सरायकेला खरसावां, चाईबासा, हजारीबाग और गिरिडीह में सबसे ज्यादा करंज के पेड़ हैं। इसलिए फिलहाल इन्हीं जिलों से करंज के बीज की आपूर्ति हो रही है। इन जिलों में खरीदारी के लिए लैंपस और पैक्स के लोगों को सिद्धकोफेड और टर्विवा की ओर से से ट्रेनिंग भी दी गई है।

सरकार की दिव्यांग जनों के लिए सौगात, स्वामी विवेकानंद निशक्त स्वावलंबन प्रोत्साहन योजना के तहत हर माह मिलेंगे एक हजार रुपये

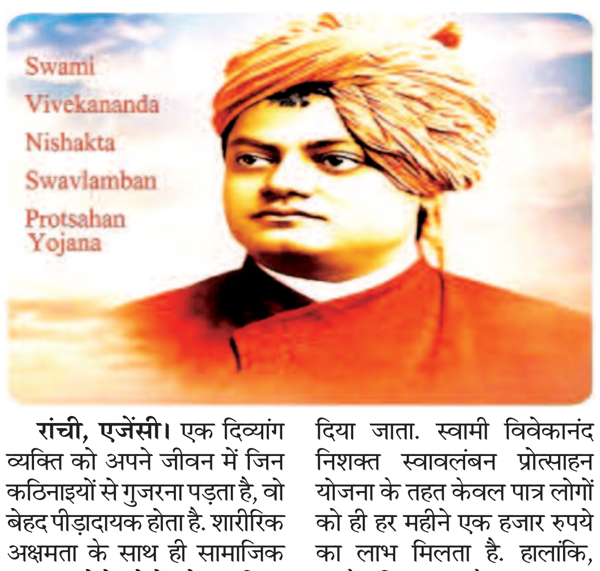

रांची, एजेंसी। एक दिव्यांग व्यक्ति को अपने जीवन में जिन कठिनाइयों से गुजरना पड़ता है, वो बेहद पीड़ादायक होता है. शारीरिक अक्षमता के साथ ही सामाजिक असुरक्षा ऐसे लोगों को मानसिक रूप से भी प्रताड़ित करती है. झारखंड सरकार इन लोगों के प्रति संवेदनशील है. इस कारण इन्हें महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के द्वारा सामाजिक सुरक्षा प्रदान की जाती है. राज्य सरकार दिव्यांग लोगों को हर महीने एक हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि देती है.

यह राशि स्वामी विवेकानंद निशक्त स्वावलंबन प्रोत्साहन योजना के तहत दी जाती है. इसका उद्देश्य पांच साल या उससे अधिक उम्र के दिव्यांग लोगों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है. इसके जरिये सरकार उन लोगों की सहायता करती है, जो अपने संसाधनों से खुद का भरण-पोषण करने में असमर्थ हैं और उन्हें वित्तीय सहायता की जरूरत है.

जानकारी के अनुसार, यह एक प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजना है. इसलिए पेंशन की राशि सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में ट्रांसफर कर दी जाती है. इसे नगद नहीं दिया जाता. स्वामी विवेकानंद निशक्त स्वावलंबन प्रोत्साहन योजना के तहत केवल पात्र लोगों को ही हर महीने एक हजार रुपये का लाभ मिलता है. हालांकि, इसके लिए आपके पास कुछ आवश्यक डॉक्यूमेंट्स होना जरूरी है.

इस योजना के लिए आवेदक के पास कुछ आवश्यक डॉक्यूमेंट्स होना जरूरी है. इन दस्तावेजों में विकलांगता संबंधी प्रमाण पत्र की फोटो कॉपी, आयु प्रमाण पत्र, मतदाता पहचान पत्र (अगर उम्र 18 साल से अधिक है), आधार कार्ड और बैंक पासबुक का जेरॉक्स.

इस योजना के लिए केवल वही दिव्यांग जन योग्य हैं, जो झारखंड के स्थायी निवासी हैं और उनकी उम्र पांच साल या उससे अधिक है. इसके साथ ही आवेदक दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 धारा-2 (आर) बेंचमार्क विकलांगता, धारा-2(एस) विकलांग व्यक्ति, धारा-2 (टी) उच्च सहायता की आवश्यकता वाले विकलांग व्यक्ति या धारा-2(जेडसी) निर्दिष्ट विकलांगता श्रेणी से संबंधित होना चाहिये.

इंदिरा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय का हाल बदहाल, 14 सालों से स्कूल में नहीं हैं प्रिंसिपल

हजारीबाग, एजेंसी। झारखंड में राज्य स्तर पर इकलौता आवासीय स्कूल है, इंदिरा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय। इस विद्यालय ने अपने स्थापना के 41 साल पूरे कर लिये हैं। इसकी स्थापना 27 जनवरी 1984 को हुई है। विद्यालय की छात्राओं ने शुरू से मैट्रिक में राज्य स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर स्कूल एवं हजारीबाग जिले का नाम रौशन किया है। इस पूरी अवधि में एक भी छात्रा परीक्षा में असफल नहीं हुई है।

जानकारी के अनुसार, 41 सालों में 2500 से अधिक छात्राओं ने विद्यालय से मैट्रिक परीक्षा पास की है। जबकि 3000 से अधिक छात्राओं का नामांकन लिया गया है। इसमें कुछ लोगों ने पढ़ाई छोड़ी दी जबकि कुछ छात्राएं परीक्षा में शामिल नहीं हुई। वहीं, दूसरी ओर बहाली नहीं होने से 41 सालों में विद्यालय में टीचर्स और नॉन-टीचिंग स्टाफ में कमी आयी। विद्यालय में 102 पद हैं, लेकिन केवल 23 लोग काम कर रहे हैं।

इनमें से 27 पद में केवल दो शिक्षिका कार्यरत हैं। इन दो शिक्षिकाओं में से एक रेनू ठाकुर भी 31 अगस्त 2025 को सेवानिवृत्त हो जायेंगी। जबकि 75 नॉन-टीचिंग स्टाफ के पदों में 15 पर ही स्टाफ कार्यरत हैं। इनमें से संगीता सिंह 31 जुलाई एवं प्रीति लता बरवा 31 अक्टूबर को सेवानृवित हो जायेंगी। इसका मतलब है कि सितंबर 2025 से पूरा स्कूल मात्र एक शिक्षिका कामिनी के भरोसे चलेगा, जो 2027 में रिटायर होने वाली हैं।

वहीं, बिहार के समय नियुक्त प्राचार्या अन्नदा तिवारी 31 मई 2011 को सेवानृवित हो गयी। इसके बाद 15 सालों से स्कूल में प्राचार्या का पद खाली है। ऐसे में सीनियरिटी के हिसाब से स्कूली शिक्षिकाओं को प्रभारी प्राचार्या बनाया गया है। 10 फरवरी 2025 से जिला शिक्षा पदाधिकारी सह प्रभारी क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त निदेशक प्रवीण रंजन प्रभारी प्राचार्य के पद पर कार्यरत हैं।

इधर, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं बेहतर रिजल्ट को देखते हुए इंदिरा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय को 2017 में प्लस टू स्कूल का दर्जा मिला गया। इसमें एक सांइस फैकल्टी की पढ़ाई चलती है। नौ सालों में करीब 173 छात्राएं प्लस टू में सफल हुई हैं। इस साल स्कूल को एक और उपलब्धि मिली है। कक्षा छह में नामांकन के लिए छात्राओं की संख्या 75 से बढ़ाकर 100 की गयी है।

ब्रिटिश शासन काल में बने हजारीबाग के खाली पड़े पुराने जेल को इंदिरा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय बनाया गया है। यह 52।12 एकड़ एरिया में फैला है। यह हजारीबाग के लिए किसी धरोहर से कम नहीं है। यहां आकर ब्रिटिश काल की बनी दीवारें, इसमें नक्काशी, बड़ा मुख्यद्वार इसमें लगे लोहे के गेट सहित अन्य कई चीजें देखने पर अंग्रेजी हुकूमत के समय की यादें ताजा हो जाती हैं। हालांकि, समय के साथ स्कूल के बाहरी एवं भीतरी हिस्से को लाखों रुपये की लागत से मरम्मती की गई। लेकिन आज भी इसकी बनावट एवं सजावट लोगों को अपने ओर देखने के लिए आकर्षित करता है।

हजारीबाग के डीईओ सह प्रभारी क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त निदेशक प्रवीण रंजन ने कहा शुरू में बहाल एक-एक शिक्षिकाएं समय के साथ सेवानिवृत्त हो रही हैं। सीमित संसाधन में भी छात्राओं को बेहतर शिक्षा मिल रहा है। जुगाड़ के माध्यम से विषयवार शिक्षकों की व्यवस्था की गई है। विद्यालय के बेहतर संचालन को लेकर आयुक्त स्तर पर कमेटी बनी है। 10 फरवरी को प्रभार लेने के बाद स्कूल में डीएमएफटी मद से शिक्षण सामग्री उपलब्ध किया गया है। साथ ही 13 स्मार्ट बोर्ड लगाये गये।

डीईओ ने बताया कि छात्राओं की निजी सामग्री रखने को लेकर 175 अलमीरा की खरीद की गई। मैट्ट्रेस से लेकर किचन में रोटी मेकर मशीन, वाटर कूलर खरीदी गई है। किसी अनहोनी से बचाव के लिए अग्निशामक यंत्र लगाये गए हैं। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को लेकर 89 दिन की छुट्टी को विभागीय आदेश के बाद 60 दिन किया गया है। शिक्षिका एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों की कमी के बावजूद स्कूल के बेहतर संचालन को लेकर सभी उपाय किए गए हैं। छात्र एवं अभिभावक सहित सभी प्रकार की शिकायत को गंभीरता से लिया गया है। आवासीय स्कूल में पढ़ने वाली छात्राओं को मेनू के अनुसार खाना एवं दूसरी सभी सुविधाएं प्रदान की गई है।

सुभाषितम्

जिस तरह जौहरी ही असली हीरे की पहचान कर सकता है, उसी तरह गुणी ही गुणवान की पहचान कर सकता है। - कबीर

ऐसे तो ट्रंप को नही मिलेगा नोवेल शांति पुरस्कार

अमेरिका के दूसरी बार बने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अपने को दुनिया का शांति का अग्रदूत साबित करने में लगे हैं।वे कहते रहे हैं कि भारत-पाकिस्तान युद्ध उनके कहने पर रूका।रूस- यूक्रेन युद्ध रूकवाने के लिए वे प्रयासरत है। वे चाहते हैं कि उन्हें नोवेल शांति पुरस्कार मिले,उधर वह ईरान पर हमला करते हैं ।कहते हैं कि उन्होंने बड़ा काम किया है ।इससे इस्त्राइल- ईरान युद्ध रूक जाएगा। उनकी करनी और कथनी में जमीन आसमान का फर्क दीख रहा है और लग रहा है कि इस हालात में तो उन्हें शांति के लिए नोविल पुरस्कार नही मिलने वाला।रूस के पूर्व राष्ट्रपति और रूसी सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष दिमित्री मेदवेदेव ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर हमला करके एक नया युद्ध शुरू कर दिया है। ऐसे में तो उन्हें इस तरह की सफलता के साथ ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिलेगा। डोनाल्ड ट्रम्प दूसरी बार पूर्ण बहुमत से सत्ता में आए हैं ।पूरे चार वर्ष हैं उनके पास ।वे अपने दुश्मनों से दोस्तों को लड़ाकर रास्ते पर रहें या हठ जाएं , उनकी राष्ट्रपति वाली कुर्सी पर कोई फर्क नहीं पड़ता ।रूस और ईरान अमेरिका के परंपरागत शत्रु हैं ।उन्होंने नाटो देशों के साथ मिलकर यूक्रेन को ताकतवर रूस से भिड़ा दिया , इससे यूक्रेन तो बर्बाद हो ही गया। रूस की भी बड़ी शक्ति इस लड़ाई में व्यय हो रही है ।हाल ही में अमेरिका ने ईरान के तथाकथित तीन परमाणु ठिकानों पर हमला किया। ट्रंप कह रहे हैं कि ईरान के पास परमाणु बम है।परमाणु बम बनाने वाले तीनों केंद्रों पर उन्होंने हमला किया है, जबकि अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार तुलसी गैबार्ड कह रही हैं कि ईरान के पास परमाणु बम नहीं है ।पुतिन बता रहे हैं कि ईरान के पास परमाणु बम नहीं है । । अमेरिका ने ही इसराइल से कहा कि यहूदियों का खत्मा करने के लिए ईरान ने परमाणु बम बना लिया है , यह कह कर उसने इजरायल को ईरान से भिड़ा दिया । अमेरिका के इस हमले के बाद रूस और चीन का क्या रवैया रहेगा,यह अभी स्पष्ट नही हुआ, हो सकता है कि यह खुल कर ईरान के साथ न आएं किंतु युद्ध सामग्री और तेजी से ईरान को उपलब्ध कराएंगे।ईरान की जरूरत के घातक हथियार उसे बेचेंगे।किंतु अगर ये खुलकर सामने आ गए तो तै है कि यह युद्ध तीसरे विश्व युद्ध में बदल सकता है। लगता है कि ट्रंप ने ईरान में हमला करके पूरे विश्व की शांति को खतरे में डाल दिया। इससे सारे मुस्लिम देश एक मोर्चे पर आ जाएंगे।उम्मीद है कि इस हमले के बाद यमन के मुस्लिम आंतकी संगठन अमेरिका के विरूद्ध एकजुट हो जाएंगे। अमेरिका ने रूस को तोड़ने के लिए ओसामा बिन लादेन जैसे आंतकी को इस्तमाल किया। उन्हें प्रश्य दिया ।अमेरिका के इराक पर हमले से लादेन नाराज हो गया।उसने अमेरिका के ट्रेड सैंटर पर हमला कर इसका बदला लिया। अब फिर मुस्लिम आंतकी संगठन एक हो अमेरिका के विरूद्ध खड़े हो जाएंगे। इस क्षेत्र में ईरान के सहयोगी मिलीशिया, जिनमें यमन में हूती, लेबनान में हिजबुल्ला और इराक के सशस्त्र समूह, लड़ाई में शामिल नहीं हुए हैं. पिछले दो साल में उनमें से कई गंभीर रूप से कमजोर हो गए हैं, फिर भी वे ईरानी सहयोगी लड़ाई में शामिल हो सकते हैं। इस्लामिक आंतकी संगठन हूति और लेबनान में हिजबुल्ला ने दक्षिण में एक महत्वपूर्ण तेल शिपिंग चैनल, रेड सी और बाब एल मंडेब जलडमरूमध्य पहले भी इस्त्राइल समर्थक कटेनर ले जाने वाले जहाज पर पहले भी हमला कर चुके हैं। अब ये जलडमरूमध्य को बंद करके या उसमें यातायात को बाधित करके वैश्विक तेल की कीमतों में तेजी जरूर पैदा कर सकते हैं, जो अब अमेरिकी हमले के बाद और ऊँची जाएगी। यहां से गुजरने वाले अमरिकी समर्थक देशों के शिपिंग कंटेनर पर ही नही और भी अमेरिकी समर्थक देशों पर हमले और बढ़ेंगे। जहां तक भारत का सवाल है , इसराइल और ईरान दोनों भारत के घनिष्ट मित्र हैं ।भारत का प्रयास होगा कि युद्ध रूके ।भारत रूस- यूक्रेन युद्ध के समय से ही कहता आ रहा है कि यह समय युद्ध का नही है। ट्रंप भी अब तक भारत के सबसे बड़े मित्रों में से एक थे ।लेकिन ट्रंप ने अपने स्वार्थों की खातिर भारत के दुश्मन पाकिस्तान से हाथ मिला लिया। पाकिस्तान से हाथ मिलाने का उसका मंतव्य भी स्पष्ट हो गया।

चिंतन-मनन

शाश्वत प्रेम अंतहीन है

प्रेम कितना ही होता जाए, अधूरा ही बना रहता है। वह परमात्मा जैसा है। कितना ही विकसित होता जाए, पूर्ण से पूर्णतर होता जाता है, फिर भी विकास जारी है। जैसे प्रेम का अधूरापन ही उसकी शाश्वतता है। ध्यान रखना कि जो चीज पूरी हो जाती है, वह मर जाती है। पूर्णता मृत्यु है; क्योंकि फिर बचा नहीं कुछ करने को, होने को कुछ बचा नहीं, आगे कोई गति न रही। जो चीज पूर्ण हो गयी, वह मर गयी। मर ही जायेगी, क्योंकि फिर क्या होगा? सिर्फ वही जी सकता है जो शाश्वत रूप से अपूर्ण है, अधूरा है, आधा है। तुम कितना ही भरो, वह अधूरा रहेगा। आधा होना उसका स्वभाव है। तुम कितने ही तृप्त होते जाओ, फिर भी पाओगे कि हर तृप्ति और अतृप्त कर जाती है। जितना पीते हो, उतनी ही प्यास बढ़ती चली जाती है। यह ऐसा जल नहीं है कि पी लो और तृप्त हो जाओ। यह प्यास को और जलाएगा। इसलिए प्रेमी कभी तृप्त नहीं होता। उसके आनंद का कोई अन्त नहीं है। क्योंकि आनंद का वहीं अन्त हो जाता है, जहां चीजें पूरी हो जाती हैं। कामी तृप्त हो सकता है, प्रेमी नहीं। काम का अन्त है, सीमा है; प्रेमी का कोई अन्त नहीं, कोई सीमा नहीं। प्रेम आदि-अनादि है। वह ठीक परमात्मा के स्वरूप का है। इस जगत में प्रेम परमात्मा का प्रतिनिधि है, समय की धारा में समयातीत का प्रवेश है, मनुष्य की दुनिया में अतिमानवीय किरण का आगमन है। प्रेम प्रतीक है यहां परमात्मा का और उसका स्वभाव परमात्मा जैसा है। परमात्मा कभी पूरा नहीं होगा, नहीं तो समाप्त हो जाएगा। उसकी पूर्णता बड़ी गहन अपूर्णता जैसी है। उपनिषद कहते हैं कि उस पूर्ण से पूर्ण को निकाल लो तो भी वह पूर्ण ही रहता है।

ज्ञान और शक्तियों की चैतन्य अवतार मातेश्वरी जगदम्बा सरस्वती

-डॉ. श्रीगोपाल नारसन

ज्ञान का प्रकाश जीवन को आलोकित करता है। परन्तु मानवता के इतिहास में ऐसे भी महान विभूति हुए हैं, जो स्वयं ज्ञान का प्रकाश बनकर इस संसार को इतना आलोकित कर देते हैं कि ज्ञान प्रतिमूर्ति के रूप में उनकी स्मृतियां युगों-युगों तक अज्ञानता के तिमिर का शमन करके ज्ञान के प्रकाश से मानव हृदय को आलोकित करती रहती हैं। उनकी उपमा के लिए उपयुक्त शब्द की सामर्थ्य सीमायें समाप्त हो जाती हैं। ऐसी ही भारतीय मनीषा की शिरोमणि प्रतिनिधि, ईश्वरीय ज्ञान की कालजयी अवतार, रूद्र-यज्ञ-रक्षक मातेश्वरी श्री जगदम्बा ने इस धरा पर युगान्तकारी परिवर्तन का संवाहक बनकर हजारों ब्रह्मावत्सों के मानस-पटल पर परमात्मा शिव के ईश्वरीय ज्ञान की जो अमिट छाप लगाई है, वह वर्तमान समय में भी लाखों मनुष्यात्माओं के जीवन को आलोकित कर रहा है। ज्योतिर्बिन्दु स्वरूप परमात्मा शिव स्वयं शरीर धारण नहीं कर सकते हैं परन्तु मातेश्वरी जगदम्बा के द्वारा परमात्मा ने इस संसार में ब्रह्मावत्सों तथा लाखों मनुष्यात्माओं को मातृत्व की सुखद आंचल की छत्रछाया की पालना देकर अपने ममतामयी स्वरूप को प्रकट किया। आध्यात्मिक ज्ञान और शक्तियों की चैतन्य दिव्य मूर्ति मातेश्वरी श्री जगदम्बा, कर्मयोग की ज्ञान-गंगा बहाकर आध्यात्मिक क्षेत्र में पुरूष प्रधान वर्चस्व के मिथक को तोड़कर सारे संसार को यह संदेश देने में सफल रही, कि आध्यात्मिक पुरूषार्थ और साधना के लिए त्याग, तपस्या और आत्म-अनुभूति ही यथार्थ सत्य है। लिंग-भेद और बाह्य पहचान का कोई महत्व नहीं है। मम्मा ने जिस समय आध्यात्मिक साधना द्वारा अज्ञानता में भटकते समस्त मानव के हृदय को ज्ञान के प्रकाश से आलोकित करने के पथ को चुना था, सन् 1936 का वह कालखण्ड एक नारी के लिए महान साहस भरा फैसला था, क्योंकि उस समय का पुरूष प्रधान समाज धर्म की सुरक्षा के नाम पर नारियों को घर के पर्दे के अंदर कैद करना ही अपना छद्म धर्म समझता था। श्री मातेश्वरी जी ने राजयोग की साधना और सहनशीलता से सारे संसार के सामने धर्म के सत्य मर्म को स्पष्ट किया कि आत्म-अनुभूति और परमात्म-अनुभूति से ही सत्य धर्म की स्थापना होती है, नारियों को पर्दे से ढककर नहीं। आध्यात्मिक साधना और ईश्वरीय ज्ञान द्वारा अज्ञानता में भटकती दुःखी और पीड़ित समस्त मानव जाति को जीवनमुक्ति प्रदान करने का मम्मा का क्रान्तिकारी फैसला मानवता के इतिहास को बदलने वाली एक महान घटना थी, क्योंकि इसने नारियों के लिए पूर्णतः निषेध कर दिए गए धर्म के प्रवेश-द्वार को नारियों के लिए खोल दिया। उन्होंने अपने दिव्य व्यक्तित्व के चुम्बकीय आकर्षण से हजारों नारियों को स्वयं परमपिता परमात्मा द्वारा इस सृष्टि के परिवर्तन के महान कार्य में निमित्त बनाकर जो नव-सृजन की राह दिखाई, वह वर्तमान में भी नारी-सत्ता द्वारा संचालित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के रूप में समस्त संसार को आलोकित कर रहा है। अविभाजित भारत में सन् 1919 में अमृतसर के एक सामान्य परिवार में जन्म लेकर पितृ-स्नेह से वंचित परन्तु आध्यात्म के शिखर को स्पर्श करने की मातेश्वरी श्री जगदम्बा की जीवन-यात्रा बहुत ही प्रेरक है। मातेश्वरी जी के समाधिस्थ होकर उच्चारित ओम् ध्वनि में आध्यात्मिक तरंगों का इतना शक्तिशाली प्रवाह होता था कि ओम् की धुनी लगाते ही पूरे वातावरण में गहन शान्ति छा जाती थी। इसके सम्पर्क में आने वाले लोग ध्यान की अवस्था में चले जाते थे। इसलिए मातेश्वरी जी ओम् श्री राधे के नाम से विख्यात हो गई। ओम् श्री राधे से यज्ञ माता के दिव्य व्यक्तित्व के रूप में महापरिवर्तन मातेश्वरी जी के वीणावादिनी सरस्वती के चैतन्य रूप में इस धरा पर साक्षात अवतरण की एक अद्भुत कहानी है। आपकी लौकिक माता से लेकर बच्चे, युवा, वृद्ध सभी आपको मम्मा के नाम से सम्बोधित करते थे और आपने भी यज्ञ माता की बेहद दृष्टि से व आध्यात्मिक ज्ञान से सर्व की पालना कर नारी सत्ता के आध्यात्मिक उत्थान की एक नई गौरव गाथा का सृजन कर दिया। मातेश्वरी जगदम्बा के पावन सान्निध्य से प्रेरित हो लाखों मनुष्यात्माओं द्वारा ज्योतिर्बिन्दु स्वरूप परमात्मा शिव के नई सतयुगी दुनिया की पुनर्स्थापना के महान परमात्म कार्य में स्वयं को समर्पण करने की घटना इतिहास में अन्यत्र कहीं नहीं मिलती है। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की आध्यात्मिक त्याग, तपस्या, धारणा और सेवा के क्षेत्र में पूरे विश्व में जो विशिष्ट पहचान है, वह मातेश्वरी श्री जगदम्बा के दिव्य व्यक्तित्व और आध्यात्मिक मार्गदर्शन का ही परिणाम है। मातेश्वरी जी के पावन सान्निध्य में पलने वाली आत्मायें अपने प्रखर साधना और तेजस्वी स्वरूप से वर्तमान समय में अज्ञान अंधकार में भटकती समस्त मानव जाति को परमात्म-अनुभूति की यथार्थ पहचान देकर उनके दिखाये गये साधना के पथ पर निरंतर अग्रसर हैं। आध्यात्मिक साधना के मार्ग में मन और बुद्धि को परमात्मा के ऊपर एक बार समर्पित करने के बाद साक्षीद्रष्टा बनकर ईश्वरीय सेवा में इनका प्रयोग करने के लिए महान आध्यात्मिक विवेक और निरंतर अशरीरी बनकर परमात्म-शक्तियों की अनुभूति करते रहने का पुरूषार्थ आवश्यक है। मातेश्वरी जगदम्बा ने सदा निराकर ज्योतिर्बिन्दु स्वरूप परमात्मा शिव द्वारा अपने साकार मानवीय माध्यम पिताश्री ब्रह्मा के माध्यम से दिये गये श्रीमत का तत्क्षण पालन किया। मातेश्वरी जी को मनमत और श्रीमत में अत्यंत सूक्ष्म अंतर को स्पष्ट समझने के लिए वरदानी दिव्य दृष्टि प्राप्त थी। यह शक्ति बहुत ही विरले साधकों को प्राप्त होती है। इस दिव्य दृष्टि के आधार से वे अपने सम्पर्क में आने वाली किसी भी मनुष्यात्मा के अन्दर छिपी हुई विशेषताओं को पहचानकर उसे पत्थर से तराशकर हीरा बना देती थी। वे ईश्वरीय ज्ञान और कर्मों के गुह्य रहस्य को सहज ढंग से स्पष्ट करने की कला में अत्यंत प्रवीण थी। इसके कारण ही उन्होंने स्वयं निर्माण और निर्मान चित्त बनकर सर्व मनुष्यात्माओं को साधना द्वारा साधक बनकर साधनों को निमित्त भाव से प्रयोग करने का महान पाठ पढ़ाया। मातेश्वरी जगदम्बा द्वारा अपने जीवन में किये गये कर्म योग का सफल प्रयोग, लाखों लोगों के लिए गृहस्थ जीवन में जीवन मुक्ति प्राप्त करने का सहज उदाहरण बना है। इससे मातेश्वरी जी ने संन्यास की परम्परागत अवधारणा को ही बदल दिया कि स्थूल कार्यों को न करने का संकल्प लेकर जंगल या पहाड़ की गुफाओं या कन्दराओं में जाकर बैठ जाना ही संन्यास और साधना नहीं है। बल्कि सच्ची साधना है- इस संसार में गृहस्थ जीवन जीना तथा सच्चा संन्यास है- मन और बुद्धि से पांच विकारों काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार का सम्पूर्ण परित्याग। इससे ही संसार में सामान्य जीवन व्यतीत करने वाले स्त्री/पुरूष को आध्यात्मिक जीवन जीने की प्रेरणा प्राप्त होती है।

क्या नरसंहार की इबारत लिखने वाले देश तय करेंगे कि परमाणु शस्त्र कौन रखे ?

इस्त्राईल -ईरान के बीच छिड़े आधुनिक युद्ध ने पूरे विश्व को स्तब्ध व चिंतित कर दिया है। इस्त्राईल गत कई वर्षों से ईरान को युद्ध में खींचने की पूरी कोशिश कर रहा था परन्तु ईरान सीधे युद्ध में कूदने से बचता आ रहा था। परन्तु गत 13 जून को इस्त्राईल ने ईरान पर एक बड़ा हवाई हमला कर दिया। इस हमले के कुछ ही समय बाद इस्त्राईली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने अपने एक टी वी प्रसारण में इस हमले को उचित ठहराते हुये ईरान पर परमाणु बम बनाने का प्रयास करने का आरोप लगाया और अपनी चिंता दोहराई कि ईरान का परमाणु बम इस्त्राईल को नष्ट कर सकता है। इस्त्राईल ने ईरान के कई परमाणु वैज्ञानिक और शीर्ष सेना कमांडर भी मार दिये। इस्त्राईल ने 13 जून को ईरान पर हमला उस समय किया जबकि दो दिन बाद ही यानी 15 जून को ईरान और अमरीका के मध्य परमाणु समझौता होने की तारीख तय थी और यह समझौता किसी निष्कर्ष पर पहुँचने की उम्मीद भी की जा रही थी। परन्तु इस्त्राईल ने समझौते के पहले ही हमला कर ईरान को बड़ा धोका दे दिया। इस्त्राईली हमले के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी यह कहकर सबको चौंका दिया कि उन्हें इस हमले की पहले से जानकारी थी और इस हमले में कई ईरानी कट्टरपंथी (परमाणु वातार्कार) मारे गए हैं। उन्होंने ईरान को चेतावनी दी कि अगर वह समझौता नहीं करता, तो और बड़े हमले झेलने पड़ सकते हैं। यही नहीं बल्कि ट्रंप ने इस्त्राईल की पीठ थपथपाते हुये इस्त्राईली हमलों को शानदार बताया और कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने की इच्छा छोड़नी होगी। साथ ही ट्रंप ने अमेरिका को इस्त्राईल का सबसे बड़ा सहयोगी भी बताया। साफ है ईरान पर इस्त्राईल द्वारा धोखे से किये गये इस हमले का अमेरिका भी बराबर का साझीदार है।

अब जरा 2003 के उस दौर को भी याद कीजिये जब इराक में सद्दाम हुसैन के शासनकाल में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश प्रशासन, ने यह दावा किया था कि सद्दाम हुसैन के पास रासायनिक, जैविक और संभवतः परमाणु हथियार भी हैं जो वैश्विक सुरक्षा के लिए खतरा हो सकते हैं। यह दावा खुफिया जानकारी पर आधारित बताया गया था। इसी खुफिया जानकारी को बहाना बनाकर अमेरिका ने ऑपरेशन इराकी फ़्रीडम के नाम से इराक पर बड़ी सैन्य कार्रवाई की और इराक को तबाह कर के छोड़ा। यहाँ तक कि स्थानीय अदालत का गठन कर सद्दाम हुसैन को फांसी पर चढ़ा दिया। इराक में सत्ता परिवर्तन के बाद वहां रासायनिक, जैविक और सामूहिक विनाश के हथियार होने की जानकारी गलत साबित हुई। वहां ऐसे हथियार होने के कोई सबूत नहीं मिले। जगजाहिर है कि अमेरिका द्वारा इराक पर सैन्य कार्रवाई वहां के तेल संसाधनों पर नियंत्रण और मध्य पूर्व में अमेरीकी सामरिक प्रभाव बढ़ाने की इच्छा के तहत की गयी । इराक की तबाही व सत्ता परिवर्तन के बाद अमेरिका ने यह तर्क भी दिया था कि सद्दाम हुसैन का तानाशाही शासन इराकी जनता और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए हानिकारक था। बहरहाल आज वही अमेरिका जिसने केवल इराक ही तबाह करने की कोशिश नहीं की बल्कि वह जापान पर 6 और 9 अगस्त 1945 को परमाणु बम गिराने का भी गुनहगार है.वह अमेरिका जो कोरिया, ग्वाटेमाला, इंडोनेशिया,क्यूबा,कांगो,लाओस,वियतनाम,कंबोडिया, ग्रेनेडा,लेबनान,सीरिया,लीबिया,अल साल्वाडोर,निकारागुआ,ईरान(1987) पानामा, इराक, कुवैत, सोमालिया,बोस्निया,सूडान,अफगानिस्तान,योगोस्लाविया जैसे देशों पर हमले करने व वहां की सत्ता को अस्थिर करने का जिम्मेदार हो, क्या वह अमेरिका तय करेगा कि किस देश को परमाणु शस्त्र रखना चाहिए और किसे नहीं या फिर फिलिस्तीन की जमीन पर अमेरिका ब्रिटेन की शह पर कब्जा जमाये बैठा वह अवैध देश इस्त्राईल जिसपर गजा में लगभग 82,000 लोगों को मारने व लगभग 20 लाख लोगों को बेघर कर क्षेत्र में मानवीय संकट खड़ा का आरोप है वह तय करेगा कि परमाणु शस्त्र किसे रखना चाहिए और किसे नहीं जो देश स्वयं पूरे विश्व में अस्थिरता फैलाने,क्षेत्रीय संघर्ष भड़काने,शस्त्रों के व्यवसाय तथा तेल जैसी सम्पदा पर गिद्ध दृष्टि रखते हों पड़ोसी देशों में फूट डलवाकर युद्ध भड़काना ही जिनका वयवसाय बन चुका हो वह देश कैसे निर्धारित कर सकते हैं कि परमाणु शस्त्र किसे रखना चाहिये किसे नहीं आज विश्व में जिनदेशों के पास परमाणु शस्त्र हैं उनमें सबसे बड़ा जखीरा संयुक्त राज्य अमेरिका के पास है। इसके अतिरिक्त रूस,चीन,फ़्रांस, यूके (ब्रिटेन), इस्त्राईल,उत्तर कोरिया,भारत व पाकिस्तान जैसे देश भी परमाणु शस्त्र धारक देशों में गिने जाते हैं। बावजूद इसके कि ईरान अभी तक यह कहता आया है कि उसके द्वारा किया जा रहा परमाणु संवर्धन उसकी ऊर्जा सम्बन्धी जरूरतों को पूरा करने जैसे शांतिपूर्ण कार्यों के लिये है। फिर भी यह क्यों जरूरी नहीं कि मानवता का सबसे बड़ा हत्यारा देश इजराईल जो भूखे,निहत्थे बच्चों व बुजुर्गों औरतों का लगातार नरसंहार करता आ रहा,जो अपनी सैन्य शक्ति और अमेरिका की शह के बल पर अपने कब्जे की जमीन का लगातार विस्तार करता जा रहा हो जो उसे पनाह देने वाले देश फिलिस्तीन के लोगों को ही उनकी मातृभूमि से बेदखल करने की साजिश रच रहा हो,जो अमरीका के इशारे पर पूरे मध्य एशिया में फूट डालने वाली राजनीति कर रहा हो आखिर क्षेत्रीय संतुलन बनाने के लिये उसके सामने ईरान जैसे देश का डटकर खड़ा होना जरूरी क्यों नहीं क्या इस पूरे मध्य क्षेत्र को अमेरिका इस्त्राईल के रहम-ो-करम पर जीने के लिये छोड़ देना चाहिये ताकि जब चाहें और जिस देश को चाहें गजा,यमन व लेबनान बना सकें निश्चित रूप से युद्ध से बुरी कोई स्थिति नहीं होती। हमेशा इस त्रासदी का शिकार बेकुसूर महिलाएं,बच्चे व बुजुर्ग होते आये हैं। युद्ध से मानवता आहात होती है। सही मायने में तो पूरे विश्व को ही न केवल परमाणु शस्त्र मुक्त बल्कि पूरा विश्व निःशस्त्र भी होना चाहिये। परन्तु अमेरिका इजराईल जैसे देशों द्वारा जब अपनी ताकत का दुरूपयोग दशकों से किया जाता रहा हो और यह सिलसिला लगातार बढ़ता जा रहा हो ऐसे में इन्हें वाक ओवर देने के बजाये इनके सामने अपने स्वाभिमान के लिये संकल्पबद्ध होकर खड़े होना कौन सा जुर्म है अमेरिका व इस्त्राईल के सामने ईरान के सिर उठाकर खड़े होने जैसे फौलादी इरादों की आज दुनिया सराहना कर रही है। परन्तु यह देश आज कभी ईरान के निष्कासित रजा शाह पहलवी के पुत्र के काँधे पर सवार होकर तो कभी भीतरी फूट डालकर कभी मोसाद का इस्तेमाल कर ईरान को अस्थिर करने की पुरजोर कोशिश में लगा है। इनकी गिद्ध दृष्टि इस बात पर टिकी है कि किसी तरह वर्तमान संकल्पवान व स्वाभिमानी ईरानी सत्ता को बेदखल कर अपनी पिट्ठू सरकार बनाई जाये और ईरान को अस्थिर कर यहाँ भी मनमर्जी से तेल दोहन किया जा सके। परन्तु शहादत को अपना आभूषण समझने व दास्तान ए करबला से प्रेरणा लेना वाला यह देश अमेरिका व इजराईल की घुड़कियों को कुछ भी नहीं समझ रहा।

तन और मन, जीवन में सफलता के साथ आनंदमय जीवन जीने का भी सूत्र है

-एडवोकेट किशन

सृष्टि के अनमोल हीरे मानव प्रजाति में उसकी रचना करने वाले ने अदभुत गुणों की खान सृजित की है बस!! हमें अपनीं अनमोल कुशाग्र बुद्धि से उसे पहचान कर अपने जीवन में ढालना है, तो फिर हर कोई कहेगा देखो क्या खूबसूरत सुखी जिंदगी है!! अपने आप में, परिवार, मोहल्ले, समाज में ही हम सतयुग का माहौल बना कर अति सुख चैन से अपने जीवन के अनमोल क्षणों को बिता सकते हैं साथियों, अनेक गुणों में से एक गुण संकल्प शक्ति जिसका मन और स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव पर चर्चा हम आर्टिकल के माध्यम से करेंगे साथियों बात अगर हम अपने इस मानव शरीर की करें तो मन स्वस्थ है तो तन स्वस्थ है मन का संकल्प मनुष्य की आंतरिक शक्ति है। मानव शरीर यदि रथ के समान है तो यह मन उसका चालक है। मनुष्य के शरीर की असली शक्ति उसका मन है। मन के अभाव में शरीर का कोई मूल्य ही नहीं है। मन ही वह प्रेरक शक्ति है जो मनुष्य से बड़े-बड़े काम करवा लेती है। यदि मन में दुर्बलता का भाव आ जाए तो शक्तिशाली शरीर और विभिन्न प्रकार के साधन भी व्यर्थ हो जाते हैं। मन बहुत बलवान है। शरीर की सब क्रियाएं मन पर निर्भर करती है । यदि मन में शक्ति, उत्साह और उमंग है तो शरीर भी तेजी से कार्य करता है। अतः व्यक्ति की हार जीत उसके मन की दुर्बलता सबलता पर निर्भर है। साथियों शारीरिक दृष्टि से दुर्बल एवं हीन होते हुए भी दृढ़ निश्चयी व्यक्ति ऐसे-ऐसे कार्य कर जाया करते हैं कि उनकी असाधारणता पर विस्मय-विभोर होकर रह जाना पड़ता है!! सामान्यतः साधारण प्रतीत होने वाले व्यक्ति भी अपनी संकल्प शक्ति के बल से भयावह तूफानों तक का मुँह मोड़ देने में सफल हो जाया करते हैं। मनोविज्ञान का मानना है कि वनस्पति जाग्रत रहती है पशु सोते है पत्थर में भी चेतना सोती है और मनुष्य विचार चिन्तन करता है इसलिए यह इन अन्य सजीवों तथा निर्जीवों से भिन्न हैं। चिन्तन एवं मनन करना इन्सान की विशेषता है जिनका सीधा सम्बन्ध मन से होता है। साथियों संकल्प शक्ति का प्रयोग किए बिना व्यक्ति कोशिश किए बिना ही पहले ही हार स्वीकार कर लेते हैं । धीरे-धीरे उनमें यह भावना बैठ जाती है कि वे कभी भी जीत नहीं सकते हैं । वहीं दूसरी ओर सफल व्यक्ति हमेशा आशावादी व कर्मवीर होते हैं । वे जीत के लिए हमेशा प्रयास करते हैं ।जब तक हमारा मन शिथिल है तब तक हम कुछ भी नहीं कर सकते। मनुष्य का जीवन खेल के मैदान के समान है। यहाँ हर व्यक्ति खिलाड़ी है। खेल में विजय प्राप्त करने के लिए खिलाड़ी को चुस्त और तंदुरुस्त होने के साथ-साथ अपने-आप पर भरोसा भी होना चाहिए। जिसका मन मजबूत होता है, वही सच्चे अर्थों में तंदुरुस्त और अपने-आप पर भरोसा रखनेवाला होता है। साथियों बात अगर हम मन के बारे में ऐतिहासिक कबीर श्लोकों की करें तो मन के हारे हार है, मन के जीते जीत। कहे कबीर हरि पाइए मन ही की परतीत।। अर्थात- जीवन में जय और पराजय केवल मन के भाव हैं। यानी जब हम किसी कार्य के शुरू में ही हार मान लेते हैं कि हम सचमुच में ही हार जाते हैं। लेकिन अपनी मंजिल के लिए जब जूझते हैं, बार-बार गिर कर खड़े होते हैं तो हमारा आत्मविश्वास कई गुना बढ़ जाता है। इसके बाद जब मंजिल मिलती है, तो उसकी खुशी कई गुना होती है।

आज का राशिफल

मेष छोटे-मोटे पार्ट-टाइम व्यवसायों में निवेश करने की सोच बन सकती है।

तुला शुक्र की स्थिति के कारण आप आर्थिक रूप से थोड़ा असंतुलित अनुभव कर सकते हैं।

वृषभ आज पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा और शुभ कार्यों की योजना पर विचार हो सकता है।

वृश्चिक मंगलमय समाचार मिलने की संभावना है। व्यापार में तनावपूर्ण स्थितियों से राहत मिलेगी।

मिथुन आज करियर में तेजी से प्रगति के योग हैं। आपकी अप्रत्याशित सफलता से न केवल लोग चकित होंगे।

धनु यदि आप किसी बड़े क्लाइंट से डील फाइनल करना चाहते हैं तो यह समय अनुकूल है।

कर्क परिवार से जुड़ी जिम्मेदारियों में व्यतीत होगा, साथ ही कार्यक्षेत्र में नए प्रस्ताव मिल सकते हैं।

मकर धार्मिक गतिविधियों से युक्त रहेगा, जिससे मन को शांति और नए अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह आज कार्यक्षेत्र में अनियमितता और अस्थिरता की स्थिति बनी रह सकती है।

कुंभ टेक्नोलॉजी आधारित व्यवसाय में हैं, तो बड़ा कदम उठाया जा सकता है।

कन्या सूर्य की स्थिति के कारण सरकारी या प्रशासनिक मामलों में थोड़ी रुकावट आ सकती है।

मीन बृहस्पति की स्थिति से शिक्षा, प्रशिक्षण, और गहराई से ज्ञान प्राप्ति के अवसर मिलेंगे।

विशेष

कहां है आठवां वेतन आयोग, आपदा में अवसर का प्रयोग सफल रहा

केंद्र सरकार ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के पहले आठवें वेतन आयोग की घोषणा की थी। दिल्ली में सबसे ज्यादा केंद्र और राज्य सरकार के अधिकारी और कर्मचारी हैं। आठवें वेतन आयोग की घोषणा के बाद दिल्ली की हवा बदली। भाजपा ने दिल्ली विधानसभा का चुनाव आठवें वेतन आयोग की घोषणा करके जीत लिया। दिल्ली में भाजपा की सरकार भी बन गई। जनवरी माह में की गई घोषणा अभी तक अमल में नहीं लाई गई। केंद्र सरकार ने अब इस मामले में चुप्पी साध ली है। जिसके कारण अब केंद्र सरकार और राज्य सरकार के कर्मचारियों में नाराजी देखने को मिल रही है। केंद्र सरकार उन्हें इस तरह से ठगेगी, पढ़े-लिखे अधिकारियों और कर्मचारियों ने यह सोचा भी नहीं था।

ट्रंप और मोदी का केर-बेर का साथ

सम्मेलन के लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कनाडा के अल्बर्टा पहुंचे। सिंदूर ऑपरेशन के बाद जिस तरह से ट्रंप, भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्ता कराने का दावा कर रहे थे। जिसके कारण मोदी सरकार की मुसीबतें भारत में बढ रही थी। मोदी को भरोसा था, वह अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात करेंगे। इस मुलाकात में वह सीजफायर और भारत-पाकिस्तान के संबंधों को लेकर डोनाल्ड ट्रंप से चर्चा करेंगे। दोस्ती का वास्ता देकर अपनी मुसीबतों को कम करेंगे। अमेरिका और पाकिस्तान के रिश्तों को लेकर वह भारत की नाराजी बताएंगे।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1793 फ्रांस में पहला रिपब्लिकन संविधान स्वीकार किया गया. 1869 भारत के प्रथम प्रधानमंत्री दामोदर हरि चापेकर का जन्म हुआ. 1894 फ्रांस के राष्ट्रपति एम.एफ. सादी कार्नोट की हत्या लियोन में हुई. 1931 सोवियत संघ और अफगानिस्तान में संधि हुई. 1948 सोवियत संघ ने बर्लिन की नाकेबंदी की. 1960 यूनान यूगोस्लाविया और तुर्की ने बाल्कन संधि प्राप्त की थी. 1961 भारत में निर्मित प्रथम सुपरसानिक लड़ाकू विमान एच.एफ.ने पहली बार उड़ान भरी. 1963 राष्ट्रीय टेलेक्स सेवा की शुरूआत हुई . 1970 यमन के राष्ट्रपति अहमद हुसैन हाशमी की हत्या हुई. 1975 ईस्टर्न एयर लाइन्स 727 जेट विमान अमेरिका में तूफान की वजह से दुर्घटनाग्रस्त 113 लोगों की मृत्यु. 1980 पूर्व राष्ट्रपति वी.वी. गिरि का निधन हुआ.

दैनिक पंचांग

24 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.56 बजे से
चंद्र	वृष में	सिंह	09.12 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	11.24 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	13.35 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	15.50 ब.से
शुक्र	मेष में	धनु	18.06 बजे से
शनि	मीन में	मकर	20.11 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	21.57 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	23.30 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		मेष	01.01 बजे से
		वृष	02.41 बजे से
		मिथुन	04.39 बजे से

मंगलवार 2025 वर्ष का 175 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ)
पक्ष कृष्ण
तिथि चतुर्दशी 19.00 बजे को समाप्त।
नक्षत्र रोहिणी 12.54 बजे को समाप्त।
योग शूल 09.36 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 08.34 बजे तदनन्तर शकुनि 19.00 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 25'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872385
जूलियन दिन 2460850.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिल्हेज **तारीख** 27
विशेष रोहिणी व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

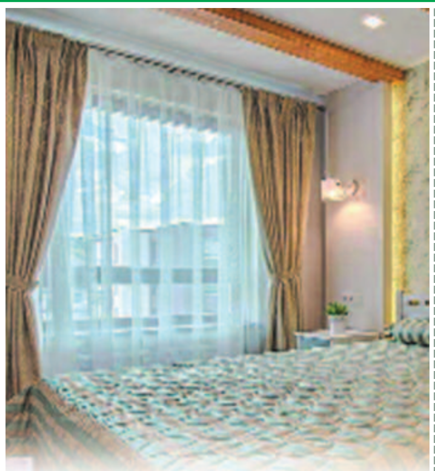

घर की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए ऐसे सजाएं खिड़कियां

घर की खूबसूरती बढ़ाने के लिए हम सभी चीजों की सजावट करते हैं लेकिन कई लोग खिड़की पर ज्यादा ध्यान नहीं देते हैं। खिड़कियां की साफ- सफाई के साथ इसकी सजावट करना भी काफी ज्यादा जरूरी हैं। अगर आप भी खिड़कियां की सजावट करना चाहती हैं तो हम आपको बताएंगे कि आप इसकी सजावट कैसे कर सकती हैं।

खिड़कियां की सजावट करने से पहले आपको उसे अच्छे तरीके से साफ करना होगा। अगर आप अपने खिड़कियों की सजावट सही तरीके से करना चाहती हैं तो आपको खिड़की पर लगी धूल को साफ करना होगा। धूल निकालने के बाद आप इसे अच्छे तरीके से सजा सकती हैं।

स्टफ टॉयज का करें इस्तेमाल

अपनी खिड़की को सजाने के लिए आप चाहे तो स्टफ टॉयज का इस्तेमाल कर सकती हैं। अगर आपके खिड़की पर जगह है तो आपको उस पर स्टफ टॉयज रखना होगा। स्टफ टॉयज देखने में काफी ज्यादा खूबसूरत लगता है।

पौधे से करें सजावट

खिड़कियां अगर बड़ी है तो आपको अपने घर की खिड़कियों को सजाने के लिए हैंगिंग प्लांट्स का इस्तेमाल करना चाहिए। इसकी मदद से आप अपने घर के खिड़कियों की मिनटों में सजावट कर सकती हैं। यह काफी ज्यादा खूबसूरत लगेगा।

कर्टेन सही चुनें

कर्टेन आपके घर की खिड़कियों की रौनक को बढ़ा सकता है। ऐसे में आपको अपने घर के खिड़कियों की सजावट करने के लिए लाइट कलर के कर्टेन लगाने होंगे। इसकी मदद से आप आसानी से अपने घर के खिड़कियों को सजा सकती हैं।

बरसात के मौसम में घर के फर्नीचर को सेफ रखने के लिए अपनाएं ये टिप्स

बारिश का मौसम अपने साथ तरह-तरह की परेशानियां लेकर ही आता है। रोड पर जलजमाव के कारण कहीं आने-जाने में दिक्कत से लेकर घर की साफ-सफाई तक हर कुछ में इस दौरान समस्याएं बढ़ जाती है। ऐसा ही एक दिक्कत घर में मौजूद फर्नीचर के साथ भी होता है। दरअसल, बरसात के दिनों में लकड़ी के फर्नीचर में भी नमी आ जाती है। यही नहीं, इसके कारण सड़न और दीमक लगने की भी संभावनाएं काफी बढ़ जाती है, लेकिन आपको अब ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं है। हम आज एक्सपर्ट के बताए कुछ आसान से टिप्स बताने वाले हैं, जिसे फॉलो करके आप अपने काम को आसान बना सकते हैं।

फर्नीचर को ढक कर रखें

अगर यह खिड़की या बालकनी के पास रखी है तो आप अपने फर्नीचर ढक कर रख सकते हैं। इसके लिए प्लास्टिक शीट या वाटरप्रूफ कवर का इस्तेमाल कर सकते हैं। ऐसा करने से आप अपने फर्नीचर को पानी और नमी से बचा सकते हैं। इसके अलावा, सोफों और कुर्सियों को फैब्रिक कवर से भी आप ढक सकते हैं।

अपने फर्नीचर को धूप में सुखाएं

फर्नीचर में नमी को बनने से रोकने के लिए संभव हो तो इसे धूप में जरूर सुखाएं। इससे पानी का असर फर्नीचर पर नहीं होगा और न ही इसमें दीमक आदि लगने की स्थिति बन पाएगी।

लकड़ी के फर्नीचर को पेंट या पॉलिश करें

पानी और नमी से फर्नीचर को बचाने के लिए आप एक सुरक्षात्मक परत बना सकते हैं। इससे फर्नीचर की चमक बरकरार रहेगी ही। साथ ही, बरसात में ये खराब होने से भी बच सकते हैं।

फर्नीचर को दीवारों से दूर रखें

नम दीवारों से फर्नीचर में नमी आ सकती है। ऐसे में फर्नीचर और दीवारों के बीच थोड़ा गैप रखना जरूरी है। इसके अलावा, नमी के स्तर को कम करने और लकड़ी के फर्नीचर को सुरक्षित रखने के लिए कमरे में डीह्यूमिडिफायर का उपयोग कर सकते हैं।

रबर पैड का करें इस्तेमाल

गंदे और गीले फर्श के साथ सीधे संपर्क में आने से फर्नीचर पर भी बुरा असर पड़ता है। ऐसे में आप अपने फर्नीचर को सुरक्षित रखने के लिए पैरों के नीचे रबर पैड लगा सकते हैं।

फर्नीचर को कैसे रखें साफ?

- धूल और गंदगी को जमा होने से रोकने के लिए अपने फर्नीचर को नियमित रूप से साफ करते रहें।
- इसपर कवर, कोस्टर या पैड को बिछाकर रखें।
- अपने फर्नीचर को सीधे धूप से बचाएं।
- लकड़ी के फर्नीचर को महीने में एक बार घरेलू तरीके से जरूर पॉलिश करें।
- कपड़े के फर्नीचर को वैक्यूम क्लीनर से साफ करते रहें।

बिना खर्च किए इस तरीके से बनाएं फर्नीचर क्लीनिंग स्प्रे

महंगे फर्नीचर की खास केयर की जरूरत होती है। इसके लिए बाजार में आपको यूं तो कई सारे प्रोडक्ट मिल जाएंगे। पर, आप चाहें तो केमिकल मुक्त घर पर ही क्लीनिंग स्प्रे तैयार कर सकती हैं।

फर्नीचर क्लीनर स्प्रे बनाने की सामग्री

1 कप सफेद सिरका, 2 कप पानी
2 चम्मच नींबू का रस
1 बड़ा चम्मच ऑलिव ऑयल, स्प्रे बोतल

घर पर फर्नीचर क्लीनर कैसे बनाएं?

- फर्नीचर क्लीनर तैयार करने के लिए सबसे पहले एक स्प्रे बोतल में सफेद सिरका और पानी डालें। आप चाहें तो सिरके की जगह नींबू का रस भी डाल सकती हैं।
- अब इसमें 1 बड़ा चम्मच ऑलिव ऑयल डालें। यह आपके फर्नीचर पर पॉलिश का काम करेगा।
- इसके बाद, बोतल को अच्छी तरह हिलाएं।
- बस लीजिए, आपका फर्नीचर क्लीनिंग स्प्रे तैयार है।
- फर्नीचर क्लीनर का कैसे करें इस्तेमाल?
- स्प्रे बोतल को अच्छी तरह से हिलाकर मिक्स कर लें।
- इसके बाद, एक मुलायम कपड़े को इस स्प्रे से गीला करें।
- फर्नीचर की सतह को अच्छी तरह पोंछ लें।
- अगर दाग एक बार में न मिटे, तो इसे फिर से दोहराएं।
- आप इस स्प्रे को लकड़ी, प्लास्टिक, धातु और कांच सहित विभिन्न प्रकार के फर्नीचर पर उपयोग कर सकते हैं।

फर्नीचर स्प्रे बनाते वक्त इन बातों का रखें ध्यान

- यदि आप एक स्ट्रॉन्ग क्लीनर चाहते हैं, तो आप सिरके की मात्रा को 1/2 कप तक बढ़ा सकते हैं।
- स्प्रे को सुगंधित बनाने के लिए आप नींबू का रस या चंदन के तेल की मात्रा को 20 बूंद तक डाल सकते हैं।
- यदि आप एक चमकदार फिनिशिंग चाहते हैं, तो ऑलिव ऑयल की मात्रा को भी 2 बड़े चम्मच तक बढ़ा सकते हैं।
- बच्चों और पालतू जानवरों की पहुंच से दूर रखें।

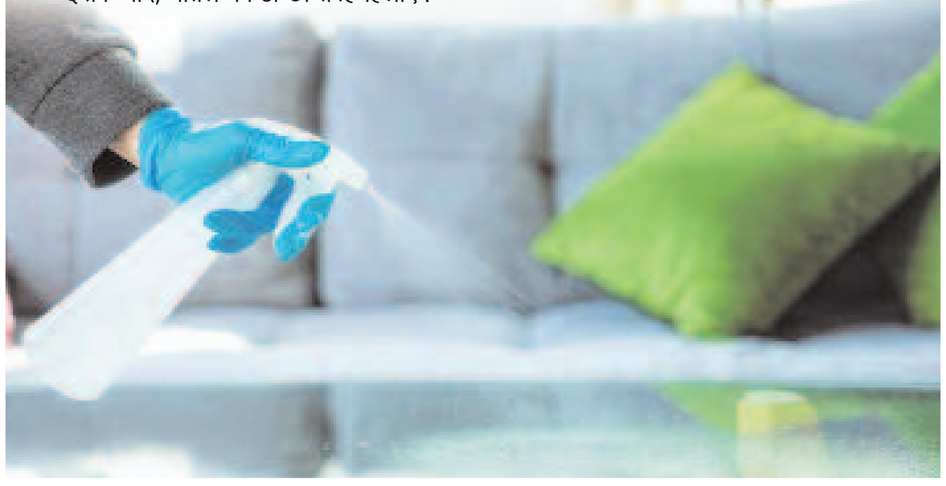

इन्वर्टर की बैटरी खरीदने से पहले इन बातों का रखें ध्यान वर्षों तक नहीं होगी खराब

अगर आप भी घर के लिए इन्वर्टर की बैटरी खरीदने जा रहे हैं तो उससे पहले इन बातों का ज़रूर ध्यान रखें।
दिन या रात में जब बिजली जाती है तो सबसे पहले ध्यान इन्वर्टर की तरफ जाता है। अगर इन्वर्टर ठीक है तो कई बात नहीं, लेकिन इन्वर्टर की बैटरी डाउन या ख़राब होती है तो अंधेरे में रहना पड़ता है। इसलिए इन्वर्टर की बैटरी सही खरीदना चाहिए। अगर आप भी इन्वर्टर के लिए बैटरी खरीदने जा रहे हैं और यह तय नहीं कर पा रहे हैं कि इन्वर्टर के लिए बैटरी कैसी होना चाहिए।

बैटरी लेने से पहले रखें इन बातों का ध्यान

- इन्वर्टर के लिए बैटरी लेना कोइबदी बात नहीं है, लेकिन बैटरी लेने से पहले आपको कुछ बातों का ध्यान देने की ज़रूरत है।
- सबसे पहले आपको यह तय करना है कि आपको कितने घंटे के लिए बैकअप चाहिए।
- आपके घर में लाइट कितनी बार जाती है और कितने देर के लिए जाती है। इसका पूरा अनुमान सेट करके आप आसानी से अच्छी बैटरी खरीद सकते हैं।
- जैसे-पूरे 24 घंटे में लगभग 3 घंटे के लिए बिजली जाती है उसके हिसाब से आप 75-80Ah (एंपीयर/आर) पावर वाली बैटरी खरीद सकते हैं।
- अगर इससे कम या इससे अधिक समय के लिए बिजली जाती है तो आप समय के अनुसार एंपीयर/आर) पावर वाली बैटरी खरीद सकते हैं।

अच्छी बैटरी कैसे सेलेक्ट करें?

मार्केट में मौजूद इन्वर्टर बैटरियों में अच्छी बैटरी कैसे पहचाने ये बड़ा ही सवाल होता है। अगर आप भी इस सवाल में उलझे हुए कि अच्छी बैटरी कैसे सेलेक्ट करें तो फिर आपको कुछ टिप्स को फ़ॉलो करें की ज़रूरत है। जैसे-

- आपको बता दें कि मार्केट में लगभग 3 तरह की बैटरी सबसे अधिक चलती है। फ़्लैट बैटरी, नॉर्मल बैटरी और ट्यूबलर बैटरी अधिक चलती है।
- कई लोगों का मानना है कि ये तीनों बैटरी ही अपने स्थान पर है, लेकिन लॉन्ग लाइफ के लिए ट्यूबलर बैटरी अच्छी मानी जाती है। ट्यूबलर बैटरी अधिक समय तक चलती और कम समय में चार्ज भी हो जाती है। इसलिए आप आपने घर के लिए ट्यूबलर बैटरी खरीद सकते हैं।

फ़्लैट बैटरी और नॉर्मल बैटरी कैसी होती है?

यह तो आपको मालूम हो चुका होगा कि इन तीनों बैटरी में से ट्यूबलर बैटरी अच्छी होती है, लेकिन कई लोग फ़्लैट बैटरी और नॉर्मल भी खरीद लेते हैं। ऐसे में इन दोनों बैटरी के बारे में आप भी जन लीजिए। कहा जाता है कि फ़्लैट बैटरी और नॉर्मल बैटरी में कई बार हीटिंग की समस्या होती है जिसके कारण वो जल्दी ख़राब भी हो जाती है। फ़्लैट बैटरी और नॉर्मल बैटरी अधिक समय तक नहीं चलती हैं और कई बार जल्दी ख़राब भी हो जाती हैं। इन दोनों बैटरी के साथ बैकअप की भी समस्या रहती हैं।

इन्वर्टर बैटरी की वारंटी और सर्विस चेक करें

इन्वर्टर बैटरी सेलेक्ट करने के बाद बैटरी की वारंटी देखना बहुत ज़रूरी होता है। कई बैटरी की वारंटी 1 साल या फिर 2 तक तक ही होती है, लेकिन अगर आप घर के लिए बैटरी खरीद रहे हैं तो कम से कम 5-7 साल तक की वारंटी वाली ही बैटरी खरीदें। इसके वाला सर्विस के बारे में भी चेक करना बहुत ज़रूरी है। जी हां, वारंटी के साथ सर्विस के बारे में भी ध्यान रखना बहुत ज़रूरी है। अगर बैटरी किसी वजह से ख़राब होती है और कंपनी फ्री मेंटेनेंस करती है। इसलिए इन्वर्टर के लिए बैटरी लेते समय वारंटी और सर्विस ज़रूर चेक करें।

बच्चों के लिए घरेलू आइटम्स की मदद से बनाएं स्टेशनरी आर्गेनाइजर

बच्चों की स्टेशनरी अक्सर इधर-उधर फैली रहती है। ऐसे में उसे आर्गेनाइज करने के लिए स्टेशनरी आर्गेनाइजर की मदद ली जा सकती है। आप इसे खुद घरेलू आइटम्स की मदद से तैयार कर सकते हैं।

स्टेशनरी एक ऐसी चीज है, जो लगभग हर घर में होती ही है। जिन घरों में बच्चे होते हैं, वहां तो अक्सर पेन, पेंसिल या कलर आदि अक्सर इधर-उधर रखे हुए नजर आते हैं। अमूमन घरों में मम्मी ही स्टेशनरी को उठाकर बार-बार रखती रहती है। अगर आपके घर में भी ऐसा होता है तो सबसे अच्छा तरीका है कि आप स्टेशनरी आर्गेनाइजर का इस्तेमाल करें। स्टेशनरी आर्गेनाइजर की मदद से सभी तरह की स्टेशनरी को एक जगह आसानी से आर्गेनाइज करके रखा जा सकता है। यूं तो आपको मार्केट में कई तरह के अलग-अलग स्टेशनरी आर्गेनाइजर आसानी से मिल जाएंगे। लेकिन अगर आप चाहें तो इसे घर पर पुरानी आइटम्स की मदद से भी बेहद आसानी से बना सकते हैं। घर पर स्टेशनरी आर्गेनाइजर बनाना ना केवल बजट फ्रेंडली है, बल्कि आप खुद ही एक यूनिक डिजाइन व साइज का स्टेशनरी आर्गेनाइजर बनाकर तैयार कर सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बच्चों के लिए घरेलू आइटम्स की मदद से स्टेशनरी आर्गेनाइजर बनाने के तरीके के बारे में बता रहे हैं-

कार्डबोर्ड से बनाएं स्टेशनरी आर्गेनाइजर

- अगर आपके पास पुराने जूते के डिब्बे या कार्डबोर्ड हैं, तो आप उससे स्टेशनरी आर्गेनाइजर बना सकते हैं। आर्गेनाइजर बनाने के लिए कार्डबोर्ड बॉक्स को मनचाहे आकार में काटें। आप आर्गेनाइजर के अलग-अलग सेक्शन बनाने के लिए कार्डबोर्ड को नापकर काट लें।
- अब ग्लू या टेप का उपयोग करके उन्हें चिपका लें। सुनिश्चित करें कि वे मज़बूती से जुड़े हुए हैं। आप तैयार आर्गेनाइजर को डेकोरेटिव पेपर से ढक दें या फिर आप उन्हें पेंट भी कर सकते हैं। अब इसे सूखने दें और फिर तैयार आर्गेनाइजर में स्टेशनरी आइटम को अंदर रखें। पुरानी चीजों को इस्तेमाल करने का आसान तरीका है।

मेसन जार की मदद से बनाएं आर्गेनाइजर

- मेसन जार की मदद से भी स्टेशनरी आर्गेनाइजर तैयार किया जा सकता है। आप अलग-अलग मेसन जार को बतौर आर्गेनाइजर इस्तेमाल करें। इसके लिए आप मेसन जार लें। फिर उसे पेंट करें और सूखने दें। एक जार में सारी स्टेशनरी आर्गेनाइज करना संभव नहीं है, इसलिए आप अलग-अलग मेसन जार को पेंट करें।
- अब आप हर जार में लेबल लगाएं। अगर आपके पास स्पेस की कमी है और आप माउंटेड ऑर्गनाइज़र चाहते हैं, तो स्क्रू और ड्रिल का उपयोग करके लकड़ी के बोर्ड पर होज़ क्लैंप लगाएं। फिर, जार को क्लैंप में सुरक्षित करें। अपने स्टेशनरी आइटम को जार में रखें।

पुरानी प्लास्टिक बोतल से बनाएं आर्गेनाइजर

- घर में पुरानी प्लास्टिक की बोतल होना आम बात है। आप इसे भी बतौर स्टेशनरी आर्गेनाइजर काम में ला सकते हैं। यह इन बोतल को रिसाइकिल करने का एक बेहतरीन तरीका है। आर्गेनाइजर बनाने के लिए प्लास्टिक की बोतलों के ऊपरी हिस्से को मनचाही ऊंचाई पर काटें। सुनिश्चित करें कि किनारे चिकने हों। अगर किनारे नुकीले होंगे तो इससे चोट लगने का खतरा बढ़ जाएगा।
- अब बोतलों को पेंट करें या उन्हें डेकोरेटिव पेपर से कवर ककर दें। इसी तरह, आप आवश्यकतानुसार बोतलों को तैयार कर लें। इन्हें एक पैटर्न में अरेंज करें और फिर उन्हें गोंद या टेप से सिक्योर करें। आपका स्टेशनरी आर्गेनाइजर बनकर तैयार है।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा भारत

14 वर्षों में वैश्विक आयात पर निर्भरता 11 प्रतिशत से घटकर 4 प्रतिशत हुई

नईदिल्ली, एजेंसी। पारंपरिक रूप से रक्षा उपकरणों के लिए विदेशी खरीद पर निर्भर रहने वाले भारत ने पिछले 14 वर्षों में रक्षा आयात पर अपनी निर्भरता काफी कम कर दी है। यह देश की रक्षा रणनीति और नीति में एक बड़ा बदलाव है। कोटक म्यूचुअल फंड की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत 2010 में रक्षा उपकरणों का सबसे बड़ा आयातक था लेकिन इस मामले में 2024 में यह चौथे स्थान पर खिसक गया। 2010 में, भारत दुनिया के कुल रक्षा आयात का 11 प्रतिशत हिस्सा लिया, जिससे यह वैश्विक स्तर पर शीर्ष आयातक बन गया था। 9 प्रतिशत के साथ पाकिस्तान, 6 प्रतिशत पर ऑस्ट्रेलिया और 5 प्रतिशत के साथ दक्षिण कोरिया भी इस सूची में शामिल रहे।

सऊदी अरब, संयुक्त राज्य अमेरिका, सिंगापुर और चीन जैसे देशों में प्रत्येक की हिस्सेदारी 4 प्रतिशत थी, जबकि अल्जीरिया और पुर्तगाल प्रत्येक की 3 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। 2024 के आंकड़ों के अनुसार, यूक्रेन रक्षा उपकरणों का दुनिया का सबसे बड़ा आयातक बन गया है। इसकी वैश्विक आयात में 18 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इस तीव्र वृद्धि का कारण रूस-यूक्रेन युद्ध है, यूक्रेन की सैन्य उपकरणों की मांग को बड़े पैमाने पर बढ़ा दिया है।

पोलैंड वैश्विक रक्षा आयात में 5 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ दूसरे सबसे बड़े आयातक के रूप में उभरा है। इसके बाद संयुक्त राज्य अमेरिका 4 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ तीसरे स्थान पर है। भारत अब कतर, सऊदी अरब, दक्षिण कोरिया और ऑस्ट्रेलिया के साथ चौथे स्थान पर है, जिनमें से प्रत्येक की वैश्विक आयात में 4 प्रतिशत हिस्सेदारी है। जापान और पाकिस्तान जैसे अन्य देश वैश्विक आयात में 3 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखते हैं। अन्य श्रेणी, जिसमें सभी शेष राष्ट्र शामिल हैं, 2010 और 2024 दोनों में उनकी 47 प्रतिशत हिस्सेदारी रही और उनका स्थान अपरिवर्तित रहा। रिपोर्ट के अनुसार भारत की रक्षा निर्माण क्षेत्र में प्रगति हुई है और विदेशी हथियारों पर निर्भरता भी घट गई है।

कोटक की रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि घरेलू रक्षा उत्पादन के लिए सरकार के जोर ने आयात को कम करने और रक्षा निर्यात में सुधार करने में मदद की है। हाल के वर्षों में भारत के रक्षा निर्यात में मजबूत वृद्धि देखी गई है, जो 2017 से 41 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) दर्ज कर रहा है। निर्यात 2017 में 15 बिलियन रुपये से बढ़कर 2024 में 236 बिलियन रुपये हो गया है। रिपोर्ट के अनुसार भारत रक्षा क्षेत्र में अधिक आत्मनिर्भर बन रहा है।

ज़ी एंटरटेनमेंट के निवेशकों को भार्या5 के लिए प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। जी मीडिया वालों की कंपनी ज़ी एंटरटेनमेंटका शेयर आज 9 प्रतिशत से अधिक चढ़कर 146 रुपये के पार पहुंच गया। वजह ये है कि कंपनी ने निवेशकों के सामने इस साल के लिए बड़े-बड़े प्लान्स रखे हैं। द्दद्द का डिजिटल प्लेटफॉर्म द्दद्द5 यॉ5 पिछले साल 548 करोड़ के घाटे में चल रहा था। अब कंपनी का दावा है कि इसी साल द्दद्द5 घाटा कमाकर ब्रेक-ईवन पर आ जाएगा यानी ना फायदा, ना नुकसान। पिछले साल उनका टीवी चैनलों पर दर्शकों का हिस्सा (व्यूअरशिप शेयर) 16.8 प्रतिशत था। इस साल वो इसे बढ़ाकर 17.5 प्रतिशत करने की फिराक में हैं।

ऐड से कमाई बढ़ेगी- पिछले साल तो ऐडवर्टाइजिंग से होने वाली आमदनी में 11 प्रतिशत की गिरावट आई थी। लेकिन इस साल कंपनी को उम्मीद है कि ऐड रेवेन्यू 8 प्रतिशत से 10 प्रतिशत तक बढ़ेगा।

मुनाफे में उछाल- कंपनी का मार्जिन (लाभ का

स्तर) पिछले साल सिर्फ 14.6 प्रतिशत था। इस साल वो इसे काफी बेहतर करके 18 प्रतिशत से 20 प्रतिशत के बीच ले जाना चाहती है।

म्यूजिक बिजनेस से पैसा कमाएंगे- द्दद्द अपने म्यूजिक और सिन्डिकेशन (कंटेंट बेचने) के बिजनेस से भी ज्यादा पैसा कमाने की तैयारी में है। उनका कहना है कि इनसे भी कंपनी की कीमत बढ़ेगी (अनलॉक वैल्यू)।

कैश की तैयारी- कंपनी ने मार्च 2025 तक अपने पास लगभग 2,406 करोड़ नकदी जमा कर ली है। साथ ही, उन्होंने 2,237 करोड़ के और वारंट्स (फुली कन्वर्टिबल वारंट्स) जारी करने की भी मंजूरी ले ली है। ये सब पैसा उन्हें मार्केट में मुकाबला करने और नए मौकों के लिए तैयार रहने में मदद करेगा। डिजिटल, म्यूजिक जैसे तेजी से बढ़ने वाले क्षेत्रों में दूसरी कंपनियों को खरीदने (अक्वायर) या उनके साथ मिलकर काम करने की योजना।

शेयर प्राइस ट्रेंड

इन सभी खबरों से निवेशक खुश हुए और द्दद्द का शेयर आज सुबह 144.6 के भाव पर 8.7 प्रतिशत चढ़ गया। जून महीने में अब तक ये शेयर 10 प्रतिशत बढ़ चुका है और लगातार चौथे महीने ऊपर जा रहा है। इतने लंबे समय तक लगातार बढ़ोतरी का ये सिलसिला नवंबर 2022 के बाद से नहीं देखा गया था।

अमेजन की इस नई सर्विस की वजह से डॉ लाल पैथ सहित 2 कंपनियों के शेयर लुढ़के

नईदिल्ली, एजेंसी। डॉ लाल पैथलैब्स लिमिटेड और मेट्रोपॉलिस हेल्थकेयर लिमिटेड के शेयरों में गिरावट देखने को मिली है। सोमवार को यह स्टॉक 3 प्रतिशत तक टूट चुके हैं। इस गिरावट के पीछे की वजह अमेजन है। कंपनी ने होम लैब टेस्टिंग सर्विस की शुरुआत देश में की है।

6 शहरों में अमजेन की सर्विस- कंपनी ने इस नई सर्विस का नाम अमेजन डायग्नोस्टिक्स रखा है। मौजूदा समय में यह सर्विस बेंगलुरू, दिल्ली, गुरुग्राम, नोएडा, मुंबई और हैदराबाद में उपलब्ध है। जोकि 450 पिनकोड्स को कवर करता है। इस सर्विस के जरिए करीब 1000 मेडिकल टेस्ट करवाए जा सकते हैं। बता दें, अमेजन की यह सर्विस ऑरेंज हेल्थ लैब्स के साथ कोलेबरेशन में शुरू किया गया है। अमेजन की यह सर्विस डॉ लाल पैथलैब्स, मेट्रोपोलिस हेल्थकेयर और विजया डायग्नोस्टिक जैसे इस सेक्टर मजबूत प्लेयर्स के लिए बड़ी चुनौती साबित होगी।

कैसे लोग कर पाएंगे उपयोग- कोई भी व्यक्ति अमेजन ऐप के जरिए टेस्ट की बुकिंग कर सकता है। घर के लिए शेड्यूल कर सकता है। सैंपल कलेक्शन के बाद रिपोर्ट सीधा ऐप पर आ जाएगा। यानी घर बैठे ही यह सर्विस मिल जाएगी। इसी के साथ ही अमेजन की डायग्नोस्टिक स्पेस में हो गया है।

ओला इलेक्ट्रिक के शेयरों का बुरा हाल, 6 प्रतिशत लुढ़का भाव, धड़ाधड़ हो रही बिक्री

नईदिल्ली, एजेंसी। बाजार के बिगड़े हालात में मोबिलिटी लिमिटेड का शेयर 6 प्रतिशत से अधिक लुढ़क गया है। कंपनी के शेयरों का भाव बीएसई में 52 वीक लो लेवल पर पहुंच गया। आज यानी 23 जून को 2.41 करोड़ शेयर जो कि कंपनी के 0.55 प्रतिशत के बराबार हैं उनकी खरीद और बिक्री हुई है। बता दें, इन शेयरों की खरीद और बिक्री औसतन 44 रुपये प्रति शेयर पर हुई है। अभी खरीदार और विक्रेता का नाम सामने नहीं आया है। ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के शेयर बीएसई में गिरावट के साथ 45.37 रुपये के लेवल पर खुले थे। इसके बाद दिन में यह स्टॉक 6 प्रतिशत की गिरावट के बाद 43.20 रुपये के लेवल तक लुढ़क गया था। कंपनी का यह स्टॉक 52 वीक लो लेवल पर पहुंच गया। बता दें, इस साल कंपनी के शेयरों की कीमतों में 49 प्रतिशत की गिरावट आई है।

इससे पहले चुका है एक ब्लॉक डील- जून के शुरुआत में 14.22 करोड़ शेयरों की खरीद और बिक्री हुई थी। जोकि कंपनी के 3.23 प्रतिशत हिस्से के बराबर है। यह ब्लॉक डील 731 करोड़ रुपये की थी। तब यह ब्लॉक डील 51.40 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से हुआ था

आर्थिक मोर्चे पर बड़ा झटका

ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की आर्थिक स्थिति भी अच्छी नहीं है। मार्च तिमाही के दौरान कंपनी का घाटा बढ़ गया है। सालाना आधार पर कंपनी का रेवन्यू 62 प्रतिशत कम हो चुका है।

पिछले साल अगस्त में आया था आईपीओ- ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी का आईपीओ बीते साल 2 अगस्त को खुला था। कंपनी के आईपीओ का प्राइस बैंड 76 रुपये था। यानी मौजूदा समय में यह स्टॉक अपने इश्यू प्राइस से काफी गिरावट के साथ ट्रेड कर रहा है। बता दें, कंपनी ने आईपीओ के वक्त अपने कर्मचारियों को 7 रुपये प्रति शेयर की छूट दी थी।

ईरान-इजरायल युद्ध ने बढ़ाया क्रूड ऑयल का रेट, सातवें आसमान पर भाव

नईदिल्ली, एजेंसी। इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव और अमेरिका का इस युद्ध में कूदने के बाद कच्चे तेल का भाव सातवें आसमान पर पहुंच चुका है। सोमवार को तेल का भाव जनवरी के बाद उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स का दाम 1.91 डॉलर या फिर 2.49

प्रतिशत की उछाल के बाद 78.93 डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, यूएस वेस्ट टेक्सस इंटरमीडियट क्रूड का रेट 1.89 डॉलर या 2.56 प्रतिशत की बढ़ोतरी के बाद रेट 75.73 डॉलर पर पहुंच गया। बता दें, इससे पहले दोनों की कीमतों में 3 प्रतिशत का उछाल आज देखने को मिला था। जिसकी वजह से भाव 81.40 डॉलर और 78.40 डॉलर क्रमशः पहुंच गया। जोकि 5 महीने का उच्चतम स्तर है। ईरान ओपेक का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल उत्पादक देश है।

अमेरिका भी जंग में कूदा- ईरान और इजरायल के बीच चल रहे युद्ध में अमेरिका भी एंट्री ले चुका है। इजरायल का पक्ष लेते हुए ईरान के न्यूक्लियर साइट्स पर अमेरिका ने कई बड़े हमले किए हैं। जिसके बाद से इस युद्ध के और आगे बढ़ने की संभावना को जताया जा रहा है।

- **होर्मुज स्ट्रेट बंद कर सकता है ईरान-** अमेरिका के इस युद्ध में हिस्सा लेने के बाद अब लोगों को डर सता रहा है कि कहीं ईरान होर्मुज स्ट्रेट को बंद ना कर दे। अगर ऐसा हुआ तो दुनिया भर में तेल की आपूर्ति प्रभावित होगी। दुनियाभर में सप्लाई किए जाने वाले क्रूड ऑयल का 5वां हिस्सा इसी होर्मुज स्ट्रेट से जाता है। यह रास्ता काफी संकरा है। बता दें, ईरान प्रेस टीवी की रिपोर्ट के अनुसार देश की पार्लियामेंट ने इस रास्ते को बंद करने पर सहमति जताई है। इससे पहले भी ईरान से रास्ते को बंद करने को लेकर धमकी दे चुका है। लेकिन कभी ऐसा नहीं किया है।
- **110 डॉलर तक जा सकता है भाव-** रविवार को ब्रोकरेज हाउस ने उम्मीद जताई की तेल का भाव आने वाले समय में 110 डॉलर प्रति बैरल जा सकता है। हालांकि, ब्रोकरेज हाउस का मानना है कि ऑयल, गैस की सप्लाई बहुत ज्यादा प्रभावित नहीं होगी।

अवंटेल लिमिटेड को डीआरडीओ और मझगांव डॉक से मिले 2 बड़े ऑर्डर

नईदिल्ली, एजेंसी। सोमवार को जब मार्केट में गिरावट दर्ज की जा रही है इसके बावजूद अवंटेल लिमिटेड के शेयरों 7 प्रतिशत से अधिक की उछाल है। ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि कंपनी ने डीआरडीओ और मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड से मिले दो नए ऑर्डरों की जानकारी दी, जिनका कुल मूल्य 24.73 करोड़ है। इससे निवेशक गदगद हैं और शेयर पर अपना दांव लगा रहे हैं। सुबह के कारोबार में बीएसई पर अवंटेल का शेयर 168.35 प्रति शेयर तक पहुंच गया, जो 7.15 प्रतिशत की उछाल थी और इस साल 5 जून के बाद से सबसे तेज एक दिन में बढ़त थी। बाद में शेयर थोड़ा नीचे आकर 165.25 पर ट्रेड कर रहा था, फिर भी 6.61 प्रतिशत की बढ़त बरकरार थी। यह लगातार तीसरा दिन था, जब अवंटेल का शेयर ऊपर चढ़ा। इस साल अब तक यह शेयर 13 प्रतिशत चढ़ा है, जबकि निफ्टी 50 की बढ़त सिर्फ 5.2 प्रतिशत ही रही। कंपनी का कुल मार्केट कैप अब 4,390.42 करोड़ हो गया है।

ऑर्डर की डिटेल

1. डीआरडीओ से मिला पहला ऑर्डरः बिजनेस स्टैंडर्ड के मुताबिक रक्षा अनुसंधान संगठन की यूनिट डिफेंस इलेक्ट्रॉनिक्स एप्लीकेशन्स लेबोरेटरी ने 20 जून, 2025 को अवंटेल को 13.67 करोड़ का ऑर्डर दिया है। इसमें सॉफ्टवेयर डिफाइंड रेडियो विकसित करना शामिल है। यह काम अगस्त 2027 तक पूरा करना है और इस पर 3 प्रतिशत परफॉर्मेंस बैंक गारंटी लगी है।
2. मझगांव डॉक से दूसरा ऑर्डर- वहीं 20 जून को ही, मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने भी अवंटेल को 11.06 करोड़ का दूसरा ऑर्डर दिया। यह एक निर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) से जुड़ा ऑर्डर है, जिसे अप्रैल 2026 से अगस्त 2029 के बीच पूरा किया जाना है। इस पर 5 प्रतिशत परफॉर्मेंस बैंक गारंटी है।

हाल की एक और अहम खबर

इसी महीने की शुरुआत में, अवंटेल की सहायक कंपनी आईमेड्स ग्लोबल ने आंध्र प्रदेश मेडटेक जोन, विशाखापट्टनम में मेडिकल प्रोडक्ट्स के डिजाइन, विकास और निर्माण की एक नई सुविधा शुरू की है। यह फैक्ट्री लगभग 2 एकड़ जमीन पर बनी है और इसमें 25,000 वर्ग फुट का निर्मित क्षेत्र है। इसमें मेडिकल उत्पाद बनाने के लिए क्लीन रूम, असेंबली और टेस्टिंग की उन्नत व्यवस्था है।

क्या करती है अवंटेल

अवंटेल एक तकनीक-केंद्रित सार्वजनिक कंपनी है जो रक्षा और दूरसंचार ग्रेड के कम्युनिकेशन सिस्टम के डिजाइन और निर्माण में माहिर है। यह अपने ग्राहकों को उनकी जरूरत के मुताबिक नेटवर्क-केंद्रित वायरलेस और सैटेलाइट कम्युनिकेशन सॉल्यूशन प्रदान करती है। इनमें सैन्य मानकों के उत्पाद, डिजिटल माइक्रोवेव सिस्टम, सिग्नल प्रोसेसिंग यूनिट और एम्बेडेड फर्मवेयर/सॉफ्टवेयर शामिल हैं।

नवरत्न स्टॉक ने किया मालामाल, बोनस शेयरों के दम पर 1 लाख रुपये के बना दिए 1 करोड़ रुपये से ज्यादा

नई दिल्ली, एजेंसी। नवरत्न कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयर रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गए हैं। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर सोमवार 23 जून को तेजी के साथ 416.95 रुपये पर जा पहुंचे हैं। पिछले 4 महीने में नवरत्न कंपनी के शेयरों में 62 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स शेयरों ने पिछले 10 साल में 1 लाख रुपये के निवेश को 1 करोड़ रुपये से ज्यादा बना दिया है। कंपनी के शेयरों ने यह कमाल बोनस शेयरों के दम पर दिखाया है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने पिछले 10 साल में अपने शेयरधारकों को 3 बार बोनस शेयर बांटे हैं। नवरत्न कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने पिछले 10 साल में निवेशकों को 3 बार बोनस शेयर दिए हैं। कंपनी ने सितंबर 2015 में 2:1 के रेशियो में बोनस शेयर दिए। यानी, कंपनी ने हर 1 शेयर पर 2 बोनस शेयर बांटे। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स ने सितंबर 2017 में 1:10 के रेशियो में बोनस शेयर दिया। यानी, कंपनी ने हर 10 शेयर पर शेयरधारकों को 1 बोनस शेयर दिया। कंपनी ने सितंबर 2022 में निवेशकों को 2:1 के रेशियो में बोनस शेयर दिए।

1 लाख रुपये के ऐसे बना दिए 1 करोड़ रुपये से ज्यादा- भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयर 12 जून 2015 को 32.86 रुपये पर थे। अगर किसी व्यक्ति ने 12 जून 2015 को 1 लाख रुपये से भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर खरीदे होते तो उसे कंपनी के 3040 शेयर मिलते। नवरत्न कंपनी ने सितंबर 2015 से लेकर अब तक शेयरधारकों को 3 बार बोनस शेयर दिए हैं। अगर कंपनी की तरफ से दिए गए बोनस शेयरों को जोड़ लें तो कुल शेयरों की संख्या बढ़कर 30,096 पहुंच जाती है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयर सोमवार 23 जून 2025 को 416.95 रुपये पर कारोबार कर रहे हैं। ऐसे में 30096 शेयरों की मौजूदा वैल्यू बढ़कर 1.25 करोड़ रुपये पहुंच गई है।

नवरत्न कंपनी को मिले 585 करोड़ रुपये के ऑर्डर- नवरत्न कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने घोषणा की है कि उसे 585 करोड़ रुपये के फ्रेश ऑर्डर मिले हैं। कंपनी को यह ऑर्डर मिसाइल्स के लिए फायर कंट्रोल और साइटिंग सिस्टम्स, कम्युनिकेशन उपकरणों, जैमर्स, क्रिटिकल स्पेयर्स और एसोसिएटेड सर्विसेज के लिए मिले हैं।

पीएम जीवन ज्योति बीमा: 18.5 करोड़ से अधिक भारतीयों को मिली बीमा की ताकत, संभावित शोषण से मिली जरूरी सुरक्षा

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) के जरिये 10 वर्षों में भारतीयों की महत्वाकांक्षाओं को भारी प्रोत्साहन मिला है।एक दशक पहले इस दूरदर्शी योजना को हर भारतीय के लिए जीवन बीमा को सुलभ, किफायती और समावेशी बनाने के एक सरल एवं शक्तिशाली मिशन के साथ लॉन्च किया गया था। आज, हम न सिर्फ उस नीति को देखते हैं, जो समय की कसौटी पर खरी उतरी है, बल्कि एक ऐसे मूवमेंट को भी देखते हैं, जिसने लाखों भारतीयों के जीवन को बदल दिया है।

वित्तीय सुरक्षा नेट के रूप में शुरू हुई यह योजना गरिमा, साहस और आशा की नींव बन गई है। इन 10 वर्षों में पीएमजेजेबीवाई ने 18.5 करोड़ से अधिक भारतीयों को बीमा की सुरक्षा और ताकत दी। योजना के माध्यम से 17,200 करोड़ रुपये से अधिक के दावों का निपटान किया गया है। इसने परिवारों को उस समय राहत पहुंचाई, जब वे अपने सबसे बुरे दौर में थे। सिर्फ 436 रुपये प्रति वर्ष में यह योजना 2 लाख रुपये का जीवन बीमा प्रदान करती है। यह ऐसी जीवन रेखा है, जिसने अनगिनत परिवारों को सहूलियत और निरंतरता प्रदान की है।

परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ बड़े सपने देखने की उम्मीदों को लगे पंख

जब लोगों को पता चलता है कि उनके परिवार सुरक्षित हैं, तो वे कर्ज लेने, छोटा व्यवसाय शुरू करने, बच्चे को शिक्षित करने या अवसर की तलाश में नए शहर में जाने जैसे बड़े सपने देखने के लिए सशक्त होते हैं। यही वित्तीय सुरक्षा का असली उपहार है, जो यह न सिर्फ जीवन की रक्षा करता है, बल्कि संभावनाओं को भी बढ़ाता है।

भारत में एक बड़ी आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है, जहां बीमा आजीविका की सुरक्षा और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एक निश्चित आय के स्तरों में अनिश्चितता, असंगठित क्षेत्र में रोजगार, स्वास्थ्य जांच की सुविधा आदि कुछ ऐसे कारण थे, जिनकी वजह से इन क्षेत्रों में बीमा जागरूकता सीमित थी। योजना की खासियत है कि यह सरल, निर्बाध और सुलभ है। बचत खाते से जुड़ी ऑटो-डेबिट सुविधा और न्यूनतम दस्तावेजों के साथ योजना ने उन बाधाओं को दूर कर दिया है, जो पारंपरिक रूप से बीमा को लाखों लोगों की पहुंच से दूर रखती थी।

2.50 लाख से ज्यादा पंचायतों के सदस्य जुड़े बदल रहा ग्रामीण भारत में बीमा का परिदृश्य- बेहद प्रभावशाली पीएमजेजेबीवाई के जरिये देश के हर कोने में जागरूकता काफी बढ़ गई है। आज, इस

महिलाओं के बीमा कवरेज में सुधार

इस योजना के कारण एक और बड़ा बदलाव यह हुआ है कि महिलाओं के जीवन बीमा कवरेज में सुधार हुआ है। इस योजना ने ग्रामीण भारत की बढ़ती मांगों और महिला आबादी के कवरेज की जरूरतों को पूरा किया है। देश की आर्थिक गतिविधियों में उनका योगदान महत्वपूर्ण है और हर साल बढ़ रहा है। इस योजना ने वित्तीय समावेशन को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

संभावित शोषण से मिली जरूरी सुरक्षा

अमित झिंगरन बताते हैं, बैंक के सर्किल हेड के रूप में मैंने ग्रामीणों के बीच बैंकिंग और वित्तीय उत्पादों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए संध्या शिविर नामक ग्रामीण आउटरीच कार्यक्रम में भाग लिया था। शिविरों में, मैंने उन परिवारों की दुर्दशा देखी, जिन्होंने एकमात्र कमाने वाले को खो दिया।

ओलंपियन ललित ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी से लिया संन्यास

कहा घरेलू मैच व प्रो हॉकी लीग खेलते रहेंगे

वाराणसी, एजेंसी। अर्जुन अवार्डी ललित ने अपने एक्स हैंडल पर अंतरराष्ट्रीय हॉकी से रिटायरमेंट का एलान किया। हालांकि उन्होंने बताया कि वह पहले ही तरह घरेलू और प्रो हॉकी लीग में खेलते रहेंगे। फिलहाल वे इन दिनों बेल्जियम में चल रही प्रो हॉकी लीग में व्यस्त हैं। टोक्यो और पेरिस ओलंपिक में पदक विजेता भारतीय हॉकी टीम का हिस्सा रहे ललित उपाध्याय ने रविवार रात अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास का एलान कर सबको चौंका दिया। अर्जुन अवार्डी ललित ने अपने

एक्स हैंडल पर अंतरराष्ट्रीय हॉकी से रिटायरमेंट का एलान किया। हालांकि उन्होंने बताया कि वह पहले ही तरह घरेलू और प्रो हॉकी लीग में खेलते रहेंगे। फिलहाल वे इन दिनों बेल्जियम में चल रही प्रो हॉकी लीग में व्यस्त हैं। बातचीत में उन्होंने अपने यादगार कॅरियर के लिए अपने प्रारंभिक कोच परमानंद मिश्र को याद किया। कहा कि उन्होंने शुरुआती दिनों में हॉकी खेलने में मदद की और मुझे यहां तक पहुंचाया। यूपी कॉलेज के मैदान से हॉकी का ककहरा सीखने वाले ललित ने अपने छोटे से कॅरियर में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मैचों में अपनी टीम के लिए यादगार प्रदर्शन किए हैं।

छोटे से गांव से शुरू हुआ सफर

ललित ने अपने एक्स पर यह भी लिखा है कि उनकी यात्रा एक छोटे से गांव से शुरू हुई, जहां सीमित संसाधन थे, लेकिन सपने असीम थे। एक स्टिंग ऑपरेशन का सामना करने से लेकर ओलंपिक पोडियम पर खड़े होने तक - एक बार नहीं, बल्कि दो बार - यह चुनौतियों, विकास और अविस्मरणीय गौरव से भरा रास्ता रहा है। यह भी बताया है कि 26 साल बाद अपने शहर से ओलंपियन बनना कुछ ऐसा है जिसे मैं हमेशा सम्मान और कृतज्ञता के साथ अपने साथ रखूंगा। ललित ने अपने अब तक के सफर में कोच परमानंद के साथ ही हरिंदर, समीर, धनराज आदि को मार्गदर्शक बताया है। साथ ही हरमनप्रीत सिंह को भी याद किया है।

इंडिया-इंग्लैंड टेस्ट:

राहुल-पंत के शतक भारत की बढ़त 270 रन

लीड्स, एजेंसी। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले मैच की दूसरी पारी में शतक जड़ दिया है। राहुल ने 202 गेंदों पर शतक पूरा किया। उनके साथ पंत ने भी 130 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया।

कार्लोस अल्काराज ने खिताब जीता

लेहेका को हराकर क्वींस क्लब में शामिल

लंदन, एजेंसी। कार्लोस अल्काराज ने रविवार को जिरी लेहेका को 7-5, 6-7(5), 6-2 से हराते हुए एचएसबीसी चैंपियनशिप 2025 का फाइनल अपने नाम कर लिया। यह उनका दूसरा क्वींस क्लब खिताब है। 22 साल के स्पेनिश खिलाड़ी ने इस सीजन का पांचवां खिताब जीता। उनके करियर की यह 21वीं टूर-लेवल ट्रॉफी है, जिसे जीतने के लिए उन्होंने रोमांचक और शानदार खेल का प्रदर्शन किया। जीत के बाद अल्काराज ने कहा, यह टूर्नामेंट मेरे लिए खास है। मैं एक बार फिर ट्रॉफी उठाकर खुश हूं। मैं बिना किसी उम्मीद के यहां आया था। बस अच्छा टेनिस खेलने की कोशिश रही। मैं भाग्यशाली था कि चैंपियन बना। यहां मेरे बहुत सारे दोस्त और परिवार हैं, जिन्होंने मुझे कोर्ट के अंदर और बाहर वास्तव में सहज महसूस कराया। फाइनल में लेहेका के खिलाफ खेलते हुए अल्काराज ने पहले सेट में बढ़त हासिल की थी। वह दूसरे सेट में तनावपूर्ण टाई-ब्रेक में बेहद कम अंतर से हार गए। लेकिन निर्णायक सेट में जोरदार वापसी की और ग्रास-कोर्ट में अपने अनुभव और क्षमता को दिखाया और सेट जीतने के साथ ही खिताब पर भी कब्जा किया। लेहेका का यह पहला ग्रास-कोर्ट फाइनल था। ग्रास कोर्ट पर अल्काराज का यह चौथा खिताब था। वह नोवाक जोकोविच, माटेओ बेरेटिनी, टेलर फ्रिट्ज और निकोलस माहुत के साथ चार या उससे अधिक खिताब जीतने वाले एकमात्र सक्रिय खिलाड़ी बन गए। दो बार के डिफेंडिंग चैंपियन के रूप में विंबलडन में प्रवेश करते हुए, अल्काराज ने 18 मैचों की जीत की लकीर खींची है। यह अबतक का उनका सबसे लंबा जीत क्रम है। मियामी में आश्चर्यजनक रूप से बाहर होने के बाद से अल्काराज लगभग अजेय रहे हैं। उन्होंने 27-1 का रिकॉर्ड बनाया है और मोंटे-कार्लो, रोम, रोलैंड गैरोस और अब लंदन में प्रतिष्ठित खिताब जीते हैं। उन्होंने पीआईएफ एटीपी लाइव रेस टू ट्यूरिन में जैनिक सिनर पर अपनी बढ़त भी बढ़ा ली है। फाइनल गंवाने के बाद लेहेका ने कहा, मेरे लिए अब शब्द ढूंढने मुश्किल हैं। लेकिन, मैं बहुत खुश हूं कि मुझे आज खिताब के लिए लड़ने का मौका मिला। मैंने आज अपना सबकुछ दिया, दुर्भाग्य से यह पर्याप्त नहीं था। कार्लोस और उनकी टीम को शानदार काम करने के लिए बधाई।

वैभव सूर्यवंशी का दीवाना एमएलसी 2025 में छाया

9 छक्के, 16 चौके उड़ाते हुए ठोके 161 रन, टूटे 5 बड़े रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2025 में जो कर दिखाया है, उसके बाद हर तरफ उनके ही जलवे हैं। उनके ही चाहने वालों की लंबी होती लिस्ट है। ऐसा ही एक दीवाना वैभव सूर्यवंशी का इस वक्त अमेरिका में चल रही मेजर लीग क्रिकेट में भी खेल रहा है। इस वक्त 2025 में छाए वैभव सूर्यवंशी के उस दीवाना का भारत से गहरा नाता है। हम बात कर रहे हैं भारत को अंडर 19 का वर्ल्ड कप अपन कप्तानी में जिताने वाले खिलाड़ी उन्मुक्त चंद की। भारत में मौके नहीं मिलने के चलते उन्मुक्त ने अमेरिका का रुख किया। वो अब वहीं से क्रिकेट खेलते हैं। फिलहाल, अपनी बल्लेबाजी को लेकर सुर्खियों में छाए हैं।

अब आप सोच रहे होंगे कि उन्मुक्त चंद और वैभव सूर्यवंशी के दीवाने? तो जी हां, जरूरी नहीं कि फैन केवल बड़े खिलाड़ियों के ही हों। वैभव सूर्यवंशी जैसे उभरते सितारे भी लोगों को अपना दीवाना बना रहे हैं। उन्मुक्त चंद उसी फेहरिस्त का एक हिस्सा हैं, जो वैभव की बैट स्पीड और हैंड आई को-ऑर्डिनेशन के कायल हैं। उन्होंने कहा भी है कि इस मामले में उसकी काबिलियत गजब की है।

बहरहाल, वैभव सूर्यवंशी के तारीफों के पूल बांधने वाले उन्मुक्त चंद ने एमएलसी 2025 में 161 रन ठोक दिए हैं। ये कमाल उन्होंने 9 छक्के और 16 चौके की मदद से किए हैं। इतने रन बनाने के साथ ही वो फिलहाल एमएलसी 2025 के टॉप 10 रनवीरों में छठे नंबर पर आ गए हैं। उन्मुक्त चंद के एमएलसी 2025 में बनाए ओवरऑल रन में उनका सर्वाधिक स्कोर 86 रनों की नाबाद पारी का है, जो कि उन्होंने 22 जून को खेले मुकाबले में बनाए हैं।

उन्मुक्त चंद ने दिलाई टीम को धमाकेदार जीत

एमएलसी 2025 में 22 जून को सिएटल ओर्कास और लॉस एंजलिस नाइट राइडर्स के बीच मुकाबला हुआ. इस मुकाबले में सिएटल ओर्कास ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 177 रन बनाए, जवाब में 178 रन के लक्ष्य का पीछा लॉस एंजिलिस नाइट राइडर्स ने 10 गेंद पहले ही 4 विकेट खोकर पूरा कर लिया. लॉस एंजिलिस नाइट राइडर्स की ओर से प्लेयर ऑफ द मैच बने उन्मुक्त चंद ने सबसे ज्यादा रन बनाए. उन्होंने ओपन करते हुए 58 गेंदों पर 148 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से नाबाद 86 रन बनाए, उन्मुक्त ने इस पारी के साथ टीम को तो जीत दिलाई ही, साथ ही 5 बड़े रिकॉर्ड भी अपने नाम किए.

टूटे ये 5 बड़े रिकॉर्ड

उन्मुक्त चंद ने पहला रिकॉर्ड लॉस एंजिलिस नाइट राइडर्स के लिए सबसे ज्यादा मैच खेलने का तोड़ा. अपना 10वां मैच खेलते हुए उन्होंने इस मामले में सुनील नरेन को पीछे छोड़ा. उन्होंने सैफ बदर के साथ मिलकर 139 रन की पार्टनरशिप की, जो कि लॉस एंजिलिस नाइट राइडर्स के लिए हुई किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी का रिकॉर्ड है. उन्मुक्त चंद ने अपनी इनिंग में 64 रन बाउंड्री से बनाए, जो कि लॉस एंजिलिस नाइट राइडर्स के लिए एक नया रिकॉर्ड है. इतना ही नहीं उन्मुक्त के बनाए 86 रन टी-20 में लॉस एंजलिस नाइट राइडर्स के किसी भी बल्लेबाज के बल्ले से निकला सबसे बड़ा स्कोर है. सिएटल ओर्कास और लॉस एंजलिस नाइट राइडर्स के बीच मैच में कुल 355 रन बने, जो कि दोनों टीमों के बीच खेले सबसे ज्यादा रनों वाला मैच है.

तैराकी चैंपियनशिप:

रोहित के नाम राष्ट्रीय रिकॉर्ड

तैराकी चैंपियनशिप की 100 मीटर बटरफ्लाई में सर्वश्रेष्ठ समय निकाला

भुवनेश्वर, एजेंसी। तमिलनाडु के तैराक बी बेनेडिक्टन रोहित ने रविवार को यहां सीनियर राष्ट्रीय एक्वाटिक चैंपियनशिप के पहले दिन पुरुष 100 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा में सर्वश्रेष्ठ भारतीय समय निकाला। रोहित ने कलिंगा स्टेडियम के इंडोर एक्वाटिक सेंटर में 52.57 सेकेंड का समय लिया। उन्होंने इस मीटर बटरफ्लाई में ओडिशा की सृष्टि उपाध्याय और रेलवे की आस्था चौधरी एक मिनट 3.50 सेकेंड के समान समय के साथ शीर्ष पर रहीं। कर्नाटक के अनीश एस गौड़ा ने पुरुष 200 मीटर फ्रीस्टाइल में एक मिनट 50.85 सेकेंड के समय के साथ प्रकाश को सिर्फ 0.01 सेकेंड से पछाड़ा। तनीष मैथ्यू,

प्रदर्शन के साथ एशियाई खेलों के पदक विजेता वीरधवल खाड़े के 2009 में बनाए 52.77 सेकेंड के सर्वश्रेष्ठ भारतीय समय में सुधार किया। उन्होंने दो बार के ओलंपियन साजन प्रकाश के 53.24 सेकेंड के पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड में भी सुधार किया। इसके साथ ही रोहित ने 27 जुलाई से सिंगापुर में होने वाली विश्व चैंपियनशिप का 'बी' क्वालीफिकेशन स्तर भी हासिल कर लिया। अखिल भारतीय पुलिस का प्रतिनिधित्व कर रहे प्रकाश ने 53.51 सेकेंड के समय से रजत पदक जीता, जबकि रेलवे के बिक्रम चांगमाई ने 54.35 सेकेंड से कांस्य पदक जीता। महिला 100 चिंतन शेट्टी, दर्शन एस और अनीश गौड़ा की कर्नाटक की चौकड़ी ने सात मिनट 40.90 सेकेंड के साथ पुरुष चार गुणा 200 मीटर का खिताब जीता। दिल्ली की भव्या सचदेवा ने महिला 400 मीटर फ्रीस्टाइल, रेलवे की हर्षिता जयराम ने महिला 200 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक और तमिलनाडु के दानुष सुरेश ने पुरुष 200 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक का खिताब अपने नाम किया। तैराकी में राष्ट्रीय रिकॉर्ड तभी माना जाता है जब यह राष्ट्रीय एक्वाटिक चैंपियनशिप के दौरान हासिल किया गया हो। अन्य प्रतियोगिताओं के समय को सर्वश्रेष्ठ भारतीय समय कहा जाता है।

ग्लेन मैक्सवेल की टीम ने रचा इतिहास

लगाया जीत का चौका; फाफ डुप्लेसिस की तूफानी पारी पर फिरा पानी

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्लेन मैक्सवेल की अगुआई वाली वाशिंगटन फ्रीडम ने मेजर क्रिकेट लीग-2025 (एमएलसी) के 13वें मैच में टेक्सास सुपर किंग्स के खिलाफ सात विकेट से जीत दर्ज की। टीम की जीत के हीरो मिचेल ओवेन रहे। उन्होंने गेंद के बाद बल्ले से भी जलवा बिखेरा। सीजन में लगातार चौथी जीत के साथ वाशिंगटन फ्रीडम पॉइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर मजबूती के साथ खड़ी है। इस टीम ने पांच में से चार मुकाबले जीते हैं, जबकि लगातार दूसरी हार के बाद टेक्सास सुपर किंग्स तीसरे पायदान पर है।

- **डुप्लेसिस की सुपर किंग्स ने 20 ओवर में बनाए 220 रन-** डलास में खेले गए इस मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी फाफ डुप्लेसिस की अगुआई वाली टेक्सास सुपर किंग्स ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 220 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने की उतरी वाशिंगटन सुंदर ने 19.4 ओवर में 3 विकेट पर 223 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। इसके साथ ही उसने मेजर क्रिकेट लीग में सबसे सफल रन चेज का रिकॉर्ड अपने नाम किया। पिछला रिकॉर्ड 201 रन का था, जिसे इस सप्ताह की शुरुआत में एमआई न्यूयॉर्क ने सिएटल ऑर्कस के खिलाफ चेज कर बनाया था।
- **डुप्लेसिस और समित पटेल ने 28 गेंद में ही ठोक दिए थे 55 रन-** समित पटेल और कप्तान फाफ डुप्लेसिस की सलामी जोड़ी ने टेक्सास सुपर किंग्स को शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों ने 4.4 ओवर में 55 रन की साझेदारी की। समित 24 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद फाफ डुप्लेसिस ने मोर्चा संभाला। उन्होंने 31 गेंद में 4 छक्कों और 8 चौकों की मदद से 69 रन जड़े। उनके अलावा मार्कस स्टोइनिस ने 32 और मिलिंद कुमार ने 31 रन की पारी खेली। शुभम रंजन ने 10 गेंद में ताबड़तोड़ 26 रन जड़ते हुए टीम को 200 के पार पहुंचाया। वाशिंगटन फ्रीडम के मिचेल ओवेन ने 3 विकेट झटके। वहीं, ग्लेन मैक्सवेल को 2 और रचिन रविंद्र को 1 सफलता मिली।
- **मिचेल ओवेन और एंड्रीस गौस ने रखी जीत की नींव-** लक्ष्य का पीछा करने उतरी वाशिंगटन फ्रीडम 38 के स्कोर पर अपना पहला विकेट गंवा चुकी थी, लेकिन इसके बाद मिचेल ओवेन ने एंड्रीस गौस के साथ मिलकर टीम को जीत की राह पर लाए। मिचेल ओवेन (52 गेंद में 89 रन) और एंड्रीस गौस (45 गेंद में नाबाद 80 रन) वाशिंगटन फ्रीडम की जीत के मुख्य सूत्रधार रहे। ओवेन और गौस ने सुनिश्चित किया कि टेक्सास सुपर किंग्स के कप्तान फाफ डुप्लेसिस की तूफानी पारी पर पानी फिर जाए। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 119 रन की साझेदारी हुई। मिचेल ओवेन के पवेलियन लौटने के बाद एंड्रीस गौस ने ग्लेन मैक्सवेल (20) के साथ मिलकर टीम को जीत की दहलीज तक पहुंचाया। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए नाबाद 51 रन जोड़े। टेक्सास सुपर किंग्स की ओर से तीनों विकेट एडम मिल्ने ने लिए। उन्होंने 4 ओवर में 42 रन दिए।

इंडिया-इंग्लैंड: सचिन तेंदुलकर का नाम पहले क्यों नहीं?

अंग्रेजों पर बरसे सुनील गावस्कर, इस फैसले से नाराज

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज 20 जून को लीड्स के हेडिंग्ले क्रिकेट ग्राउंड में हुआ था। भारत-इंग्लैंड के बीच यह सीरीज इस बार एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के लिए खेली जा रही है। क्रिकेट जगत के दो दिग्गजों जेम्स एंडरसन और सचिन तेंदुलकर के नाम पर इस ट्रॉफी का नामकरण किया गया है।

सुनील गावस्कर ने ईसीबी पर साधा निशाना

बता दें कि पहले भारत-इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज के विजेता को पटौदी ट्रॉफी दी जाती थी, लेकिन इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने मौजूदा सीरीज की शुरुआत से पहले नाम बदलने का फैसला किया. पटौदी ट्रॉफी देने की परंपरा 2007 में शुरू हुई थी, तब दोनों देशों के बीच इंग्लिश धरती पर खेले गए पहले टेस्ट मैच के 75 साल पूरे हुए थे.

अब टीम इंडिया के पूर्व कप्तान एवं महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने ईसीबी पर जमकर निशाना साधा है. गावस्कर इस बात से

खुश नहीं हैं कि एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में जेम्स एंडरसन का नाम सचिन तेंदुलकर से पहले क्यों रखा गया. दलील दी जा रही कि इस सीरीज का नाम वर्णमाला क्रम में रखा गया है, लेकिन गावस्कर ने इस तर्क को खारिज कर दिया है.

सुनील गावस्कर का मानना है कि क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर की उपलब्धियां हर मामले में एंडरसन से ज्यादा है. गावस्कर ने भारतीय फैन्स से आग्रह किया कि वो मौजूदा सीरीज को तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी कहें. सुनील गावस्कर ने अपने कॉलम में लिखा, ईसीबी को इस सीरीज को किसी भी नाम से पुकारने का पूरा हक है, लेकिन ज्यादातर भारतीय क्रिकेट फैन्स के लिए ये चौंकाने वाली बात है कि इसमें एंडरसन का नाम पहले आता है. कपिल देव के साथ-साथ सचिन तेंदुलकर ना केवल महानतम भारतीय क्रिकेटर हैं, बल्कि जेम्स एंडरसन से उम्र में 12 साल से भी ज्यादा बड़े हैं. उन्होंने आगे लिखा, जहां तक टेस्ट क्रिकेट में रनों और शतकों का सवाल है, तो सचिन तेंदुलकर नंबर-1 हैं, लेकिन वनडे इंटरनेशनल में भी उन्होंने सबसे ज्यादा रन बनाए हैं. एंडरसन टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में तीसरे स्थान पर हैं और उनका रिकॉर्ड वनडे क्रिकेट में तेंदुलकर जितना अच्छा नहीं है.

मलाइका अरोड़ा सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं। इस प्लेटफॉर्म पर वे अक्सर अपने स्टाइलिश लुक शेयर करती हैं। रविवार को उन्होंने एक पोस्ट शेयर किया है। यूं तो उन्होंने हफ्तेभर के अपनी फोटोज शेयर की हैं, मगर इसी में एक पोस्टर उन्होंने ऐसा शेयर किया है, जिसने ध्यान आकर्षित किया है।

मैं गिरी, फिर उठी, आहत हुई, लेकिन जिंदा हूं, मलाइका अरोड़ा ने शेयर किया क्रिप्टिक पोस्ट

मलाइका अरोड़ा ने रविवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से कुछ फोटोज शेयर की हैं। वे अपने दोस्तों के साथ पार्टी करती दिख रही हैं। अपना पसंदीदा खाना एंजॉय कर रही हैं। कुछ फोटोज में उनके बेटे अरहान भी हैं। मगर, इन्हीं फोटोज में एक पोस्ट है, जिसमें मजबूत महिलाओं को लेकर एक कोट लिखा है।

क्रिप्टिक पोस्ट में कही दिल की बात

साझा किए गए पोस्ट के साथ मलाइका ने लिखा है, क्या मजेदार वीक रहा। शुक्रगुजार हूं। इसके अलावा उन्होंने जो एक पोस्टर शेयर किया है, उस पर लिखा है, मैं गिरती हूं, उठती हूं, गलतियां करती हूं, जीती हूं, सीखती हूं, मैं आहत हुई, लेकिन मैं जिंदा हूं। मैं इंसान हूं, मैं परफेक्ट नहीं हूं, लेकिन मैं आभारी हूं। मुझे भरोसा है, मुझे विश्वास है। मैं एक पैर दूसरे के आगे रखना जारी रखूंगी, क्योंकि मजबूत महिलाएं यही करती हैं।

कई साल अर्जुन कपूर को किया डेट

बता दें कि अरबाज खान से तलाक के बाद मलाइका अरोड़ा ने अर्जुन कपूर को डेट किया। दोनों का अफेयर इंडस्ट्री में खूब चर्चा में रहा। उम्र के अच्छे-खासे फासले के बावजूद दोनों के बीच काफी अच्छी बॉन्डिंग रही। हालांकि, दोनों का अब ब्रेकअप हो चुका है और दोनों अब अपनी-अपनी जिंदगी में आगे बढ़ गए हैं।

पत्नि जेनेलिया की फिल्म सितारे जमीन पर की कमाई से गदगद हुए रितेश

रितेश देशमुख शुरू से ही फिल्म सितारे जमीन पर का प्रमोशन कर रहे हैं। इसमें उनकी पत्नी जेनेलिया ने अहम किरदार निभाया है। अब रितेश ने अपनी पत्नी को बाइको बुलाया है।

रितेश देशमुख और जेनेलिया डिसूजा की जोड़ी काफी मशहूर है। दोनों अक्सर सोशल मीडिया रील बनाते हैं और एक दूसरे की तारीफ करते हुए नजर आते हैं। रितेश देशमुख इन दिनों जेनेलिया जिसूजा की फिल्म सितारे जमीन पर का प्रमोशन कर रहे हैं। इंस्टाग्राम पर रितेश देशमुख ने अपनी पत्नी को बाइको बुलाया है और उनकी फिल्म की सफलता के लिए उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

जेनेलिया ने पति को दिया जवाब

रितेश देशमुख की पोस्ट पर जेनेलिया ने जवाब दिया है। उन्होंने लिखा कि यह सब मेरा है। मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि तुम मेरे पास हो रितेश।

मैं बस यही कहना चाहती हूं। रितेश देशमुख की पोस्ट पर अभिनेता सुनील शेट्टी ने लाल दिल वाला इमोजी कमेंट किया है। भाग्यश्री ने लिखा है। बहुत अच्छी तस्वीर है। भगवान आपको सुरक्षित रखे।

रितेश देशमुख ने पत्नी को कहा बाइको

रितेश देशमुख ने रविवार को इंस्टाग्राम पर अपनी पत्नी जेनेलिया डिसूजा और बच्चों के साथ एक बेहतरीन पोस्ट शेयर की है। तस्वीर में सभी लोग मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं। तस्वीरें शेयर करते हुए रितेश देशमुख ने लिखा सितारे जमीन पर के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन और इसकी समीक्षा से खुश हूं। मैं खुश हूं और गर्व है कि मैं आपका पति हूं। आपको शुभकामनाएं बाइको जेनेलिया।

मुश्किल में साउथ के एक्टर विजय देवरकोंडा

अभिनेता विजय देवरकोंडा मुश्किल में आ गए हैं। उनके खिलाफ कथित तौर पर आदिवासी समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली बयानबाजी के आरोप में शिकायत दर्ज की गई है।

अभिनेता विजय देवरकोंडा मुश्किल में आ गए हैं। उनके खिलाफ एससी/एसटी एक्ट के तहत शिकायत दर्ज की गई है। इल्जाम है कि वियज देवरकोंडा ने कथित तौर पर आदिवासी समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली बयानबाजी की।

रायदुर्गम पुलिस स्टेशन में दर्ज हुई शिकायत

यह शिकायत ज्वाइंट एक्शन कमेटी ऑफ ट्राइबल कम्युनिटी के अध्यक्ष नेनावथ अशोक कुमार ने दर्ज कराई है। उन्होंने दावा किया कि फिल्म रेट्रो के प्री-रिलीज कार्यक्रम के दौरान देवरकोंडा की टिप्पणियां आपत्तिजनक थीं। इनसे आदिवासी समुदाय का अपमान हुआ। साइबराबाद के रायदुर्गम पुलिस स्टेशन में देवरकोंडा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और जांच चल रही है।

विजय देवरकोंडा ने की विवादित टिप्पणी

आपको बता दें कि हैदराबाद में रेट्रो फिल्म के प्रमोशन के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में विजय देवरकोंडा को मुख्य अतिथी के तौर पर बुलाया गया था। उस वक्त कश्मीर के पहलगाम में हमला हुआ था। इसके बाद भारत और पाकिस्तान के बीच विवाद चर रहा था। ऐसे में विजय पाकिस्तान के खिलाफ बोल रहे थे। इसी कड़ी में उन्होंने विवादित टिप्पणी करते हुए कहा जैसे पहले आदिवासी कबीले लड़ते थे, वैसे ही अब भारत और पाकिस्तान लड़ रहे हैं। यह बात संगठन ज्वाइंट एक्शन कमेटी ऑफ ट्राइबल कम्युनिटी को पसंद नहीं आई।

रेट्रो के बारे में

फिल्म रेट्रो कार्तिक सुब्बाराजू द्वारा निर्देशित और सूर्या द्वारा अभिनीत फिल्म है। यह फिल्म 1 मई को रिलीज हुई थी। इसमें पूजा हेगड़े ने नायिका की भूमिका निभाई थी। फिल्म का प्री-रिलीज इवेंट 26 अप्रैल को हैदराबाद में आयोजित किया गया था।

आदिवासी संगठन हैं नाराज

संगठन ने विजय की टिप्पणी की आलोचना करते हुए इसे आदिवासियों का अपमान बताया है। उन्होंने कहा आदिवासी समुदाय का हजारों साल पुराना समृद्ध इतिहास है। पर्यावरण संरक्षण में उनकी विशेष भूमिका है। उन्होंने मांग की है कि अभिनेता बोलते समय तथ्यों पर विचार करें।

विजय देवरकोंडा की टिप्पणियों को लेकर आदिवासी और जनजातीय समूहों ने पूरे राज्य में आंदोलन किया है। कई जगहों पर पुलिस को शिकायतें मिली हैं। अब रायदुर्गम पुलिस ने विजय देवरकोंडा के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

अनुपम खेर ने कश्मीरी व्यंजनों की 'खासियत' के बारे में बताया

अभिनेता अनुपम खेर अपनी अपकमिंग फिल्म 'मेट्रो... इन दिनों' को लेकर उत्साहित हैं। इस बीच उन्होंने बात की। बातचीत में उन्होंने कश्मीरी व्यंजनों से जुड़ा एक पुराना किस्सा सुनाया। उन्होंने उस समय को याद किया, जब उन्होंने साल 2006 में बनी फिल्म 'खोसला का घोसला' की शूटिंग के दौरान अभिनेता विनय पाठक को कश्मीरी व्यंजनों से परिचित कराया था। पुरानी यादों को ताजा करते हुए अनुपम खेर ने आईएएनएस को बताया, मैंने विनय के सामने कश्मीरी व्यंजन पेश किया और उन्होंने मुझसे कहा 'कश्मीरी खाना ऐसा होता है?' मैंने कहा 'हां'। मैंने उन्हें यह व्यंजन पेश किया और मैं बहुत खुश हुआ।

उन्होंने आगे बताया, कश्मीरी खाने की खासियत यह है कि इसमें टमाटर, प्याज और लहसुन नहीं होता। फिर भी यह बहुत स्वादिष्ट होता है, लेकिन इस तरह से भारत, खाने के मामले में बहुत समृद्ध देश है। हर 500 किलोमीटर के बाद आपको नया खाना मिलता है, गुजराती, मराठी और तरह-तरह की थालियां। इससे पहले विनय ने आईएएनएस से कहा था, मुझे याद है, अनुपम ने मुझे पहली बार कश्मीरी खाने से परिचित कराया था। मैं शाकाहारी हूं, इसलिए मैंने सोचा, कश्मीरी खाना मेरे लिए नहीं है। उन्होंने मुझसे कहा, तुम्हारे लिए एक ट्रीट है। हम तुम्हें एक जगह ले चलेंगे और उन्होंने मुझे दिल्ली में कश्मीरी खाने की एक जगह से परिचित कराया और मुझे कश्मीरी खाने से मानो प्यार हो गया। हम अपने शॉट देने के लिए अपने क्विज बेस्ड गेम को छोड़ देते थे। कभी-कभी हम 20 सवाल खेलते थे। गुलशन कुमार और टी-सीरीज द्वारा प्रस्तुत, अनुराग बसु प्रोडक्शंस प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से निर्मित 'मेट्रो... इन दिनों' का निर्माण भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, अनुराग बसु और तानी बसु ने किया है। फिल्म 4 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

गैंग्स ऑफ वासेपुर की शूटिंग थी मुश्किल, ऋचा चड्ढा ने किया खुलासा

अभिनेत्री ऋचा चड्ढा ने कहा है कि अनुराग कश्यप की गैंग्स ऑफ वासेपुर की शूटिंग काफी मुश्किल थी। यह फिल्म, अब एक मशहूर क्लासिक बन चुकी है और रविवार को अपने 13 साल पूरे कर चुकी है। ऋचा ने अपने इंस्टाग्राम पर गैंगस्टर ड्रामा से पर्दे के पीछे की कुछ झलकियां साझा कीं। तस्वीरों के साथ, उन्होंने गैंग्स ऑफ वासेपुर के पुराने होने के बारे में एक भावुक नोट भी लिखा। ऋचा ने लिखा, गैंग्स ऑफ वासेपुर को 13 साल मुबारक! तुम आज भी शानदार हो। काश, मैं दुनिया के लिए भी यह कह पाती। आज के समय में तुम जैसी फिल्म शायद न बन पाए। कौन जोखिम लेगा दो हिस्सों वाली इतनी बड़ी कहानी बनाने का, जो अवैध कोयला खनन की पृष्ठभूमि में पीढ़ियों की हिंसा दिखाए? खुशी है कि तुम हो! तुमसे प्यार है। सोहिल शाह और पूरी टीम को प्यार, यह फिल्म बनाना आसान नहीं था।

इससे पहले मनोज बाजपेयी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर गैंग्स ऑफ वासेपुर के कुछ दमदार दृश्यों का एक वीडियो संकलन पोस्ट किया था। बाजपेयी ने कहा कि यह फिल्म हमेशा के लिए भारतीय पंथ सिनेमा को आकार देने के लिए जिम्मेदार है। उन्होंने लिखा, हजरत, हजरत, हजरत! 13 साल पहले, वासेपुर ने भारतीय सिनेमा को फिर से परिभाषित किया। कोयला, अपराध और पंथ संवादों की एक गाथा जो अभी भी स्क्रीन और सड़कों पर गूंजती है। एक प्रोजेक्ट से अधिक, यह इतिहास का एक क्षण बन गया, जिसने भारतीय पंथ सिनेमा को हमेशा के लिए आकार दिया। ऋचा और बाजपेयी के साथ फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी, पंकज त्रिपाठी, जयदीप अहलावत, हुमा कुरेशी, पीयूष मिश्रा और तिग्मांशु धूलिया सहित कई प्रतिभाशाली कलाकार हैं। गैंग्स ऑफ वासेपुर धनबाद के कोयला माफिया (माफिया राज) के सत्ता संघर्ष और अपराधी परिवारों के बीच टकराव की कहानी है। इसका पहला भाग 22 जून 2012 को जारी किया गया था और दूसरा भाग 8 अगस्त 2012 को जारी किया गया था।

'घायल' के 35 साल पूरे

सनी देओल बोले- 'ऐसा लगता है जैसे कल की ही बात हो'

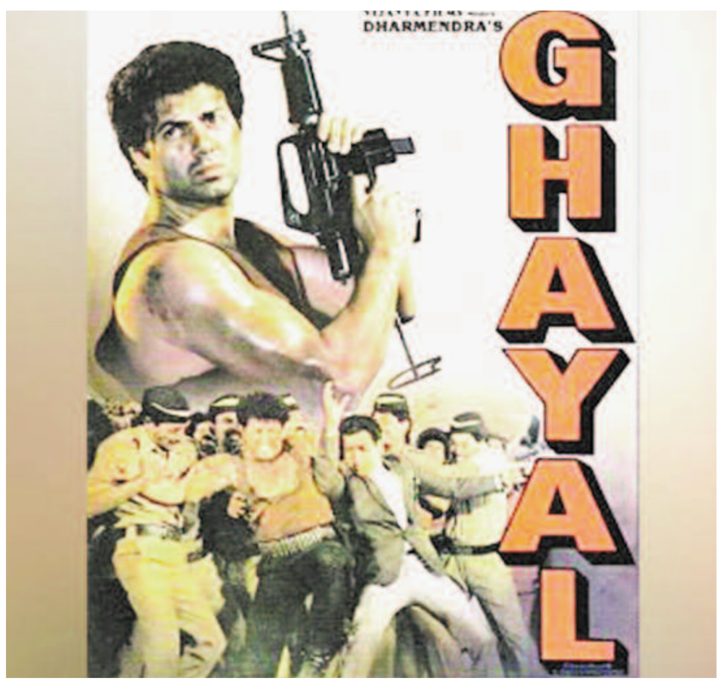

शानदार कहानी और दमदार डायलॉग्स से सजी साल 1990 में रिलीज हुई अभिनेता सनी देओल और मीनाक्षी शेषाद्रि स्टारर आइकॉनिक फिल्म 'घायल' को रिलीज हुए 35 साल हो चुके हैं। सोशल मीडिया पर पोस्ट कर सनी देओल ने घायल को खास फिल्म बताया। फिल्म में सनी देओल लीड रोल में थे और उनके किरदार का नाम 'अजय मेहरा' था। सोशल मीडिया पर सनी देओल ने फिल्म से जुड़े वीडियो मोंटाज को शेयर किया। राजकुमार संतोषी के निर्देशन में बनी फिल्म ने सनी को बॉलीवुड में एक दमदार अभिनेता के रूप में पेश करने में अहम भूमिका निभाई।

सनी ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के शानदार सीन्स और डायलॉग्स का एक वीडियो शेयर कर कैप्शन में लिखा, आज 'घायल' के 35 साल पूरे हो चुके हैं। लेकिन, लगता है कि जैसे हमने अजय मेहरा की कहानी और किरदार को कल ही गढ़ा हो। अजय का साहस, उसकी दृढ़ता और न्याय की भावना आज भी दर्शकों के दिलों में है। यह मेरे लिए सिर्फ एक रोल नहीं, बल्कि दिल का एक टुकड़ा है। इसने मुझे चुनौती दी, प्रेरित किया और कहानी की ताकत से रूबरू कराया। घायल मेरे लिए बेहद खास फिल्म है। सनी देओल की पोस्ट पर फैंस ने कमेंट्स कर उन्हें जमकर सराहा।

एक यूजर ने लिखा, बॉलीवुड का असली और बेस्ट एक्शन हीरो। दूसरे ने कहा, मेरी बचपन की सबसे पसंदीदा फिल्म। तीसरे यूजर ने लिखा, 90 का दशक सबसे शानदार था, नॉस्टैल्जिक! 'घायल' राजकुमार संतोषी की पहली निर्देशित फिल्म थी। वहीं, फिल्म का निर्माण धर्मेंद्र ने किया था। इस फिल्म में सनी देओल के साथ मीनाक्षी शेषाद्रि, राज बब्बर और अमरीश पुरी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

सनी देओल और मीनाक्षी शेषाद्रि के साथ अभिनेत्री मौसमी चटर्जी, अन्नू कपूर, ओम पुरी, शरत सक्सेना और सुदेश बेरी जैसे कलाकारों ने भी इसमें अहम किरदार निभाए। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही और 1990 की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी थी।

बहन सोनाक्षी सिन्हा 'निकिता रॉय' के लिए परफेक्ट: कुश सिन्हा

फिल्म निर्माता कुश सिन्हा ने अपनी पहली निर्देशित फिल्म 'निकिता रॉय' में बहन सोनाक्षी सिन्हा को मुख्य भूमिका में चुनने की वजह बताई। कुश ने स्पष्ट किया कि यह निर्णय पूरी तरह से सोनाक्षी के टैलेंट और योग्यता पर आधारित था। बातचीत में कुश ने बताया, मेरे लिए सोनाक्षी इस किरदार के लिए सबसे सही थीं। उनकी स्क्रीन प्रेजेंस और अभिनय की विविधता कमाल की है। उनकी फिल्में 'अकीरा', 'लुटेरा' और 'दबंग' में उनका काम देखकर आप अंदाजा लगा सकते हैं कि उनके पास कमाल के एक्टिंग स्किल्स हैं। वह किरदारों में गहराई से उतरती हैं और स्क्रीन पर शानदार तरीके से निभाती हैं। उन्होंने आगे बताया कि शुरू से ही उन्हें यकीन था कि सोनाक्षी 'निकिता रॉय' के किरदार को जीवंत कर देंगी, वह इस रोल के लिए परफेक्ट हैं। फिल्म 'निकिता रॉय' को निर्देशित करने की प्रेरणा के बारे में कुश ने कहा, मुझे इसकी कहानी ने आकर्षित किया। यह कहानी नई है, जो दर्शकों को बांधे रखेगी। फिल्म के हर एक किरदार जैसे निकिता रॉय, जॉली, अमरदेव और फ्रेया में कुछ न कुछ बेहद खास है, जब किरदार मजबूत होते हैं, तो कहानी अपने आप दमदार बन जाती है। यही इस प्रोजेक्ट को खास बनाता है। स्क्रिप्ट राइटर पवन कृपालानी का जिक्र करते हुए कुश ने फिल्म बनाने में सबसे बड़ी चुनौती के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया, सबसे मुश्किल काम स्क्रिप्ट को बेहतर बनाना था। पवन कृपालानी ने शानदार स्क्रिप्ट लिखी, लेकिन हमें इसे और गहरा करना था।

साभार एजेंसी